CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :23°C
न्यूनतम: 10°C

हल्द्वानी, गुरुवार 27 नवम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 92 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 7 विक्रमी सम्वत् 2082 | 5 जमादिउल उखरा 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता: योगी

पेज 2

दक्षिण अफ्रीका का क्लीन स्वीप, भारत में 25 साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

खेल टाइम्स

बाल उत्पीड़न: समस्या कितनी गहरी है

सम्पादकीय

राम मंदिर में मोदी का ध्वजारोहण नाजायज: पाक

पेज 12

संविधान बचाओ-भाईचारा बनाओ महारैली में आसपा की ललकार

अंबेडकर व मनुवादी विचारधारा में संघर्ष, सत्ता में आने वाले बढ़ेंगे आगे: चंद्रशेखर

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। आजाद समाज पार्टी (आसपा) अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर ने एसआईआर के जरिये वोट चोरी रोकने का संकल्प दिलाने के साथ एक जनवरी से बेरोजगारी व ईवीएम से वोटिंग बंद कराने के लिए राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि किसानों के लिए गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल करने और वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट बेंच बनाने का वादा भी किया। चन्द्रशेखर आजाद ने कहा कि सत्ता के लिए मनुवादी और अंबेडकर वादी विचारधारा में संघर्ष छिड़ा है, जो सरकार में आएगा वह आगे बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि अपने हक के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने किसानों को गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल दिलाने, मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना कराने और दलित एवं ओबीसी युवाओं को नौकरी के लिए निजी क्षेत्र में आरक्षण दिलाने के लिए संघर्ष छेड़ने की घोषणा की। चंद्रशेखर आजाद ने संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित संवैधानिक अधिकार बचाओ, भाईचारा बनाओ रैली में उमड़े जनसमूह को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि यदि संविधान न होता तो आज एक प्राथमिक शिक्षक -**शेष पृष्ठ दो पर**

चंद्रशेखर आजाद ने पूर्व विधायक शाहनवाज राना को आसपा की सदस्यता ग्रहण कराई

मुजफ्फरनगर। आसपा अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने उमड़े जनसमूह और मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद मंडलों से आए कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पूर्व विधायक शाहनवाज राना को पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। प्रदेश अध्यक्ष सुनील चित्तौड़ा ने उनके पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के की घोषणा की। इसके बाद पार्टी सुप्रीमो चंद्रशेखर आजाद ने पूर्व विधायक शाहनवाज राना का पटका पहनाकर सम्मान किया। जिला अध्यक्ष दिनेश बावरा, राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी राजस्थान, मध्य प्रदेश रविन्द्र भाटी, कमल वालिया, पूर्व सांसद अमीर आलम, पूर्व विधायक नवाजिश आलम, भीम आर्मी अध्यक्ष विनय रतन सिंह, पश्चिम प्रभारी कमल गौतम ने उनका स्वागत किया।

■ **आसपा अध्यक्ष ने एक जनवरी से ईवीएम से वोटिंग बंद कराने के लिए राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की**

भगोड़ों को वापस लाना देश का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

153 केस वाले आरोपी की याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम इन्कार

■ **एफआईआर डिटेल लेने दुबई से आना पड़ेगा**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि कानून से बचने के लिए विदेश भागे आरोपियों को वापस लाने का देश को पूरा अधिकार है। कोर्ट ने दुबई में रहने वाले विजय मुरलीधर उधवानी की याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया। इसमें उधवानी ने भारत से यूएई को भेजी गई उन्हें वापस लाने की रिक्वेस्ट (एक्सट्रडिशन रिक्वेस्ट) हटाने की मांग की थी।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई के दौरान पिटीशनर की दलीलें मानने से इन्कार कर दिया और कहा कि अगर उसे एफआईआर की पूरी जानकारी चाहिए तो उसे भारत आकर लेनी होगी। उधवानी पर गुजरात में 153 आपराधिक केस दर्ज हैं, जिनमें शराब की तस्करी और गैंग की तरह गैर-कानूनी काम करने के आरोप भी शामिल हैं। वह जुलाई 2022 में दुबई जाने के बाद से भारत नहीं लौटा है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है। आरोपी के वकील ने कहा कि उसके पास पासपोर्ट नहीं है और वह भारत वापस आना चाहता है। इस मामले में एक सह-आरोपी की पुलिस कस्टडी में मौत हो चुकी है, इसलिए उधवानी अपनी सुरक्षा को लेकर डरा हुआ है। उसने यह भी मांग की थी कि भारत लौटने पर उसे सीसीटीवी निगरानी वाली कस्टडी में रखा जाए। बेंच ने इन दलीलों पर विचार करने से इन्कार किया और कहा कि अधिकारी उसे भारत लाने में सक्षम हैं। इसके बाद वकील ने याचिका वापस ले ली। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने भी उधवानी की याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट का कहना था कि आरोपी को मौजूद रहने के लिए बुलाना और उसे वापस लाने की प्रक्रिया शुरू करना बिल्कुल सही है। राज्य सरकार ने कोर्ट में कहा था कि वह सिर्फ शराबबंदी से जुड़े मामलों में ही नहीं, बल्कि जालसाजी, तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर अपराधों में भी शामिल है, जिनकी जांच ईडी कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण चिंताजनक, हल निकालना होगा: सीजेआई

सूर्यकांत बोले-कल डेढ़ घंटा टहला, तबीयत बिगड़ गई

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की वजह से लोगों की तबीयत बिगड़ रही है और सांस लेने में दिक्कत हो रही है। सीजेआई सूर्यकांत भी इससे प्रभावित दिखे। उन्होंने बुधवार को एसआईआर पर चल रही सुनवाई के दौरान इसका जिक्र किया। कहा कि मैं मंगलवार शाम को एक घंटा टहला। प्रदूषण की वजह से मेरी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि हमें जल्द इसका हल निकालना होगा। दरअसल हुआ यह कि इलेक्शन कमीशन के एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने सीजेआई से खराब सेहत की वजह से सुनवाई से छूट मांगी। इस पर सीजेआई

एसआईआर: केंद्र और केरल चुनाव आयोग जवाब तलब

चुनाव आयोग बोला-राजनीतिक पार्टियां डर का माहौल बना रहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एसआईआर के खिलाफ दायर तमिलनाडु, बंगाल और केरल की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दल जानबूझकर डर का माहौल बना रहे हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने केरल सरकार की याचिका पर केंद्र और राज्य चुनाव आयोग को एक दिसम्बर तक जवाब दाखिल करने को कहा है। अगली सुनवाई 2 दिसम्बर को होगी। वहीं पश्चिम बंगाल की याचिका पर 9 दिसम्बर को सुनवाई होगी। इसी दिन चुनाव आयोग राज्य की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट भी जारी करेगा।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स की मिली मेजबानी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ **2030 में अहमदाबाद में होंगे गेम्स, ओलिंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत होगी**

नई दिल्ली। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिल गई है। बुधवार को स्काटलैंड के ग्लासगो में कामनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को होस्ट सिटी घोषित किया गया।

भारत 15 साल के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन गेम्स का आयोजन किया गया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 38 गोल्ड समेत 101 मेडल जीते थे। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक के बाद अहमदाबाद को अधिकृत तौर पर होस्ट सिटी घोषित किया गया। भारत में पहली बार दिल्ली के बाहर मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट होगा अगर अहमदाबाद को 2030 की मेजबानी मिलती है, तो यह पहली बार होगा जब कोई बड़ा इंटरनेशनल मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट दिल्ली के बाहर आयोजित होगा। भारत 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स, 1951 और 1982 एशियन गेम्स की मेजबानी भी कर चुका है। 3 बड़े मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट दिल्ली में हुए थे। अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के आयोजन के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। यहां खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। मुख्य वेन्यू के तौर पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नारणपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, और सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एंक्लेव को प्रस्तावित किया गया है। कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन किसी भी देश के लिए सिर्फ खेल आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अंतर्राष्ट्रीय छवि, विकास क्षमता, इन्फ्रास्ट्रक्चर और विजन का भी प्रतीक माना जाता है। अब तक ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, कनाडा और न्यूजीलैंड सहित कुल 9 देश इसकी मेजबानी कर चुके हैं। सबसे ज्यादा 5 बार मेजबानी का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी मिलने से ओलंपिक गेम्स 2036 की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी मजबूत होगी। भारत 2036 के ओलंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने लाल किले की से इसका ऐलान किया था। पिछले साल नवम्बर में भारत ने ओलिंपिक गेम्स-2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी।

संविधान राष्ट्रीय अस्मिता का ग्रंथ: राष्ट्रपति मुर्मू

कहा: इसे आत्मसात कर संसद ने जन आकांक्षाओं को किया अभिव्यक्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को राष्ट्रीय अस्मिता और पहचान का ग्रंथ बताते हुए कहा है कि बीते दशक में हमारी संसद ने इसके मूल्यों पर चलते हुए जन आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने के अनेक कार्य किए हैं।

श्रीमती मुर्मू ने बुधवार को यहां संविधान दिवस के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में अपने अभिभाषण में कहा कि संविधान सभा ने संसदीय प्रणाली को अपनाने के पक्ष में जो ठोस तर्क दिए गए थे वे आज भी प्रासंगिक हैं। विश्व के विशालतम लोकतन्त्र में जन-आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने वाली भारतीय संसद, विश्व के अनेक लोकतंत्रों के लिए आज एक उदाहरण के रूप में प्रतिष्ठित है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माता चाहते थे कि संविधान के माध्यम से हमारा सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान सुनिश्चित रहे। मुझे यह कहते हुए बहुत प्रसन्नता होती है कि बीते दशक में हमारी संसद ने जन-आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने के अत्यंत प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि संविधान निर्माताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए वह सभी सांसदों को बधाई देती हैं और कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से संविधान सभा के परम सम्माननीय सदस्यों की स्मृति में सादर नमन करती हैं।

■ **विश्व के विशालतम लोकतंत्र में जन-आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने वाली भारतीय संसद, विश्व के अनेक लोकतंत्रों के लिए आज एक उदाहरण के रूप में प्रतिष्ठित**

उन्होंने कहा कि संविधान की अंतरात्मा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता जैसे आदर्शों में अभिव्यक्त होती है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि इन सभी आयामों पर संसद सदस्यों ने संविधान निर्माताओं की परिकल्पनाओं को यथार्थ स्वरूप प्रदान किया है। संसदीय प्रणाली की सफलता के ठोस प्रमाण के रूप में, आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेज गति से अग्रसर है। भारत में लगभग 25 करोड़ लोगों के गरीबी की सीमारेखा से बाहर आने से आर्थिक न्याय के पैमाने पर विश्व की सबसे बड़ी सफलता अर्जित हुई है। राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में सामाजिक न्याय के आदर्श के अनुरूप देश में समावेशी विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लागू होने से महिलाओं के नेतृत्व में विकास के एक नए युग का आरंभ होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सात नवम्बर से राष्ट्र-गीत 'वन्दे मातरम' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में देशव्यापी स्मरणोत्सव मनाए जा रहे हैं। यह स्मरणोत्सव भारत माता को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प का अवसर है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि के लिए आप सभी सदस्यगण देशवासियों को दिशा और प्रेरणा प्रदान करेंगे।

प. बंगाल में बाबरी मस्जिद शिलान्यास के लगे पोस्टर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार देर रात बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए। इन पर लिखा है कि 6 दिसम्बर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर को आयोजनकर्ता बताया गया है। खुद कबीर ने मंगलवार को कहा कि हम 6 दिसम्बर को बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। तीन साल में इसका निर्माण पूरा होगा। कार्यक्रम में कई मुस्लिम नेता शामिल होंगे। अयोध्या में बाबरी मस्जिद को 6 दिसम्बर 1992 को कार सेवकों ने शहीद कर दिया था। अगले महीने बाबरी विध्वंस के 33 साल पूरे हो जाएंगे। टीएमसी विधायक का कहना है कि इसी मौके पर यह आयोजन किया जाएगा। टीएमसी विधायक का यह बयान तब सामने आया है जब मंगलवार को अयोध्या में पीएम मोदी ने राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण का मतलब है मंदिर अब पूर्ण हो गया। 22 जनवरी, 2024 को राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। भाजपा ने इसकी कड़ी आलोचना की है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि टीएमसी पश्चिम बंगाल में मस्जिद नहीं, बल्कि बांग्लादेश की आधारशिला रख रही है। गिरिराज सिंह ने दावा किया कि ममता बनर्जी सरकार बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के समर्थन पर टिकी है।

■ **टीएमसी विधायक बोले: छह दिसम्बर को नींव रखेंगे**

संक्षिप्त समाचार

भारत में ही विमानों के इंजन और कल पुर्जे होंगे डिजाइन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांसिसी कंपनी सफरान से भारत में ही विमानों के इंजन और कल पुर्जों के डिजाइन की संभावनाओं का पता लगाने और अंतरिक्ष यानों की प्रणोदन प्रणालियों के डिजाइन तथा विनिर्माण के लिए भारत में मौजूद अवसरों तथा प्रतिभाओं का उपयोग करने की अपील की है। श्री मोदी ने मंगलवार को यहां सफरान के विमान इंजनों के रख रखाव, मरम्मत और ओवरहालिग (एमआरओ) केंद्र का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण किया।

पुणे मेट्रो का विस्तार होगा, परमानेंट मैग्नेट इंडस्ट्री के लिए 7280 करोड़ की योजना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 4 प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 9858 करोड़ रुपये से पुणे मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। वहीं रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट बनाने वाली इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए 7280 करोड़ रुपये की योजना लाई गई है। ए मैग्नेट इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी), डिफेंस, एयरोस्पेस और इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने में जरूरी होते हैं। इसके अलावा, अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने गुजरात की द्वारका-कनालूस रेलवे लाइन और महाराष्ट्र की कर्जत-बदलापुर रेलवे लाइन को डबल करने की मंजूरी दी है। यानी रेल लाइनों पर और ट्रैक बनाए जाएंगे।

फरीदाबाद से आतंकी उमर को पनाह देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राजधानी में लालकिला के पास हुए कार विस्फोट की वारदात को अंजाम देने वाले आतंकवादी उमर उन नबी को पनाह देने के आरोप में हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। फरीदाबाद के धौज का रहने वाला शोएब इस मामले में गिरफ्तार होने वाला सातवां आरोपी है। एनआईए की जांच से पता चला है कि शोएब ने 10 नवम्बर को कार बम धमाका होने से पहले उमर को रसद सहायता प्रदान की थी।

कमला पसंद कंपनी के मालिक की बहू ने आत्महत्या की

नई दिल्ली। देश की मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू दीप्ति चौरसिया (38) ने दिल्ली के वसंत विहार स्थित अपने घर में मंगलवार शाम आत्महत्या कर ली। दीप्ति का शव ड्रेसिंग रूम के पंखे से लटका हुआ मिला। दीप्ति का शव सबसे पहले उसके पति हरप्रीत चौरसिया ने देखा। हरप्रीत उन्हें लेकर अस्पताल गए, जहां दीप्ति को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस को एक डायरी मिली है, जिसमें दीप्ति ने अपने पति के साथ विवाद का जिक्र किया है। दीप्ति ने डायरी में लिखा कि अगर किसी रिश्ते में प्यार और भरोसा नहीं तो फिर उस रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है। अब और नहीं सहन होता। बेटे को मां का आशीर्वाद।

संक्षिप्त समाचार

ईटीआईएम मशीनों के डैमेज पर पहली बार वसूली नहीं होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन (ईटीआईएम) के रख-रखाव और उपयोग से संबंधित नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब इरादतन या गैर-इरादतन किसी भी कारण से ईटीआईएम मशीन के पहली बार डैमेज अथवा खराब हो जाने पर संबंधित कार्मिक से किसी प्रकार की वसूली नहीं की जाएगी। मशीन के प्रतिस्थापन का संपूर्ण व्यय निगम स्वयं वहन करेगा। परिवहन निगम के प्रबंध निद. शक प्रभु एन. सिंह ने बुधवार को सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी कार्मिक द्वारा एक वर्ष की अवधि में मशीन को दोबारा फिजिकली डैमेज किया जाता है या क्षति पहुंचती है, तो ऐसी स्थिति में प्रतिस्थापन व्यय की प्रतिपूर्ति संबंधित दोषी कर्मचारी से की जाएगी।

सफरान ने 2030 तक भारत से राजस्व तीन गुना करने का लक्ष्य रखा

हैदराबाद। विमान इंजन बनाने वाली फ्रांस की कंपनी सफरान ने साल 2030 तक भारत से अपना राजस्व तीन गुना करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बुधवार को यहां सफरान के एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहॉल) सेंटर के उद्घाटन के मौके पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलि. वियर एंड्रीस ने यह बात कही। सीएमएफ इंटरनेशनल लीप इंजन के लिए यह सफरान का सबसे बड़ा एमआरओ केंद्र है। एंड्रीस ने कहा कि हैदराबाद में लीप और एम88 इंजन के लिए बने दो नए एमआरओ केंद्र और बीईएल के साथ हमारा नया संयुक्त उपक्रम हमारे ग्रुप के लिए भारत की अहमियत को दिखाते हैं।

खड़गे ने संघ व मोदी पर निशाना साधा

नई दिल्ली।

■ कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा: आरएसएस ने संविधान को बताया था 'पाश्चात्य मूल्यों' पर आधारित

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को संविधान दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने संविधान को पाश्चात्य मूल्यों को आधारित बताया था और संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर का पुतला फूंका था।

खड़गे ने बुधवार को यहां संविधान दिवस के मौके पर देशवासियों को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारत रत्न डा. अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरु और डा. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा के साथ मिलकर संविधान का ही नहीं, एक ऐसे भारत का निर्माण किया, जहां लोकतंत्र सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि भारत न्याय, समानता, आजादी, परस्पर भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद भारत की पहचान बन गया था, लेकिन आज ये पहचान खतरे में है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब संविधान लागू हुआ था, तब आरएसएस जैसे संगठन खुले तौर पर कहते थे कि संविधान 'पाश्चात्य मूल्यों' पर आधारित है और उनका आदर्श तो मनुस्मृति है। इतिहास गवाह है कि आरएसएस संविधान के खिलाफ थे। आज विडम्बना यह है कि जो लोग कभी संविधान से ज्यादा मनुस्मृति को मानते थे, सत्ता में आने के बाद मजबूरी और राजनीतिक आवश्यकता के कारण उसी संविधान को अपना बताने की कोशिश कर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि 11 दिसम्बर, 1948 को आरएसएस ने रामलीला मैदान में बड़ा सम्मेलन करके डा. अंबेडकर जी का पुतला भी फूंका था। आरएसएस ने केवल संविधान और तिरंगे का विरोध ही नहीं किया, बल्कि अंग्रेजी राज में जब स्वाधीनता सेनानी जेलों में थे, तो आरएसएस अंग्रेजों के साथ थी और उसी आरएसएस की मोदी जी लाल किले से तारीफ करते हैं। जबकि गांधी जी की हत्या के बाद 30 जनवरी 1948 को आरएसएस पर पहला प्रतिबंध सरदार पटेल जी ने लगाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आज मोदी हमें कॉलोनाइजेशन के खतरे पर ज्ञान दे रहे हैं, पर ये उसी विचारधारा के लोग हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में, राष्ट्रीय आंदोलन में एक मिनट भी देश की जनता का साथ नहीं दिया, उल्टा अंग्रेजों की गुलामी की। उन्होंने कहा कि देश की जनता जान चुकी है कि संस्थानों को कौन चोट पहुंचा रहा है।

गरीबों, वंचितों के सुरक्षा कवच संविधान पर नहीं होने देंगे आक्रमण: राहुल

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बुधवार को कहा कि हमारा संविधान गरीबों एवं वंचितों का सुरक्षा कवच तथा देश के हर नागरिक की आवाज है और इस पर किसी तरह का हमला नहीं होने दिया जाएगा। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा ष्भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह देश के हर नागरिक से किया गया एक पवित्र वादा है। वादा कि चाहे कोई किसी भी धर्म या जाति का हो, किसी भी क्षेत्र से आता हो, कोई भी भाषा बोलता हो, गरीब हो या अमीर, उसे समानता, सम्मान और न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि संविधान गरीबों और वंचितों का सुरक्षा कवच है, उनकी शक्ति है और हर एक नागरिक की आवाज है। जब तक संविधान सुरक्षित है, हर भारतीय के अधिकार सुरक्षित हैं। आइए हम प्रण लें कि हम संविधान पर किसी भी तरह का आक्रमण नहीं होने देंगे। इसकी रक्षा करना मेरा कर्तव्य है।

मुंबई आतंकी हमले के मृतकों को राहुल ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने '26/11' मुंबई आतंकवादी हमले में अपने प्राण गंवाने वाले नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका बलिदान देश हमेशा याद रखेगा। गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मुंबई में 26/11 को हुए दुस्साहसी आतंकवादी हमले में अपने प्राण गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों और आम नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि। भारत उनके साहस, बलिदान और शहादत को कभी नहीं भूलेगा।

चुनाव आयोग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे बीएलओ: अजय

जौनपुर, वार्ता

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को कहा कि सरकार की दमनकारी नीतियों और चुनाव आयोग की लापरवाही का खामियाजा कर्मचारी, शिक्षक और बीएलओ भुगत रहे हैं।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी सरकार और चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर पिछड़ी जातियों का वोट काटने का दबाव बनाया जा रहा है। इसी अत्याचार, दबाव और तनाव के कारण शिक्षक आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। यह बेहद शर्मनाक है।'' श्री अजय राय आज जौनपुर स्थित दिवंगत शिक्षक के मल्हनी स्थित आवास पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की और हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने मांग की है कि घटना की निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और बीएलओ ड्यूटी में मनमाने दबाव को तुरंत रोका जाए। गौरतलब है कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मल्हनी गांव के निवासी विपिन यादव गोण्डा जिले में सहायक अध्यापक पर तैनात थे, उनकी ड्यूटी एसआईआर के लिए बीएलओ पर तैनात थे। कल उन्होंने जहर खाकर आत्महत्या कर ली और आरोप लगाया कि वहां के एसडीएम, तसीलदार और बीडीओ उन पर पिछड़ी जातियों का वोट काटने का दबाव बना रहे थे। गांव में मौजूद मृतक के साले प्रतीक यादव ने भी बताया कि बीएलओ ड्यूटी के नाम पर अत्यधिक कार्यभार और दबाव के चलते शिक्षक बिपिन यादव कई दिनों से परेशान चल रहे थे।

सीएम ने संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पढ़ाया पाठ

कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले: मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता। जहां कर्तव्य के बिना अधिकार प्राप्त करने का प्रयास किया गया है, वहां पर लो. कतंत्र नहीं है, बल्कि वहां तानाशाह, व्यवस्था को गिरफ्त में लेकर आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को रौंदते दिखते हैं।

योगी ने लखनऊ में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 2015 से पूरा देश प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करता है। 1946 में हुए संविधान सभा के चुनाव के उपरांत गठित संविधान सभा ने भारत के संविधान का निर्माण किया था।

उन्होंने कहा कि डा. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में बनी संविधान सभा ने अलग- अलग कमेटियां बनाई थीं, उसकी ड्रॉफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। योगी ने कहा कि संविधान निर्माण में दो वर्ष 11 महीने 18 दिन लगे। संविधान निर्माण में जिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने योगदान व विशेषज्ञों ने सहयोग किया, उसी का परिणाम है कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा और भारत की अनेकता को एकता में जोड़ने वाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान की मूल प्रति को लेकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की समिति जब संविधान सभा के पास गई थी तब भी उन्होंने कहा था कि संविधान एक दस्तावेज है, जो भारत की विविधता को एकता में जोड़ने में मार्गदर्शिका के रूप में देश को नेतृत्व प्रदान करेगी। श्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठ कराया। इसके पूर्व अतिथियों ने भारत मां व बाबा. साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पार्चन किया।

इस दौरान लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि 26 नवम्बर 1949 को बाबा साहेब के नेतृत्व की ड्रॉफ्टिग कमेटी ने भारत के संविधान की मूल प्रति संविधान सभा को सौंपा था। हर भारतवासी के घर में उसकी प्रति होनी चाहिए। हर परिवार में उसकी प्रस्तावना का वाचन होना चाहिए।

राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली संविधान के प्रति कर्तव्य पालन की शपथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा और मार्गदर्शन में संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को राजभवन में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राजभवन में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पठन करते हुए संविधान के प्रति निष्ठा, नीतिपरायणता और कर्तव्यपालन की शपथ ली। संविधान दिवस पर आयोजित यह सामूहिक संकल्प न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक बना, बल्कि भारतीय गणतंत्र की आदर्श भावना को भी पुन: स्मरण कराने वाला क्षण रहा। कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकारियों ने भारतीय संविधान की विशेषताओं, उसके महत्व और संविधान निर्माण में महिलाओं की ऐतिहासिक भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने बताया कि संविधान सभा में सरोजिनी नायडू, हंसा मेहता, दुर्गाबाई देशमुख जैसी महिला सदस्यों ने महिलाओं की शिक्षा, समानता,

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 85609.51
निफ्टी 26205.30

सोना रु. 122744
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 152971
प्रति किलो

शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी सेंसेक्स 1022 अंक उछला

मुंबई, वार्ता

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को जबरदस्त तेजी देखी गई और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1022.50 अंक (1.21) प्रतिशत उछलकर 85,609.51 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 320.50 अंक यानी 1.24 प्रतिशत चढ़कर 26,205.30 अंक पर पहुंच गया। लगातार तीन कारोबारी दिवस की गिरावट के बाद बाजार में रौनक लौटी है। विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच दोनों प्रमुख सूचकांक आज गिरावट में खुले, लेकिन खुलते ही हरे निशान में चले गए। बीच कारोबार में सेंसेक्स 85,644.19 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 26,215.15 अंक तक चढ़ने में कामयाब रहा। वैश्विक बाजारों में तेजी के अलावा घरेलू स्तर पर पिछले तीन दिन की गिरावट के बाद कम भाव पर खरीद का असर भी दिखा। छोटी और मझौली कंपनियों के सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से ज्यादा की तेजी रही। एनएसई के सभी सूचकांक हरे निशान में रहे। धातु, आईटी, बैंकिंग, फार्मा, ऑटो और स्वास्थ्य सेक्टरों के सूचकांक एक प्रतिशत से ज्यादा चढ़े। सेंसेक्स की बढ़त में एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और एलएंडटी का योगदान सबसे अधिक रहा।

आईआईएम लखनऊ ने शुरू की 99 मूनशॉट्स फेलोशिप

लखनऊ। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ ने डॉक्टोरल शोध को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपनी विशेष पहल '99 मूनशॉट्स - 1999 बैच फेलोशिप' की शुरुआत की है। यह फेलोशिप आईआईएम लखनऊ के पोस्ट-ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के 1999 बैच द्वारा संस्थान को प्रदान की गई है, जिसका उद्देश्य उच्च-गुणवत्ता वाले शोध कार्य को बढ़ावा देना और संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को मजबूत करना है। फेलोशिप के पहले प्राप्तकर्ताओं के रूप में मिस आयुषी सिंह (ऑपरेशंस एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट) और मिस्टर सतीश कुमार (स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट) का चयन किया गया है। आईआईएम लखनऊ के निदेशक प्रो. एमपी गुप्ता ने बुधवार को इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि 1999 बैच का यह योगदान शोध उत्कृष्टता के प्रति उनके गहरे समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दोनों चयनित शोधार्थी भविष्य के प्रभावी शोध की दिशा तय करेंगे। डीन (प्रोग्राम) प्रो. संजय सिंह ने भी 1999 बैच के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और इसे शोधार्थियों के लिए प्रेरणादायी कदम बताया। 1999 बैच के सदस्य अशिष भगारे ने कहा कि यह फेलोशिप संस्थान की वैश्विक रैंकिग और शोध उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में उनका सामूहिक प्रयास है। इस वर्ष दो पीएचडी शोधार्थियों का चयन किया गया है और आने वाले समय में और भी छात्रों को सहायता प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि डॉक्टोरल प्रोग्राम के चेयरमैन प्रो. पुष्पेन्द्र प्रियदर्शी ने कहा कि यह पहल आईआईएम लखनऊ की शोध प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेगी।

चावल, गेहूं में टिकाव, चीनी, दालें मजबूत, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली। दिल्ली थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के भाव स्थिर रहे। चावल के साथ गेहूं में भी टिकाव रहा। आवक कम रहने से चीनी और दालों के दाम चढ़ गए जबकि खाद्य तेलों में उतार.चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 3,854.72 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही।

गेहूं भी 2,857.42 रुपये पर कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रहा। आटे की कीमत भी लगभग स्थिर रही। दालों में मजबूती रही। मूंग दाल भी 25 रुपये और मसूर दाल 14 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल का भाव चार रुपये और चना दाल का 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। उड़द दाल की कीमत गत दिवस के स्तर पर ही टिकी रही। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 32 रिंगिट चढ़कर 4,022 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का जनवरी वायदा भी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50.86 डॉलर बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 39 रुपये और सरसों तेल चार रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। अन्य तेलों में तेजी रही। सोया तेल के भाव 42 रुपये और सूरजमुखी तेल के चार रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गए। वनस्पति 54 रुपये और पाम ऑयल 14 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ औसतन नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। चीनी भी तीन रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7884.82 रुपये, मसूर काली 8177.93 रुपये, मूंग दाल 10123.08 रुपये, उड़द दाल 10371.47 रुपये, तूअर दाल 10623.28 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2857.42 रुपये और चावल 3854.72 रुपये प्रति क्विंटल।

संविधान दिवस पर संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिक प्रतिबद्धता दिखाएं: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर नागरिकों से भारतीय संविधान के बुनियादी सिद्धांतों के प्रति अपना समर्पण दिखाने की अपील की। रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए गए एक संदेश में संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि को याद किया और न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा भाईचारे को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। ये मूल्य भारत की लोकतांत्रिक पहचान को परिभाषित करते हैं। उन्होंने लिखा, हम संविधान दिवस पर उस दूरदृष्टि को याद करते हैं, जिसने भारत के लोकतंत्र की नींव रखी। इस संविधान दिवस पर, आइए हम न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के प्रति अपने आपको फिर से समर्पित करें-ए वे सिद्धांत हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अंबेडकर व...

का बेटा सांसद न बन पाता। उन्होंने रैली में मौजूद लोगों से कहा कि वह कुर्बानी के लिए तैयार हैं, लेकिन झुकने वाले नहीं। बिना नाम लिए बसपा पर कटाक्ष किया कहा कि मान्यवर कांशीराम ने लंबी लकीर खींच दी थी , लेकिन कुछ लोगों ने जिनसे संघर्ष था, उन्हीं से समझौता कर लिया। चंद्रशेखर आजाद ने यहां उमड़े अपार जनसमूह खासकर युवाओं में खूब जोश भरा, उन्होंने मौजूदा लोगों के जज्बात टटोलते हुए कहा कि बुलडोजर से घरों को जमींदोज किया जा रहा है, जो बोलता है, उसके घर पर बुलडोजर चल जाता है या ईडी का डर दिखाया जाता है, जो इनका विरोध करता है, वह राष्ट्रविरोधी हो जाता है और जो पार्टी ज्वॉइन कर ले, वही राष्ट्रवादी बन जाता है। उन्होंने कहा कि अब होशियार होने की जरूरत है, अब नहीं जागे, तो सोच लो 50 साल बाद यह देश कहां खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि लड़ाई किसी कि पूंछ नहीं, बल्कि मूछ बनने की है। उन्होंने कहा कि पूंछ कितनी भी लंबी हो, लेकिन मूंछ हमेशा ऊपर ही रहती है। उन्होंने मुस्लिम समाज से भी आह्वान किया कि जुल्म इतना बुरा नहीं होता, जितना उस जुल्म के सामने खामोश रहना। उन्होंने कहा कि तुगलकाबाद में उन्हें लाठियों से पीटा गया, देवबंद में उन्हें गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि हमलावर जानते हैं कि यदि वह 10 साल और जिंदा रहा, तो दिल्ली की कुर्सी पर बैठेगा। इस दौरान आसपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ा, भीम आर्मी भारत एकता मिशन राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव कमल सिंह वालिया, राष्ट्रीय महासचिव रविंदर भाटी, जिला अध्यक्ष दिनेश बावरा, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी, पूर्व सांसद अमीर आलम, नवाजिश आलम, पूर्व विधायक शाहनवाज राना, रंजनवीर एडवोकेट, सतपाल चौधरी, रविन्द्र भाटी शामिल रहे।

भारत के विकास की गतिशीलता पर दुनिया की नजर: राधाकृष्णन

वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में चुनावी, न्यायिक वित्तीय आदि क्षेत्रों में और सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने की जरूरत: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि देश आज भले ही तेजी से विकास कर रहा है और जल्द ही हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे लेकिन बदलते वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में चुनावी, न्यायिक, वित्तीय आदि क्षेत्रों में और सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने की जरूरत है।

राधाकृष्णन ने 'संविधान दिवस' पर यहां संसद भवन परिसर में संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश विभिन्न क्षेत्रों में तरक्की करते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही तीसरा स्थान हासिल कर लेगा। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद थे।

राष्ट्रपति ने इस दौरान डिजिटल माध्यम में संविधान को नौ भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगू, उड़िया और असमिया में जारी कर संविधान से कला और कैलीग्राफी बुकलेट का अनावरण भी किया। उपराष्ट्रपति ने संविधान दिवस को पावन दिवस बताते हुए कहा कि इसी दिन 1949 में, स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने हमारे पवित्र संविधान को अंगीकृत किया था और 2015 से देश 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मना रहा है। यह दिन अब नागरिकों के लिए उत्सव बन चुका है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मानव वन्यजीव संघर्ष में मृतक के परिजनों को मिलेंगे 10 लाख

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। धामी कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए । देहरादून में नियो मेट्रो पर कैबिनेट की सहमति बनी है। वहीं आवास व शहरी विकास मंत्रालय ने कुछ परामर्श दिए हैं।

उत्तराखंड में मानव वन्यजीव संघर्ष के मामले सामने आते रहते हैं। वर्तमान में प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में भालू और गुलदार के हमलों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।भालू और गुलदार के हमलों से कई लोगों की जान भी जा चुकी है, जिससे लोग न सिर्फ दहशत में हैं, बल्कि वन विभाग की भी चिंता बढ़ गई है।ऐसे में अब उत्तराखंड सरकार ने वन्य जीव संघर्ष के मामलों में प्रभावितों खासकर मृतकों के परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि को बढ़ाने का निर्णय लिया है।इस संबंध में बुधवार को हुई धामी मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान मानव वन्यजीव संघर्ष राहत वितरण निधि नियमावली- 2025 (संशोधन) को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत अब मानव वन्यजीव संघर्ष में मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

■ दून में नियो मेट्रो पर सहमति, महिला कर्मकारों को लेकर भी कैबिनेट में हुआ फैसला,मंत्रिमंडल की बैठक में आए 10 प्रस्ताव ,मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट

सीएम धामी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में दस प्रस्ताव आए। पर्यावरण संरक्षण का लेखा जोखा सदन पटल पर रखने पर सहमति बनी। अभियोजन विभाग में नए पदों के गठन को मंजूरी दी गई। इसके अलावा अतिरिक्त 46 सहायक अभियोजन अधिकारी के पद सृजित किए जाने पर निर्णय लिया गया।कैबिनेट बैठक में ऊर्जा विभाग का 2022-23 का वार्षिक प्रतिवेदन सदन पटल पर रखा जाएगा। रात नौ बजे से सुबह छह बजे तक महिला कर्मकारों को काम करने की आजादी है। उनकी लिखित सहमति के बाद सुरक्षा देनी होगी। यह श्रम विभाग का मामला है।दुकान और आस्थापन अध्यादेश के तहत इसकी तीन धाराओं में संशोधन होगा। इससे छोटे प्रतिष्ठानों पर असर नहीं पड़ेगा। बड़े प्रतिष्ठानों को नियम लागू करने होंगे। शिक्षा विभाग में उदयराज इंटर कॉलेज काशीपुर व अन्य मामले में पुनः परीक्षण का फैसला लिया गया। चयन प्रोन्नत वेतनमान मामले में अतिरिक्त वेतन वृद्धि मामले में परीक्षण। देहरादून में नियो मेट्रो पर कैबिनेट की सहमति बनी है। वहीं आवास व शहरी विकास मंत्रालय ने कुछ परामर्श दिए हैं। उनको समाहित करने पर सहमति दी गई।

कैबिनेट में लिए गए मुख्य निर्णय

1-उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड की वित्तीय वर्ष 2024-25 के क्रियाकलापों के संपूर्ण लेखे-जोखे को राज्य विधान मण्डल के पटल पर रखे जाने की स्वीकृति दी गइ। **2**- राज्य गठन के बाद समय-समय पर अभियोजन विभाग में अभियोजन संवर्ग के कुल 142 पद के सापेक्ष सहायक अभियोजन अधिकारी के कुल 91 पद सृजित है। न्यायालयों में वादों के सम्बन्ध में प्रभावी पैरवी किये जाने के लिए अभियोजन संवर्ग के ढाँचें को पुनर्गठित करते हुए प्रथम चरण में राज्य के चार जनपदों कमशः देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर एवं नैनीताल के लिए सहायक अभियोजन अधिकारी के कुल 46 अतिरिक्त पदों को सृजित किये जाने प्रस्ताव पर मंत्रिमण्डल द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है। **3**-भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित कम्पनी एक्ट-2013 की धारा-395 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि० (यूजेवीएन लि०) के वर्ष 2022-23 के वार्षिक वित्तीय प्रतिवेदन को विधानसभा पटल पर रखे जाने का प्राविधान है, जिसके अनुपालन में यूजेवीएन लि. के वर्ष 2022-23 के वार्षिक वित्तीय प्रतिवेदन को आगामी विधानसभा सत्र में विधानसभा पटल पर रखे जाने सम्बन्धी प्रस्ताव पर मा० मंत्रिमण्डल का अनुमोदन प्राप्त किया गया। **4** - प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत मानचित्र स्वीकृति की अनिवार्यता किये जाने के संबंध में। पुनः परीक्षण किए जाने का निर्णय किया गया। **5**- राज्य की दुकानों एवं स्थापनों में महिला कर्मकारों को रात्रि पाली (रात्रि 9.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक) कार्य करने की सशर्त छूट प्रदान की गयी है, जिसमें महिला कर्मकारों की सुरक्षा का पर्याप्त प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान से महिला कर्मकारों को कार्य करने के अधिक अवसर प्राप्त होगें तथा महिला कर्मकारों का आर्थिक सशक्तिकरण होगा। रात्रि पाली में महिला कर्मकारों को कार्य में तभी लिया जा सकता है जब उनके द्वारा इस संबंध में पूर्व में ही लिखित सहमति प्राप्त कर ली जाय। इससे महिला कर्मकारों को पुरूष कर्मकारों के समान कार्य करने के अवसर प्राप्त होगें तथा लैंगिक समानता की व्यवस्था भी प्रभावी होगी। **6**- उत्तराखण्ड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन और सेवा-शर्त) (संशोधन) अध्यादेश, 2025 के माध्यम से उत्तराखण्ड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन और सेवा-शर्त) अधिनियम, 2017 की धारा 1(2), 8, 9 एवं धारा 19 में संशोधन किया जा रहा है। इन संशोधनों से छोटे प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और वे अपनी आर्थिक गतिविधि सुचारू रूप से संचालित कर सकेंगे जबकि बड़े प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मकारों को कानून के अन्तर्गत सभी लाभ प्राप्त होंगे। इससे निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, दुकानों एवं स्थापनों में काम करने के समय में लचीलापन आयेगा, प्रशासनिक बोझ कम होगा। उक्त के अतिरिक्त इससे दुकानों एवं स्थापनों की कार्यक्षमता बढ़ेगी एवं कर्मकारों को ज्यादा काम करने का अवसर मिलेगा, जिसके परिणामस्वरूप उनकी आर्थिकी में सुधार होगा। **7**- उत्तराखण्ड मेट्रो रेल एवं शहरी अवस्थापना एवं भवन निर्माण निगम की सम्पन्न आहूत 34वीं बोर्ड बैठक के एजेण्डा बिन्दु संख्या-34/3 में पारित प्रस्ताव के अनुक्रम में देहरादून शहर में प्रस्तावित मेट्रो नियो परियोजना के प्रस्ताव पर आवासन एवं शहरी विकास मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिये गये परामर्श / सुझाव से मा० मंत्रिमण्डल को अवगत करने एवं मार्गदर्शन प्राप्त किये जाने का प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया है। **8**-वर्तमान में मानव वन्यजीव संघर्ष के प्रकरणों में प्रभावितों को अनुग्रह राशि का भुगतान ष्मानव वन्यजीव संघर्ष राहत वितरण निधिः नियमावली-2024ष के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है। उक्त नियमावली के प्रावधानों के अनुसार वर्तमान में मानव मृत्यु की दशा में रू0 6.00 लाख की धनराशि मृतक के आश्रितों को प्रदान किये जाने का प्रावधान है। मानव मृत्यु की संवेदनशीलता के दृष्टिगत समय-समय पर इस धनराशि को बढ़ाये जाने की मांग को देखते हुए, टाईगर कन्जर्वेशन फाउण्डेशन फॉर सीटीआर की शासी निकाय की 10वीं बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में मानव मृत्यु की दशा में अनुग्रह राशि की दर को रू0 6.00 लाख से बढ़ाकर रू0 10.00 लाख किये जाने हेतु मूल नियमावली के नियम-9 के उप नियम (1) में संशोधन करते हुए अब मानव मृत्यु की दशा में प्रति व्यक्ति रू. 10.00 लाख की अनुग्रह राशि दी जायेगी। इस संबंध में मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा वन्यजीव हमले में जनहानि पर मिलने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर रू. 10.00 लाख किये जाने की घोषणा भी की गयी थी।

संविधान की मूल भावना ही एमडीडीए की कार्य संस्कृति का आधार : तिवारी

■ एमडीडीए में संविधान दिवस पर उद्देशिका का सामूहिक पठन, राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को दोहराया

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) मे कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव एमडीडीए मोहन सिंह बर्निया ने की। इस मौके पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पठन किया और संविधान की मूल भावनाकृन्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुता के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। एमडीडीए परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण की दिशा में मिलकर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

इस मौके पर उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने संविधान दिवस पर अपने संदेश में कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है, जो हमें कर्तव्यों और अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की सीख देता है। संविधान दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का पुनः स्मरण है। एमडीडीए में हम पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए संविधान की मूल भावना को हर विकास कार्य में उतारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विकास तभी सार्थक है जब वह न्याय और समानता के सिद्धांतों पर आधारित हो।

राष्ट्र के विकास, प्रगति और सुशासन की आधारशिला है संविधान : बर्निया

सचिव मोहन सिंह बर्निया ने इस अवसर पर संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान न केवल विश्व का सबसे विस्तृत और समावेशी संविधान है, बल्कि यह हर नागरिक को समान अधिकार और अवसर प्रदान करने की महान व्यवस्था भी है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें स्मरण कराता है कि राष्ट्र के विकास, प्रगति और सुशासन की आधारशिला संविधान ही है, और प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान द्वारा प्रदत्त मूल्यों का पालन करे।

सचिव बर्निया ने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को संविधान दिवस एवं विधि दिवस की शुभकामनाएं दी । उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन भारत के इतिहास में सदा स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा, क्योंकि इसी दिन संविधान सभा ने भारतीय संविधान को स्वीकार कर लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी।

कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' से सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

लखनऊ/देहरादून। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के अवसर पर सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डॉ. रावत को यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. रावत ने कहा कि स्काउटिंग युवाओं में अनुशासन, एकता और देशभक्ति का भाव विकसित करने का बड़ा मंच है, जिसका विस्तार प्रदेश के स्कूलों व कॉलेजों में निरंतर किया जा रहा है।

19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में आज (बुधवार) राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' से कैबिनेट मंत्री व डॉ. धन सिंह रावत को सम्मानित किया। इस अवसर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डॉ. रावत द्वारा उत्तराखंड में स्काउट-गाइड आंदोलन को मजबूत करने, इसे व्यापक स्तर पर लागू करने तथा युवाओं में सकारात्मक व राष्ट्रनिर्माण की सोच विकसित करने हेतु किये गये प्रयासों की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

■ 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के हाथों मिला सम्मान,कहा, स्काउटिंग अनुशासन, एकता और देशभक्ति का भाव विकसित का मंच

सिल्वर एलीफेंट अवार्ड से सम्मानित होने पर डॉ. रावत ने कहा कि यह क्षण उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग युवाओं में अनुशासन, एकता, सेवा-भाव और देशभक्ति की भावना को विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूलों एवं कॉलेजों में स्काउट-गाइड गतिविधियों के विस्तार और उसे अधिक प्रभावी बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

डॉ. रावत ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था देशभर में स्काउट-गाइड गतिविधियों के माध्यम से युवाओं के शारीरिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है साथ ही विश्वव्यापी भाईचारे की भावना को भी सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक समर्पण के साथ जनसेवा व युवा सशक्तिकरण के कार्यों में जुटने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

डॉ. रावत ने की सीएम योगी से मुलाकात

लखनऊ में आयोजित भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं जम्बूरी में प्रतिभाग करने पहुंचे सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर डॉ. रावत ने राष्ट्रीय जम्बूरी के भव्य व सफल आयोजन पर उन्हें बधाई दी। इस दौरान दोनों नेताओं बीच उत्तराखंड से जुड़े विभिन्न मुद्दों और समसामयिक विषयों पर सकारात्मक व सार्थक चर्चा हुई।

राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रदेश के युवाओं से की मुलाकात

भारत स्काउट एंड गाइड उत्तराखंड के प्रादेशिक अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रतिभाग कर रहे प्रदेश के स्काउट्स एंड गाइड्स दल से मुलाकात की। कार्यक्रम स्थल पर स्काउट्स गाइड्स ने डॉ. रावत का बैंड की धुन बजाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान डॉ. रावत ने सभी प्रतिभागियों को जम्बूरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि स्काउटिंग युवाओं में सेवा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करती है।

सिपन गर्ग को टीएचडीसी सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) आरके विश्नोई के आकस्मिक निधन के बाद निदेशक वित्त सिपन कुमार गर्ग को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह कॉमर्स और विधि से ग्रेजुएट हैं। सिपन गर्ग कंपनी सचिव परीक्षा में रैंक होल्डर भी हैं। केंद्रीय संचार विभाग के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. एएन त्रिपाठी के मुताबिक सिपन कुमार गर्ग ने बुधवार को ऋषिकेश मुख्यालय में सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण कर लिया है। बताया कि उन्हें विद्युत क्षेत्र में वित्त, लेखा, कराधान और वाणिज्यिक कार्यों का 24 वर्षों से अधिक का अनुभव है। टीएचडीसीआईएल में नियुक्ति से पूर्व वह एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनियों अरावली पावर प्राइवेट लिमिटेड और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में भी मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि गर्ग एनटब्पीसी के कॉरपोरेट लेखा समूह और कोलडैम हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में प्रमुख भूमिका में भी रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग करने के साथ ही इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की कई समितियों में भी रहकर लेखांकन व्यवसाय में अहम योगदान दिया है, जिनमें पब्लिक फाइनेंस और गवर्नमेंट एकाउंटिंग कमेटी, एकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स स्टडी ग्रुप व मेंबर्स इन इंडस्ट्री ग्रुप (पीएसयू) शामिल हैं।

महासंघ के पदाधिकारियों ने जताया जोशी का आभार

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से बुधवार को उनके कैंप कार्यालय में उपनल कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों ने भेंट कर राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए 12 साल सेवा से संबंधित आदेश पर आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि उपनल कर्मचारी लंबे समय से समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग कर रहे थे। उनकी इस लम्बित मांग पर राज्य सरकार ने सकारात्मक निर्णय लेते हुए कार्मिकों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के निरंतर प्रयासों और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के फलस्वरूप, राज्य सरकार ने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है किख्रराज्य सरकार के अधीन विभागों/संस्थानों में उपनल के माध्यम से तैनात ऐसे कार्मिक, जिन्होंने 12 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा पूर्ण की है, उन्हें समान कार्य-समान वेतन के सिद्धांत पर वेतनमान का न्यूनतम वेतन एवं महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अन्य उपनल कार्मिक, जिन्होंने चरणबद्ध रूप से अपनी सेवाएं पूर्ण की हैं, उन्हें भी जल्द ही समान कार्य-समान वेतन के अनुरूप न्यूनतम वेतन एवं महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा।

उपनल कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियों ने इस निर्णय को कर्मचारियों के लिए अत्यंत राहतकारी बताते हुए मंत्री गणेश जोशी का धन्यवाद किया।

■ राज्य सरकार के जारी 12 साल सेवा से संबंधित आदेश के लिए सैनिक कल्याण मंत्री के प्रयासों को सराहा

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया हुए कहा कि राज्य सरकार कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर उपनल कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद गोदियाल, महामंत्री विनय प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वन्य जीव हमलों में राहत राशि बढ़ाने के फैसले का भट्ट ने किया स्वागत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने कैबिनेट बैठक में वन्य जीव हमले में जनहानि राशि को 10 लाख किए जाने का स्वागत किया है।भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त करते हुए, इस निर्णय को जनहित में बहुत जरूरी बताया।

■ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री धामी का आभार जताते हुए निर्णय को जनहित में जरूरी बताया

उन्होंने कैबिनेट निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वर्तमान में सामने आई मानव वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं को लेकर हमारी सरकार गंभीर है। जिसमें रोकथाम के लिए लगातार उपाय भी किए जा रहे हैं। वावजूद इसके कई लोगों का इन हमलों में जान गंवाना या घायल होना बेहद चिंताजनक है। जिसमें मृतकों के परिजनों को दी जाने वाली 6 लाख की सहायता राशि को बढ़ाकर 10 लाख किया जाना सराहनीय कदम है । हालांकि जीवन अनमोल होता है, उसकी भरपाई नहीं की जा सकती है, लेकिन सरकार की तरफ से पीड़ित परिवारों की यह राशि एक शुरुआती मदद है। इससे पूर्व घायलों को लेकर भी पूर्णतया इलाज की घोषणा कर चुके हैं जो मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और गंभीरता को दर्शाता है।इसी तरह देहरादून में कैबिनेट द्वारा नियो ट्रेन प्रस्ताव की मंजूरी राजधानी क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन को बेहतर बनाने में बड़ा कदम होगा। इसी तरह राज्य की दुकानों एवं स्थापनों में महिला कर्मकारों को रात्रि पाली रात्रि 9.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक कार्य करने की सशर्त छूट प्रदान करना, उत्तराखण्ड दुकान और स्थापन कानून में किए सुधार एवं अन्य विभागों की कई महत्वपूर्ण निर्णयों को भी जनहित में जरूरी बताया।

जंगली जानवरों के छिपे होने की आशंका शीघ्र करें झाड़ियों का कटान: महाराज

पौड़ी। प्रदेश के पंचायती राज मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने बाघ के हमले में मारी गई विकास खंड जयहरीखाल, ग्राम बौंठ निवासी सतीश्वरी देवी पत्नी सुरेन्द्र प्रसाद के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि महिलाएं काम के सिलसिले में अकेले न जाकर समूह में जायें।

उन्होंने कहा कि राज्य के पर्वतीय जनपदों में जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों और उनसे आम जन की सुरक्षा के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। पंचायत विभाग के अधिकारियों को अनटाइड फंड से रिहायशी इलाकों में ऐसे स्थानों की झाड़ियों को कटवाने के निर्देश दिए गए हैं जहां जंगली जानवरों के छिपे होने की आशंका रहती है।

महाराज ने जंगली जानवरों के हमलों में मारे जाने वाले लोगों को 10 लाख की मुआवजा राशि दिये जाने और घायलों के उपचार का पूरा खर्च सरकार द्वारा वहन किये जाने के निर्णय पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय जनपदों में जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों को देखते हुए आमजन एवं ग्रामीणों की सुरक्षा के मध्येनजर पकड़े गए जंगली जानवरों को प्राणी उद्यानों और वनतारा में रखने की व्यवस्था बनाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इसके लिए बड़ी-बड़ी संस्थाओं एवं कंपनियों से उनके रखरखाव एवं खान-पान की व्यवस्था पर होने वाले खर्च को वाहन करने का उनसे अनुरोध किया जा रहा है। क्योंकि एक बाघ को पड़कर यदि किसी भी प्राणी उद्यान में रखा जाता है तो उसके खान-पान एवं रखरखाव पर 20 से 25 लाख रुपए के लगभग वार्षिक खर्च आता है। इसलिए इस तरह की पहल करना आवश्यक है। ताकि आम लोगों के साथ-साथ वन्य जीवों के भी सुरक्षा हो सके।

अभियोजन सेवा हमारी न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ : सीएम

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को पुलिस लाइन देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में भारत के संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई और अभियोजन विभाग की पत्रिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी को संविधान एवं विधि दिवस की शुभकामनाएं देते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर का भी भावपूर्ण स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नए आपराधिक कानूनों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अभियोजन विभाग को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग को डिजिटलीकरण के कार्य के लिए भी सहायता प्रदान की जाएगी। अभियोजन विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। अभियोजन विभाग के अधिकारियों को राज्य में बोली जाने वाली विभिन्न बोलियों का प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी।

■ पुलिस लाइन देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में भारत के संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाई, अभियोजन विभाग की पत्रिका का विमोचन भीकिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियोजन सेवा हमारी न्याय व्यवस्था का वह महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो सत्य को प्रतिष्ठित करने और न्याय की प्रक्रिया को पारदर्शी व प्रभावी बनाने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन भारत के इतिहास में सदैव एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज रहेगा। इसी दिन भारत की संविधान सभा ने भारतीय संविधान को औपचारिक रूप से स्वीकार किया था। 26 नवंबर को विधि दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत 1979 में प्रख्यात विधिवेत्ता स्व. डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी के प्रयासों और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा की गई थी। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में एक राष्ट्रीय पर्व की भांति मनाने का निर्णय लेकर हमारे सभी संविधान निर्माताओं को सच्ची श्रद्धांजलि देने का कार्य किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी न्याय-व्यवस्था को आधुनिक, सशक्त, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक विनोद चमोली, सचिव गृह शैलेश बगोली, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, निदेशक अभियोजन ए.पी. अंशुमान तथा पुलिस एवं अभियोजन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कहा - राज्य सरकार प्रदेश में न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कर रही कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में न्याय व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने के लिए नए न्यायालय भवनों का निर्माण और मौजूदा संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है। डिजिटल कोर्ट्स, ई-फाइलिंग और वर्चुअल हियरिंग की प्रणालियों को और अधिक सशक्त किया जा रहा है। विधि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और युवा अधिवक्ताओं को मेंटरशिप उपलब्ध कराने के साथ ही महिला अधिवक्ताओं के लिए भी सुरक्षित व अनुकूल वातावरण विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश में सख्त नकल-विरोधी कानून लागू करने, यूसीसी जैसे अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं।

चुनावी रंजिश, चौकी में हुआ हंगामा

दोनों पक्षों के 33 लोगों के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों ने कुंडेश्वरी चौकी में हंगामा कर दिया। एसआई चन्दन बिष्ट की तहरीर के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के 33 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। चौकी प्रभारी कुंडेश्वरी एसआई चन्दन सिंह बिष्ट ने बताया कि मंगलवार को हरदीप सिंह पुत्र सुखदेव सिंह निवासी गुलजारपुर काशीपुर, चौकी में आये और बताया कि जगदीप सिंह पन्नू उर्फ जेडी पुत्र हरपाल सिंह निवासी ग्राम गुलजारपुर ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है, तथा फोन पर की गई रिकार्डिंग उन्हें सुनाई जा रही थी कि तभी दोपहर के लगभग 1:15 बजे चौकी प्रांगण से काफी शोर-शराबा व गाली-गलौच की आवाजें सुनाई दीं। एसआई बिष्ट ने बाहर निकलकर देखा तो करीब 30-40 लोग आपस में किसी बात को लेकर बाहर से लड़ते हुए चौकी प्रांगण में घुस आये और प्रांगण के अन्दर भी एक-दूसरे को गाली-गलौच, मारपीट करते हुए लड़-झगड़कर जान से मारने की धमकी देकर बलवा करने लगे। दोनों पक्षों को उन्होंने चौकी पर मौजूद हे.कां. मौ. शाहिद, जितेन्द्र बिष्ट, कां. जगदीश पपनै, किशोर फर्त्याल तथाा दर्शन सिंह के साथ मिलकर आवश्यक बल प्रयोग कर तितर-बितर किया गया।

यदि ऐसा ना किया जाता तो किसी गम्भीर घटना के घटित होने की सम्भावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

बताया कि उक्त घटना से उनके व अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा किये जा रहे राजकार्य में भी बाधा उत्पन्न हो गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दोनों पक्षों के मध्य हुए झगड़े के कारण के विषय में जानकारी की तो ज्ञात हुआ कि ग्राम गुलजारपुर में हुए ग्राम प्रधान चुनाव में गगनदीप सिंह व बलविन्दर सिंह उर्फ बिन्दा ने एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ा था, जिसमें हरदीप सिंह आदि ने बलविन्दर सिंह उर्फ बिन्दा का तथा जगदीप सिंह उर्फ जेडी आदि ने गगनदीप सिंह का समर्थन किया था।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के मध्य अन्दर खाने तनातनी चल रही थी। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुछ लोगों की पहचान की है, जिसमें प्रथम पक्ष से बलविन्दर सिंह उर्फ बिन्दा, गुरसेवक सिंह, हरविन्दर सिंह, अनमोल सिंह, सतनाम पुर. ेवाल उर्फ सत्ता, रेशम सिंह, गुरजन्ट सिंह, जसकरन सिंह, नवजोत सिंह, विक्रमजीत सिंह, गुरचरन सिंह ऊर्फ गुग्गू, हरदीप सिंह, विरेन्द्रजीत सिंह, जसकरन सिंह, प्रभजोत सिंह सभी निवासीगण ग्राम गुलजारपुर, बॉबी सन्धू निवासी पच्चावाला एस्कोर्ट फार्म, मोनू संधू निवासी बाजपुर, गुरमुख सिंह निवासी गांधीनगर खत्ता, जसजीत सिंह निवासी बलवन्त फार्म ढकिया नं. 2 काशीपुर हैं तथा द्वितीय पक्ष से गगनदीप सिंह, जगदीप सिंह उर्फ जेडी, गुरजीत सिंह, जसवीर सिंह, लवप्रीत सिंह, जगमोहन सिंह, परमजीत सिंह उर्फ पम्मा, जगदीप सिंह पुरेवाल, गुरप्रीत सिंह पुरेवाल उर्फ सोनू, मनजीत सिंह सभी निवासीगण गुलजारपुर, पलविन्दर सिंह उर्फ पिन्दा निवासी गांव बाजपुर, करन छीना निवासी छीना फार्म काशीपुर, मलूक सिंह निवासी रमनावाला ठाकुरद्वारा जिला मुरादाबाद, सिमरनजीत सिंह निवासी मुड़िया बाजपुर शामिल हैं। चौकी प्रभारी कुंडेश्वरी चन्दन सिंह बिष्ट की तहरीर के आधार पर पुलिस ने उक्त 33 व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 191(2), 221, 351(2), 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही शुरु कर दी है। मामले की जांच एसआई संजय सिंह के सुपुर्द की है।

नवनियुक्त ईओ ने संभाला चार्ज

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। लंबे समय से ईओ विहीन चल रहे नगर पालिका बागेश्वर में नव नियुक्त ईओ विनोद सिंह जीना से बुधवार को पदभार ग्रहण किया। जिसके बाद नगर

पालिका चेयरमैन सुरेश खेतवाल ने उन्हें वित्तीय अधिकार सौंपे। बता दें पिछले तीन माह से नगर पालिका बागेश्वर में अधिशासी अधिकारी का पद रिक्त चल रहा था। इस बीच कई कर्मचारियों को ईओ चार्ज मिला। लेकिन सहमति और असहमति के बीच ईओ का प्रभारी चार्ज किसी एक पास नहीं रह पाया। मामला न्यायालय तक पहुंचा। जिसके बाद शासन ने नैनीताल से नए ईओ जीना को बागेश्वर की जिम्मेदारी सौंपी। नव नियुक्त ईओ के ऊपर अब नगर पालिका के व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने की चुनौती होगी।

एक नजर

महापौर बाली ने किया पशुशाला का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। नगर निगम महापौर दीपक बाली ने चैती परिसर स्थित ख्वाहिश संस्था की पशुशाला का निरीक्षण किया और यहां उपचाराधीन पशुओं के गले में रेडियम के रिफ्लेक्टर कॉलर बांधे। महापौर ने संस्था की अध्यक्ष आयुषी नागर के साथ उपचार के लिए लाए गए लावारिस पशुओं के बारे में जानकारी ली और उनके द्वारा निस्वार्थ भाव से की जा रही लावारिस पशुओं के उपचार की सराहना की। आयुषी नागर ने बताया कि संस्था लावारिस पशुओं का उपचार करती है और उनके ठीक होने के बाद उन्हें उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें लाया गया हो। वर्तमान में करीब 15 कुत्तों और गायों का उपचार चल रहा है। हर साल संस्था कैंपेन सुरक्षा चलाती है। महापौर बाली ने संस्था को हर संभव सहायता करने का आ्रवासन दिया।

यूकेडी नेता भट्ट के निधन पर जताया शोक

अल्मोड़ा। यूकेडी नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर कार्यकर्ताओं ने शोक जताया। उनके निधन को उत्तराखंड की राजनीति अपूर्ण क्षति बताया। साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। बुधवार के उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रख भगवान से मृतक आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। यहां यूकेडी जिलाध्यक्ष दिनेश जोशी, नगर अध्यक्ष मोहित शाह, जिला उपाध्यक्ष सुजीत टम्टा, महिला जिला अध्यक्ष दीपा जोशी, पान सिंह लटवाल, किरण मेहरा, जगदीश जोशी, पुष्कर सिंह, पवन सिंह, अनीता आर्य, कुंदन कनवाल, दीपक कुमार, धीरज कुमार, गोपाल मेहता, दीवान बनौला, गणेश मस्यूनी, गिरीश नाथ गोस्वामी, गिरीश बनौला आदि रहे। वहीं, उपपा ने भी दिवाकर भट्ट के निधन पर शोक जताया। उपपा के केंद्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी ने कहा कि उनका चला जाना संघर्षशील ताकतों के लिए भी क्षति है।

चीड़ तस्करी मामले में आरोपी को सजा

अल्मोड़ा। चीड़ तस्करी के एक मामले में सिविल जज जूनियर डिवीजन भिकियासैंण की अदालत ने फैसला सुनाया है। मामले में न्यायालय ने आरोपी को तीन साल की सजा सुनाई हुई है। सहायक अभियोजन अधिक. ारी ने बताया कि साल 2017 में वादी हीरानगर शीशमबाग हल्द्वानी निवासी नवीन चंद्र टम्टा ने भतरौंजखान थाने में एक मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें आरोपी दीन दयाल जोशी, निवासी लामाचौड़ मुखानी नैनीताल पर लीसा तस्करी के आरोप लगाए थे। इसके बाद मामले की जांच की गई। जांच में सामने आया कि अभियुक्त दीन दयाल जोशी ने फर्जी रवन्नों से 12 और 18 जनवरी को अवैध तरीके से चीड़ की निकासी की। रवन्नों में रेंजर और वन दरोगा के फर्जी हस्ताक्षर भी किए गए। जांच में समाने आया कि दिखाए गए रवन्ने डीएफओ कार्यालय से रेंज कार्यालयों को आवंटित नहीं किए गए थे। मुकदमे के बाद मामला कोर्ट पहुंचा तो सुनवाई में न्यायाधीश ने अभियुक्त दीन दयाल जोशी को दोषी मानते हुए चार धाराओं में अधिकतम तीन साल सश्रम करावास की सजा सुनाई।

91 टीन अवैध लीसा बरामद

अल्मोड़ा। वन विभाग ने कसेड़मन्या के पास 91 टिन अवैध लीसा बरामद किया है। मौके पर बरामद लीसे को सील कर जांच शुरू कर दी है। बरामद अवैध लीसे की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। वहीं, मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जागेश्वर वन रेंज के वन क्षेत्राधिकारी आशुतोष जोशी के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने कालफीखान-गुणादित्य-भनोली मोटरमार्ग पर गश्त की। गुणादित्य से आगे कसेड़मन्या के पास टीम को मंगलवार रात करीब साढ़े 11 बजे सड़क किनारे लावारिस वाहन में रखा 91 टिन लीसा बरामद हुआ। आसपास किसी के नहीं होने पर लीसे को सीज कर धौलादेवी डिपो भेज गया। वहीं, कार्रवाई करते हुए अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया। वन क्षेत्राधिकारी ने ने बताया कि क्षेत्र में लीसा तस्करी को रोकने के लिए वन विभाग अलर्ट है। लगातार गश्त की जा रही है। लीसे की तस्करी में किसी की भी संलिप्तता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यहां टीम में वन दरोगा रितिक बिष्ट, बहादुर बिष्ट, कुंदन बगड़वाल, योगेश आर्य, कुंदन सुयाल, दीपक, मनोज, जगदीश आदि मौजूद रहे।

सड़क के लिए चार करोड़ 34 लाख मंजूर

बागेश्वर। विधानसभा क्षेत्र बागेश्वर में मानसखंड (राज्य योजना) के अंतर्गत गरुड़-बागेश्वर मोटर मार्ग का चार करोड़ 34 लाख की राशि से सुधरीकरण कार्य शीघ्र संपन्न होगा। विधायक पार्वती दास ने बताया कि बागेश्वर प्रभाग के अंतर्गत 17.425 किमी में 434.71 लाख की धनराशि से 1.50 लेन मार्ग का सुधारीकरण का कार्य किया जाएगा, जिसमे डिफेक्ट कटिंग, ब्लैक स्पॉट का निस्तारण, डामरीकरण व मोटर मार्ग का सुधारीकरण किया जाना है। उन्होंने बताया कि जिले के सड़कों का सुधारीकरण एवं गड्ढा मुक्त सड़क के लिए भाजपा की राज्य सरकार वचनबद्ध है। बीते दिनों सीएम धामी ने आह्वान किया था कि राज्य में सभी सड़कें गड्ढा मुक्त होगी। उसी दिशा में लगातार कार्य जारी है। विधायक दास ने क्षेत्रवासियों की ओर से सीएम पुष्कर धामी का आभार जताया।

राजकीय महाविद्यालय में 'युवा संसद' का मंचन

बागेश्वर। राजकीय महाविद्यालय दुग नाकुरी में छात्रों ने राष्ट्रीय युवा सांसद का मंचन सफलता पूर्वक किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रचार प्रोफेसर हरि ओम प्रकाश सिंह ने किया। कहा कि लोकतंत्र की जानकारी के लिए युवा संसद का मंचन बहुत जरूरी है। कार्यक्रम संयोजक दिव्या कटियार ने संविधान दिवस और संसद की कार्रवाई पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष सुमन बीए तृतीय सेमेस्टर ने संसद की कार्रवाई प्रारम्भ की। प्रीति मेहता ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और दीपक कुमार ने विदेश मंत्री की शपथ ली। इसके बाद महाविद्यालय में राष्ट्रीय संसदीय कार्रवाई विधिवत् सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में गृह मंत्री अंजली आर्या, वित्त मंत्री प्रतिभा खाती, विदेश मंत्री दीपक कुमार, सामाजिक एवं न्याय मंत्री लक्ष्मी पपोला, परिवहन मंत्री चंदा, शिक्षा मंत्री सोनी बिष्ट, पर्यावरण मंत्री दिव्या जोशी आदि रही।

नए लेबर कोड की प्रतियां फूंकीं

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। सरकार द्वारा लागू किये गये चार लेबर कोड को मज़दूरों की गुलामी के दस्तावेज बताते हुए इंक़लाबी मज़दूर केंद्र द्वारा आज महाराणा प्रताप चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए इन लेबर कोडों की प्रतियां फूंकी गई तथा इनको रद्द किए जाने की मांग की। क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं के सहयोग पर इंकलाबी मजदूर केंद्र की काशीपुर इकाई ने प्रदर्शन से पूर्व महाराणा प्रताप चौक पर एक संक्षिप्त सभा भी की, जिसमें मजदूर संगठनों के नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा लागू किये गये चार लेबर कोड मज़दूरों की गुलामी के दस्तावेज हैं। इन चार संहिताओं के जरिये मोदी सरकार ने मज़दूरों के 29 श्रम कानूनों को ख़त्म कर दिया है और पूंजीपतियों को मज़दूरों को रखो और निकालो का अधिकार दे दिया है। मज़दूरों के हड़ताल करने के अधिकार पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यूनियन बनाने को कठिन कर दिया गया है। महिला मज़दूरों से रात की पाली में भी काम कराने की छूट पूंजीपतियों को दे दी गयी है। सरकार मजदूरों का गला घोंटने का काम कर रही है। यदि सरकार ने नये लेबर कोड को जल्द रद्द नहीं किया तो आंदोलन देश व्यापी होगा

चन्द्रावती महाविद्यालय में संविधान दिवस पर युवा संसद

काशीपुर। चन्द्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संविधान दिवस पर वन्देमातरम गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक गायन का आयोजन हुआ। राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत गायन के उपरान्त असि. प्रोफे. डॉ. रंजना ने संविधान दिवस पर संविधान पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कीर्ति पन्त के निर्देशन एवं नोडल अधिक. ारी डॉ. रंजना के संयोजन में राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को संसदीय प्रक्रिया संचालन की जानकारी दी गई। संसदीय कार्यवाही का प्रारम्भ करते हुए सर्वप्रथम स्पीकर द्वारा युवा सांसदों का स्वागत करते हुए शपथ ग्रहण कराई गई। तत्पश्चात् महासचिव द्वारा शपथ प्रतिज्ञा कराई गई। कार्यवाही को आगे बढ़ाने से पूर्व दिल्ली में हुई आतंकवादी घटना में मारे गये निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन धारण किया गया। तत्पश्चात् प्रश्नकाल की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। भोजनावकाश के पश्चात सदन में समान नागरिक सं. हता जैसा महत्वपूर्ण बिल प्रस्तुत किया गया जिसे जोरदार विचार-विमर्श के पश्चात पारित किया गया। सदन में अध्यक्ष की भूमिका में वेदिका, प्रधानमन्त्री की भूमिका में काजल कश्यप एवं विपक्ष के नेता की भूमिका में रीना कौर रहीं। संचालन नोडल अधिकारी डॉ. रंजना ने किया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय, डॉ. रमा अरोरा, डॉ. वंदना सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ज्योति रावत, डॉ. पुष्पा धामा, डॉ. मंगला, डॉ. ज्योति गोयल, प्राची धौलाखण्डी, कृति टण्डन एवं सृष्टि सिंह आदि उपस्थित थे।

अल्मोड़ा में धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिले भर में संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी व गैरसरकारी संगठनों सहित राजनी. तिक पार्टियों ने राष्ट्रीय प्रतीकों और संविधान के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने की शपथ ली। बुधवार को एसएसपी देवेंद्र पींचा ने पुलिस कार्यालय में जवानों और अधिका. रियों को बाबा साहब को याद करते हुए संविधान की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सभी से संविधान का पालन करने और राष्ट्र हित में योगदान की अपील की। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे देश की आत्मा है।

हमें इसका सम्मान करना चाहिए। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना

एकता, अखण्डता व सम्प्रभुता को बनाए रखने की शपथ

को भी पढ़ा गया। वहीं, सभी पुलिस कर्मियों ने यह भी संकल्प लिया कि हम अपने प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था बनाये रखने और देश में शांति, उन्नति और समृद्धि को बढ़ाने का निरंतर प्रयास करेंगे। इधर, कलक्ट्रेट समेत अन्य संस्थानों में अधिकारियों और कार्मिकों को राष्ट्र के संविधान की एकता, अखण्डता व सम्प्रभुता को बनाये रखने को संविधान दिवस की शपथ दिलाई गई। इधर, संविधान दिवस पर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को चौघानपाटा में स्थित पार्क में स्थापित बाबा साहेब डा. भीम राव आंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर नगर अध्यक्ष जगदीश तिवारी ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव ने समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार किया। जात पात के भेदभाव को समाप्त करने में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस अवसर पर प्रदीप बिष्ट, संजय पांडे, अभिनव बुधोरी, दीपक मेहरा, भगवान भोजक, विश्वास टम्टा, राहुल कुमार, रितिक भट्ट, करन बेलवाल, नीरज जोशी व कमल मेहता आदि मौजूद रहे। वहीं, 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर अल्मोड़ा में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय गौरव उत्सव मनाया। वहीं, संविधान दिवस के अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों एवं संस्थानों में सामूहिक वंदे मातरम् का गायन आयोजित किया गया। यहां कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष महेश नयाल, पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, जिला महामंत्री दर्शन रावत, ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, मनीष जोशी, नगर महामंत्री देवेंद्र भट्ट, शुभम रौतेला, गिरीश पांडे, निशा बिष्ट, संदीप श्रीवास्तव, इंद्रमोहन, दीपक भंडारी, प्रेम लटवाल, जगत भट्ट, चंपा देवी, बलवंत बिष्ट, किशन बिष्ट, मनोज बिष्ट, भावेश, शांति बिष्ट, पवन लटवाल, गोदावरी चतुर्वेदी, राजीव गुरुरानी, पूनम पालीवाल आदि रहे।

संविधान दिवस पर विधिक शिविर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। शिवालिक होली माउण्ट एकेडमी के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रेक्षागृह में जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण के तत्वाधान में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सृष्टि बनियाल न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव तहसील विधिक सेवा समिति काशीपुर, पीएलवी सदस्य रणधीर सिंह सैनी, कुसुम लता एसआईबीआर पौरी, विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक बसन्त बल्लभभट एवं संयुक्त प्रबन्ध निदेशक कबीन्द्र सिंह डसीला द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा विद्यार्थियों को अपने मौलिक कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की शिक्षा दी। कानूनी जानकारियों के तहत शिक्षा का अधिकार, सामाजिक जीवन का अधिकार, बाल श्रम का अधिकार, मोटर व्हीकल एक्ट, नशा मुक्ति एक्ट, पॉस्को एक्ट के विषय में बताया गया। एसआईबीआर पौरी द्वारा विद्यार्थियों को सोशल मीडिया एवं डिजिटल अरेस्टिंग के विषय में जागरूक किया। संचालन विपुल शर्मा ने किया। इस अवसर पर भरत सिंह बिष्ट, प्रदीप बिष्ट, मौ. जावेद, चन्द्र शेखर मिश्रा, धीरज पाण्डेय, प्रमोद भट्ट, करन बंगाली, संजय सिंह, प्रदीप सिंह रावत, विवेक शर्मा, ममता बिष्ट, ममता बडोला, रश्मि वर्मा, हेमा मनराल, वंशिका गुप्ता, अनन्या अग्रवाल, मो. निका रावत, सुमन रानी, प्रीति सिंह, सोनल अरोरा, दीपा नेगी, आंचल रावत आदि उपस्थित थे।

वंदे मातरम् गीत का अर्थ समझाया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

हल्दूचौड़। पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दौलिया में संविधान दिवस के अवसर पर वंदे

मातरम् गीत के सामूहिक गायन की 150वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास से मनाई गई। इस आयोजन की अध्यक्षता प्रधानाचार्या डा. भारती नारायण भट्ट ने की, जिन्होंने सभी उपस्थित लोगों को वंदे मातरम् गीत का अर्थ समझाया। इस अवसर पर बिना मेहरा और बीना पंत, प्रवक्ता राजनीति विज्ञान ने संविधान के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रधानाचार्या डा. भारती नारायण भट्ट, पूर्व विधायक नवीन चंद दुम्का, ग्राम प्रधान राधा कैलाश भट्ट, क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष सोनी पंत, एसएमसी अध्यक्ष रेनू कमल, पीटीए अध्यक्ष मंजू बिष्ट, प्रवक्ता मोनिका गिलकोटी, रीता लसपाल, अभिलाषा कीर्ति, हंसा पांडे, जया आर्य, नीता भट्ट, ममता शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

NAME CHANGE

I MOHD IRFAN have changed my name from **MOHAMMAD IRFAN** to **MOHD IRFAN** hence forth I shall be known as MOHD IRFAN S/o MUNSHI R/o- Moh.Thana Sabiq, Kashipur, Udham Singh Nagar, UK.

NAME CHANGE

I MOHD KHALID have changed my name from **MOHAMMAD KHALID** to **MOHD KHALID** hence forth I shall be known as MOHD KHALID S/o AHAMAD HUSAIN R/o-Moh.Thana Sabiq, Kashipur, Udham singh Nagar, UK.

दिवाकर भट्ट के निधन पर दुख जताया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी क्रांतिकारी मोर्चा द्वारा उक्रांद के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष व प्रखर राज्य आंदोलनकारी व फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट के निधन पर गहरा शोक तथा दुख जताया गया तथा देवभूमि उत्तराखंड राज्य के लिए एक अपूर्णीय क्षति बताया। राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि दिवाकर भट्ट का जाना राज्य के लिए ही नहीं वरन् उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ी क्षति है जो आज भी उत्तराखंड के जनसरोकारों के लिए आंदोलनरत हैं। राज्य आंदोलनकारी क्रांतिकारी मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि राज्य आंदोलन में दिए गए फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट के योगदान को उत्तराखंड राज्य का जन मानस और आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेगी। शोक जताने वालों में प्रमुख रूप से राज्य आंदोलनकारी क्रांतिकारी मोर्चा के जिलाध्यक्ष गणेश सिंह बिष्ट, नगर अध्यक्ष शाकिर अली, राज्य आंदोलनकारी कंचन चंदोला, इंदर सिह नेगी, मुकेश जोशी, मुकुल कांडपाल, वीरेंद्र जोशी, महेश आर्या, मनमोहन सिंह कनवाल, महेश जोशी, पान सिंह सिजवाली, लीला बोरा, रईस अहमद, मुनीर आलम सिद्दीकी, डा अखिलेश भट्ट, दीवान सिंह, पान सिंह रौतेला, मनोज साह, बिशन सिंह मेहता व विजय पंत आदि शामिल थे।

रेफर मरीजों का अपडेट लें: डीएम

जिलाधिकारी ने ली स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। जिले के अस्पतालों से रेफरल प्रकरणों की बुधवार को डीएम अंशुल सिंह ने समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने रेफर किए गए प्रत्येक प्रकरण में रेफर के बाद भी अपडेट लिए जाने के निर्देश दिए। वहीं, कहा कि आपातकालीन मामलों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेफरल से संबंधित प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को समय पर उपयुक्त चिकित्सा सुविधा मिलना सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें। कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जो संसाधन उपलब्ध हैं, उनका शत प्रतिशत उपयोग हो। रेफर हुए प्रत्येक प्रकरण में मरीज या मरीज के रिश्तेदार का फोन नंबर भी उपलब्ध कराया जाए। जिससे मरीज के उपचार के बारे में अपडेट की जा सके। कहा कि सभी अस्पतालों में जच्चा बच्चा के सभी केसों का सुव्यवस्थित डेटा रखा जाए। यहां बैठक में सीडीओ रामजी शरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र, सीएमओ डा. नवीन चंद्र तिवारी, पीएमएस जिला अस्पताल डा. हरीश चंद्र गढ़कोटी आदि मौजूद रहे। डीएम ने कड़े निर्देश दिए कि जब भी कोई मरीज रेफर किया जाता है, तो रेफर होने के बाद भी मरीज के बारे में अपडेट लेते रहें। उन्होंने कहा कि रेफर करने से पूर्व ही यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि जहां मरीज रेफर किया जा रहा है, वहां उस मरीज का इलाज संभव है या नहीं। मरीज को निकटतम हॉस्पिटल में ही रेफर किया जाए। बैठक में सीएमओ ने जानकारी दी है कि एक नवंबर से 23 नवंबर तक जनपद के अस्पतालों से रेफर हुए मरीजों की प्रतिशतता, ओपीडी मरीजों के सापेक्ष एक प्रतिशत से भी कम है।

तीन अधिकारियों को नोटिस

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। सीडीओ ने विकास भवन सहित जिले के कई दफ्तरों का औचिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई विभागों में कर्मचारी नदारद मिले। तीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने बुधवार को विकास भवन स्थित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला विकास कार्यालय, डीआरडीए, समाज कल्याण, अर्थ एवं संख्या, सहकारिता, उद्यान, कृषि, बाल विकास, पशुपालन, मत्स्य, ग्रामीण निर्माण, डेयरी, रीप परियोजना, उरेड़ा, पंचायतीराज, पंचस्थानि, युवा कल्याण एवं बहुउद्देश्यीय वित्त एवं विकास निगम के कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में विभागवार कार्मिकों की उपस्थिति, अनुपस्थिति एवं अवकाश अभिलेखों की गहन जांच की गई। समाज कल्याण विभाग में एक कार्मिक के हस्ताक्षर कर अनुपस्थित पाए जाने पर स्पष्टीकरण तलब किया गया तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी से समस्त अवकाश अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। सहका. रिता विभाग में उपस्थिति पंजिका में अनियमितता एवं निरीक्षण के समय कार्मिकों के अपनी सीट से अनुपस्थित मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। वहीं बाल विकास, पशुपालन, रीप एवं उरेडा विभागों में सभी कार्मिक उपस्थित पाए गए। मत्स्य विभाग के 4 में से 2, ग्रामीण निर्माण विभाग के 7 में से 1 तथा डेयरी विभाग का 1 कार्मिक अवक. ाश पर रहा, जबकि पंचस्थानि विभाग के सभी 3 कार्मिक उपस्थित थे। निरीक्षण के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को उपस्थिति अनुशासन एवं कार्यस्थलीय व्यवहार सुनिश्चित कराने के सख्त निर्देश दिए।

भाजपा ने मनाया राष्ट्रीय गौरव उत्सव

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के तहत, 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने पर जिले में सामूहिक वंदे मातरम् गायन का आयोजन किया

गया। यह कार्यक्रम संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ, जिसमें सभी विद्यालयों और संस्थानों में भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अल्मोड़ा स्थित स्प्रिंग डेल्स पब्लिक स्कूल में जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने छात्रों के साथ वंदे मातरम् गाया। कार्यक्रम में संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर को नमन करते हुए स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया गया। इसी प्रकार, रैमजे इंटर कॉलेज और राजकीय विद्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें पूर्व विधायक, जिला पंचायत सदस्य और भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए। नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महापौर अजय वर्मा और विवेकानंद बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या गोदावरी चतुर्वेदी मुख्य अतिथि रही। जिले के विभिन्न मंडलों में भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने वंदे मातरम् के इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफल बनाने में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रभक्ति, स्वदेशी भावना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बढ़ावा देना था।

मैग्नेसाइट कार्मिकों का क्रमिक अनशन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। लंबित मांगों को लेकर अल्मोड़ा मैग्नेसाइट फैक्ट्री के कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने प्रबंधन पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उन्हें 14 महीने का वेतन नहीं मिल रहा है। प्रबंधन ने आधे कर्मचारियों को वेतन दिया है, जबकि आधे को लाले पड़े हैं। प्रबंधन कर्मचारियों को बांटने का काम कर रहा है। चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो वह आंदोलन और तेज करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कर्मचारी बुधवार को जिला मुख्यालय पहुंचे। नारेबाजी के साथ कलक्ट्रेट परिसर में अनशि्चतकाली क्रमिक अनशन शुरू कर दिया है। पहले दिन कार्मिक अनशन पर दीवान सिंह जनौटी, मनोज कुमार टम्टा, महेंद्र कुमार, भूपेंद्र प्रसाद

तथा बीडीसी सदस्य फते सिंह करायत बैठे। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर तीन बार डीएम से मिले, लेकिन आज तक उनकी मांग पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इससे आहत होकर उन्होंने क्रमिक करने के लिए मजबूर हुए है। कहा कि 14 महीने से उन्हें वेतन नहीं मिला है। इससे उनकी आर्थिक स्थित चरमरा गई है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कर्मचारियों को सरकारी विभागों में समायोजित करने की मांग की। साथ ही भविष्य निधि की भी जांच करने की मांग की गई। इस मौके पर शांति लाल, गायत्री प्रसाद, महेंद्र कुमार, सुरेंद्र लाल, मनोज सिंह, उमेश चंद्र, चंदन सिंह, हरीश नगरकोटी, यशवंत सिंह, मनोज तिवारी, अशोक कुमार मौजूद रहे।

सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए राज्य में 800 नए पैक्स का गठन: धामी

सहकारिता मेले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महिला समूहों को बांटे चैक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सहकारिता के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्र में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारी आंदोलन को सशक्त बनाने की दिशा में व्यापक कार्य हो रहा है। उत्तराखंड में अब तक 671 सहकारी समितियों का कंप्यूटरीकरण पूर्ण हो चुका है और ये समितियां डिजिटल माध्यम से सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। वहीं राज्य में 24 समितियां जन औषधि केंद्र के रूप में कार्यरत हैं, जिनसे ग्रामीण इलाकों में सस्ती और गुणवत्ता युक्त दवाइयां उपलब्ध हैं। प्रदेश में 640 समितियों को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में विकसित किया गया है। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहीं।

बुधवार को हल्द्वानी पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एमबी इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित सहकारिता मेले में शिरकत की। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल का निरीक्षण किया और महिला समूहों को 17.72 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि सहकारिता से पर्यटन विकास थीम पर आयोजित सहकारिता मेला स्थानीय सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों और महिला समूहों के उत्पादों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध होने के साथ ही उत्पादकों को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। इसी महत्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 5511 सहकारी समितियों में से 3838 समितियों का डेटा राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस पर अपलोड कर दिया गया है। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए राज्य में 800 नए पैक्स का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पशुपालन, दुग्ध व्यवसाय, मछली पालन, फूल उत्पादन आदि कार्यों के लिए 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। सीएम श्री धामी ने कहा सहकारिता मेला पर्यटन विकास और स्थानीय संस्कृति व अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा प्रदान करेगा। शहर में कैंसर संस्थान का निर्माण तेज गति से जारी है। करोड़ों रुपये की लागत से रिंग रोड तथा हल्द्वानी-लालकुआं बायपास का निर्माण कार्य प्रगति पर है। नगर निगम क्षेत्र की सभी सड़कों के सुधारीकरण का काम भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि देश का पहला एस्ट्रो पार्क हल्द्वानी में बन रहा है, जबकि उत्तराखंड का पहला खेल विश्वविद्यालय भी यहीं स्थापित होने जा रहा है। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से हल्द्वानी सहित पूरे जनपद में विकास कार्य अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहे है। जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और परिवहन के क्षेत्रों में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिल रहे है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, विधायक भीमताल राम सिंह केड़ा, रामनगर दीवान सिंह बिष्ट, दर्जा मंत्री डा. अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, दिनेश आर्य, सुरेश भट्ट, नवीन चन्द्र वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, दीपेंद्र कोश्यारी, डीएम ललित मोहन रयाल, एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी सहित सहकारिता से जुड़े विभिन्न प्रतिनिधि और महिला समूह के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

'डेमोग्राफी को बदलने नहीं देंगे'

हल्द्वानी। डेमोग्रेफी चेंज मामले को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हम देवभूमि की सांस्कृतिक मूल्य और डेमोग्राफी को बदलने नहीं देंगे। प्रदेश के सभी जिलों में इसको लेकर सत्यापन अभियान चलाये जा रहे है। प्रदेश के अंदर 10 सालों में जो भी डेमोग्राफी में बदलाव आया है, गलत प्रमाण पत्र जारी हुए है या राशन कार्ड, आधार कार्ड, पहचान पत्र व बिजली कनेक्शन जो भी दिए गए है उनकी जांच की जा रही है। जो भी गलत पाया जा रहा है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

डीजे जब्त कर लिया जाएगा

रात दस बजे के बाद शोर शराबा बर्दाश्त नहीं: एसएसपी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बारात सीजन के दौरान बढ़ते यातायात दबाव और अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस कप्तान डा. मंजूनाथ टीसी ने कड़े कदम उठाए हैं। एसएसपी ने साफ व स्पष्ट शब्दों में कहा न सिर्फ हाई बेस डीजे पर बैन लगा दिया गया, बल्कि रात 10 बजे के बाद अब डीजे बजाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई। इसके साथ ही एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने ऐसे कई निर्देश लागू कराने की जिम्मेदारी थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारियों को देते हुए कहा कि वे शादी समारोहों और बारातों के दौरान यातायात की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखें और अनावश्यक जाम से बचने के लिए सख्त कदम उठाएं। एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि सुगम यातायात व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वर्तमान में चल रहे शादी सीजन और लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव को लेकर उन्होंने सभी अधिकारियों, थाना और चौकी प्रभारियों व यातायात निरीक्षकों को कड़े निर्देश हैं। ताजा निर्देशों के तहत अब सभी वेडिंग पॉइंट, बैंक्वेट हॉल और वेडिंग आयोजनों पर पुलिस निगरानी रखेगी। वेडिंग हॉल संचालकों, डीजे संचालकों, बड़े व्हील लाइटिंग झालरों के संचालकों के साथ बैठक कर नियमों की जानकारी और नियमों का पालन कराना होगा। बारात में पहियों वाले बड़ी-बड़ी लाइटिंग झालर पूरी तरह प्रतिबंधित हैं और उल्लंघन पर जब्ती की जाएगी। इसके अलावा केवल हाथ से पकड़कर चलाए जाने वाले लाइटिंग झालर की अनुमति होगी। बारात घर/वेन्यू के गेट से बारात की लंबाई अधिकतम 200 मीटर तक ही होगी, ताकि यातायात प्रभावित न हो। बारात की हेड और टेल को अनुशासित तरीके से संचालित किया जाएगा। शादी समारोह में सड़कों में हाई बेस बड़े-बड़े डीजे पर प्रतिबंधित लगा दिया गया है। इसके साथ ही, जनता, बुजुर्गों की शांति और बच्चों की पढ़ाई में बाधा को देखते हुए रात 10 बजे के बाद डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। यदि के बावजूद भी 10 बजे के बाद भी डीजे बजा तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

दवा लेकर सड़क पार कर रही महिला की मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। घर से दवा लेने निकली एक महिला सड़क हादसे का शिकार हो गई। दवा लेकर सड़क पार कर रही महिला को तेज रफ्तार स्कूटी सवार ने टक्कर मार दी। आनन फानन में महिला को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। जहां पर उसने दम तोड़ दिया। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार आजादनगर बनभूलपुरा निवासी 60 वर्षीय आशा पाल मंगलवार रात बरेली रोड स्थित मेडिकल पुलिस चौकी के पास स्थित एक चिकित्सक के क्लीनिक से दवा लेकर घर लौट रही थीं। तभी सड़क पार करते हुए तेज गति से आ रहे एक स्कूटी सवार युवक ने टक्कर मार दी। आनन फानन में घायल महिला को उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया। बुधवार की सुबह तीन बजे महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर आने के बाद ही आगे की कार्रवाई शुरू की जायेगी। फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला शुरू कर दिया है।

कोल्ट्स क्रिकेट और डीके स्पोर्ट्स ने जीता मुकाबला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में कराई जा रही अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग का पहला मैच बुधवार को कोल्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में जीएनजी और कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। जीएनजी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरी टीम 49वें ओवर में 190 रन बनाकर आल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने 18वें ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया। मैन ऑफ-द मैच का पुरस्कार कुनाल हलसी के नाम रहा। जबकि दूसरा मैच डीके स्पोर्ट्स अकादमी और तन्मय क्रिकेट अकादमी के बीच हुआ। तन्मय क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरी टीम 50वें ओवर में 165 रनों पर आल आउट हो गई। 165 रनों का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने 18वें ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाकर 9 विकेट से मैच जीत लिया। मैन ऑफ-द मैच का पुरुस्कार गेंदबाज देवांग नेगी को दिया गया। मैच में अंपायर की भूमिका में गौरव नेगी, सौम्य, भूपेश और कुशाग्र रहे जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कम्बोज और निकित ने निभाई। इस मौके पर जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपने, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, त्रिलोक जीना, पंकज गुरुरानी, योगेश चौहान, संजय चौधरी, विक्रम बोरा, धर्मेंद्र पाल, प्रशांत भंडारी, विजय आर्या, मनोज पंत मौजूद रहे।

सीएम का विरोध, कांग्रेसी कार्यकर्ता गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो, हल्द्वानी। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, नशे के कारोबार, बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं, ठेले-फड़ वालों का उत्पीड़न और बढ़ते भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर युवा कांग्रेस नेता हेमंत साहू के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हल्द्वानी पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विरोध करने पहुंचे। लेकिन प्रदर्शन व विरोध करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया, इस बीच पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की और बहस हुई। जिसके बद पुलिस ने तिकोनिया चौराहे के पास से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को गिरफ्तार कर आरटीओ चौकी ले गए। इस दौरान पुलिस ने कांग्रेस नेता हेमंत साहू का 250 रूपये का चालान भी किया। इस पर कांग्रेस नेता ने नाराजगी जताते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया और कहा कि सरकार पुलिस को आगे कर जनहित की आवाज को दबा रही है। हेमंत साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री के लगातार दौरे की वजह से शहरवासियों, खासकर स्कूली बच्चों को भारी जाम का सामना करना पड़ता है। उन्होंने चालान के पैसे देने से साफ इनकार कर दिया। वहीं पार्षद प्रीति आर्य ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राजपुरा और अन्य स्थानों पर गरीबों के मकानों पर लाल निशान लगाए जा रहे हैं, जिससे लोग डर के साए में जीवन यापन कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में पार्षद प्रीति आर्या, कमला आर्या, साहिल राज सहित कई लोग मौजूद रहे।

होटल में गश खाकर गिरा, मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संविदा रोडवेज कर्मी की होटल में खाना खाते समय अचानक मौत हो गई। कर्मी ने होटल में खाना ऑर्डर किया था और टेबल पर बैठकर भोजन का इंतजार कर रहा था, तभी उसकी हालत बिगड़ गई, और वह बेसुध होकर जमीन में गिर गया। आनन फानन में लोगों द्वारा उपचार के लिए उसे बेस अस्पताल लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मूलरूप से जैंती अल्मोड़ा का रहने वाला 59 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद अपने परिवार के साथ हल्द्वानी स्थित दो नहरिया में रहता था, और तिकोनिया स्थित परिवहन निगम के आउटसोर्स कर्मी था। बताया जा रहा कि बीते मंगलवार को उसे भूख लगी तो राजेन्द्र खाना खाने के लिए केमू स्टेशन के पास स्थित एक होटल में पहुंच गया और खाना खाने के लिए खाना ऑर्डर किया और अपनी टेबल पर जाकर खाने का इंतजार करने लगा। तभी अचानक राजेन्द्र की तबियत बिगड़ी और वह गश खाकर नीचे जमीन में गिर गया। वहां पर मौजूद लोगों ने आनन फानन में उसे उपचार के लिए बेस अस्पताल लाए जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया, साथ ही पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है।

कार चालक पर मुकदमा

हल्द्वानी। गौलापार क्षेत्र में 22 नवंबर को स्कूटी और कार के बीच हुई भिड़ंत में स्कूटी सवार की मौत हो गई थी। इस मामले में चोरगलिया पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार देवला तल्ला कुंवरपुर निवासी चंदन सिंह चौहान ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि उनका बेटा सुंदर सिंह चौहान बीते 22 नवंबर की शाम करीब 4 बजे रामबाग जाने के लिए घर से निकला था। रास्ते में दानीबंगर की ओर से आई तेज रफ्तार कार ने सुंदर को अपनी चपेट में ले लिया। सड़क हादसे में सुंदर गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पीड़ित परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कच्ची शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चोरगलिया पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। चोरगलिया पुलिस के अनुसार 25 नवंबर को कांस्टेबल उत्तम सिंह, जितेन्द्र सिंह और होमगार्ड राजीव जोशी क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी दानीबंगर स्थित जंगल की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते से एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए उसे दबोच कर तलाशी ली तो उसके पास से 56 पाउच कच्ची शराब बरामद हुई। पकड़े गए शराब तस्कर ने अपना नाम मंगल सिंह पुत्र दलेर सिंह निवासी ग्राम धौराडाम नजीमाबाद किच्छा उधम सिंह नगर बताया। पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी को न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

कठैत को 24 घंटे में ढूंढे पुलिस

आईजी से मिली पहाड़ी आर्मी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ऑपरेशन स्वास्थ्य आंदोलन चौखुटिया के मुख्य आंदोलनकारी एवं पूर्व सैनिक भुवन कठैत रहस्यमय परिस्थितियों में 24 नवंबर से लापता हैं। उनकी गुमशुदगी को लेकर मंगलवार को पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने हल्द्वानी स्थित आईजी कैंप पहुंचकर आईजी रिद्धिम अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए सकुशल बरामद की गुहार लगाई। इस दौरान हरीश रावत ने कहा कि पिछले 55 दिनों से चल रहे आंदोलन की अगुवाई भुवन कठैत कर रहे थे। उन्होंने 25 नवंबर को चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि स्वास्थ्य मंत्री या

मुख्यमंत्री आंदोलन स्थल पर नहीं पहुंचे, तो वह प्राणों की आहुति दे देंगे। इसके बावजूद प्रशासन ने उन्हें सुरक्षा और निगरानी में नहीं रखा, जो प्रशासन की गंभीर चूक और असंवेदनशीलता को दर्शाता है। रावत ने कहा कि आंदोलनकारी स्थानीय जनता और परिजन अपने स्तर पर लगातार खोजबीन कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर पुलिस प्रशासन भुवन कठैत को नहीं ढूंढ पाती है, तो पहाड़ी आर्मी प्रदेशव्यापी बड़ा आंदोलन कर सड़कों में उतरने को मजबूर होगे। ज्ञापन देने वालो में फौजी राजेंद्र कांडपाल, कविता जीना, लोकेश सनवाल, गीता बिष्ट, मोहन बोरा, हरेंद्र सिंह राणा, मनोज, बसंत बिष्ट, कैलाश डालाकोटी आदि मौजूद रहे।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प

कांग्रेसियों ने संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाया 'संविधान दिवस'

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संविधान दिवस के अवसर बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आहवान पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद सिंह बिष्ट के नेतृत्व में अंबेडकर पार्क दमुवाढूंगा में बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर संविधान बचाओ दिवस कार्यक्रम उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस दौरान महानगर अध्यक्ष गोविन्द सिंह बिष्ट ने कहा कि संविधान ने भारत को एक मजबूत लोकतांत्रिक पहचान दी है, इसलिए वर्तमान समय में इसकी रक्षा करना हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस देशभर में लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की सुरक्षा के लिए व्यापक जनआंदोलन चला रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज देश के लोकतांत्रिक ढांचे को वोट चोरी, लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग और संदिग्ध एसआईआर आधारित गतिविधियों जैसी चुनौतियों से खतरा है, जिन पर गंभीरता से चर्चा और आमजन को जागरूक करना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप, चुनावी हेरफेर और संस्थागत दुरुपयोग जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर हरीश लाल वैध, पार्षद मुकुल बल्यूटिया, जगदीश भारती, महेशानंद, लक्ष्मीकांत, विनोद कुमार पिन्नू, लाल सिंह पवार, एडवोकेट रंजीत डसीला, प्रदीप बिष्ट, चंदन भाकुनी, संजय जोशी, बृजेश कुमार, शोभित आर्य, रमेश लाल, योगेंद्र पाठक, मोहित दुर्गापाल, सुनील कुमार, बंटू, रहमान, कुंदन बिष्ट, मनोहर सांगुड़ी, सौरभ अरोरा, तरुण कुमार, निपुण देवरिया, मयंक कुमार, हरप्रीत सिंह, अजय जोशी, दीवान सिंह मेहरा, तुषार, राजेंद्र बिष्ट, देबु भाई, नवल पांडे, मोहित, मनाली, मयंक पंत आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को जनपद पुलिस ने राष्ट्र सेवा और संवैधानिक निष्ठा का संकल्प लिया गया। एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी के निर्देशन में पुलिस कार्यालय हल्द्वानी सहित थाना चौकियों में शपथ समारोह आयोजित किए गए। हल्द्वानी स्थित पुलिस सभागार में एसपी क्राइम डा. जगदीश चंद्रा ने पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को संविधान की प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्यों और संविधान में निहित आदर्शों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संविधान में वर्णित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों का स्मरण कराते हुए सभी को संवैधानिक कर्तव्यों, ईमानदारी और राष्ट्रहित में निष्पक्ष सेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संकल्प दिलाया। इसी क्रम में जनपद के सभी थाना एवं चौकियों में प्रभारी अधिकारियों द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया गया और संविधान दिवस की शपथ दिलाई गई। पुलिस कर्मियों ने राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण और संवैधानिक आदर्शों को अपने कर्तव्यों में सर्वोपरि रखने का प्रण लिया।

संविधान दिवस पर पथ संचलन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मूलनिवासी संघ के नेतृत्व में संविधान दिवस के अवसर पर मंगल पड़ाव स्थित डा. अम्बेडकर पार्क से पथ संचलन किया गया, जो तिकोनिया स्थित बुद्ध पार्क में समापन हुआ। यहां विभिन्न वक्ताओं ने संविधान और उसके महत्व पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र तो हुआ, लेकिन शासन अंग्रेजों का ही था। संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत हुआ, लेकिन इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। इसका कारण यह था कि 1929 में लाहौर कांग्रेस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की घोषणा की गई थी, और इस दिन को भारत में स्वाधीनता दिवस के रूप में मनाया गया। वक्ताओं ने यह भी बताया कि भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जो 13 समितियों द्वारा तैयार किया गया था और इसके अध्यक्ष बाबा साहेब आंबेडकर थे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष दीपक चनियाल, मुख्य अतिथि सुमित्रा प्रसाद, विशिष्ट अतिथि नफीस अहमद खान, डा. प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर विद्यालय में गूँजा राष्ट्र-स्वर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनभूलपुरा में संविधान दिवस अत्यंत गरिमामय और राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व स्वयं प्रधानाचार्या सविता श्रीवास्तव ने किया। बुधवार को विद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं, कार्यालयी स्टाफ एवं छात्राओं के साथ-साथ पीटीए अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार सलीम खान, राज्य हज कमेटी उत्तराखण्ड की सदस्य तरन्नुम खान तथा पार्षद सीमा अंजुम ने सामूहिक राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान शिक्षिका ममता पाण्डेय ने वंदेमातरम के इतिहास, उसके महत्व और राष्ट्रीय आंदोलन में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। शिक्षिका निधि पाण्डेय ने भारतीय संविधान के निर्माण, उसकी विशेषताओं, मूल्यों और उसकी सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को साझा किया। तरन्नुम खान ने स्वदेशी को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए छात्राओं के साथ उत्साहपूर्वक वंदे मातरम के नारे लगाए। प्रधानाचार्या सविता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वतंत्रता का संरक्षण और संविधान की मर्यादा बनाए रखना हर नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने छात्राओं को जागरूक, जिम्मेदार और सदैव राष्ट्रहित में कार्य करने का संदेश दिया।

संविधान के मूल्यों को जीवन में अपनाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। देशभर की तरह राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में भी संविधान दिवस बुधवार को गरिमा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक स्वर के साथ हुई जिसमें कॉलेज के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उत्साह से शामिल हुए। कालेज के प्राचार्य डा. जीएस तितियाल ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, उसके आदर्शों और लोकतांत्रिक मूल्यों का उत्सव है। हमारा संविधान देश को एक सशक्त, समावेशी एवं उत्तरदायी दिशा प्रदान करता है। डा. तितियाल ने संविधान निर्माताओं के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए सभी को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मौलिक सिद्धांतों को अपने आचरण एवं कार्यशैली में अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में कालेज के विभिन्न विभागों से संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की।

शीशमहल शिव मंदिर का निर्माण शुरू

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शीशमहल क्षेत्र स्थित पौराणिक शिव मंदिर के लंबे समय से लंबित पुनर्निर्माण कार्य का बुधवार को शुभारंभ हुआ। युवा सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति शीशमहल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पंडित कैलाश बेलवाल और पंडित केशव चंद तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर भूमि-पूजन कराया।

बता दें कि शीशमहल स्थित इस पौराणिक शिव मंदिर का निर्माण लंबे समय से प्रतीक्षित था, जो अब शुरू हो गया है। मंदिर का निर्माण शीशमहल क्षेत्र के धार्मिक महत्व को और बढ़ाएगा। इस मौके पर समिति के सदस्यों ने मंदिर निर्माण में सभी से सहयोग की अपील की और क्षेत्र के विकास के लिए एकजुटता की भावना का आह्वान किया। कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर विधायक बंशीधर भगत, विधायक सुमित हृदयेश, पूर्व मेयर डा. जोगेंद्र रौतेला, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया, विनीत अग्रवाल, कौस्तुभानंद जोशी, नीरज बिष्ट, सचिन शाह, ललित जोशी, सुभाष गुप्ता, नवीन पांडे, हरीश पाठक, मुख्य व्यवस्थापक गिरीश तिवारी, पंकज खत्री, अध्यक्ष विपिन कुमार तिवारी, उपाध्यक्ष दिनेश फुलारा, महामंत्री नारायण दत्त तिवारी, कोषाध्यक्ष मनोज तिवारी, विक्रम डंगवाल, कमल पपनै, पुष्पा सम्मल, मुकेश तिवारी, सुरेश तिवारी, हरीश बल्यूटिया, उमेश तिवारी, मोहन अधिकारी, सुरेश तिवारी, चंद्रशेखर शर्मा, देवेश तिवारी, गिरीश लोहनी, भुवन तिवारी, नितिन बल्यूटिया, विपिन जोशी, जगदीश गौड़, दिनेश कर्नाटक आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

समय से पूर्ण किया जाए एयरपोर्ट का निर्माण

■ सुरक्षा व्यवस्था पर भी दिया जाए विशेष ध्यान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सांसद एवं अध्यक्ष भारतीय विमानपत्तन हवाई अड्डा सलाहकार समिति पंतनगर अजय भट्ट की अध्यक्षता में भारतीय विमानपत्तन हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक जिला सभागार में आयोजित हुई।

सांसद श्री भट्ट ने कहा कि पंतनगर हवाई अड्डा अन्तराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया जा रहा है। जिसे 380 करोड़ की लागत से पंतनगर हवाई अड्डा विस्तारीकरण कार्य किए जा रहे है। उन्होंने सभी सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्यो को त्वरित गति से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा पंतनगर एयरपोर्ट रिजनल कनेक्टवीटी स्कीम उड़ान योजना के अन्तर्गत भारत सरकार, उत्तराखण्ड सरकार व विमानपत्तनन प्राधिकरण द्वारा संचालित है। इसलिए यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं व एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण से प्रदेश व क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही में अत्यधिक बढ़ोतरी होगी, जिससे क्षेत्र व प्रदेश की आर्थिकी भी मजबूत होगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने बताया कि

पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु 524.70 एकड़ भूमि एयरपोर्ट प्राधिकरण के नाम आवंटित कर दी गयी है साथ ही टीडीसी, पंतनगर विश्वविद्यालय, सैनिक फर्म आदि की जो भी भूमि एयरपोर्ट को आंवटित की गयी है उसमे भवनों का ध्वस्तीकरण व पेड़ों का कटान कार्य किया जा रहा है। उन्होने बताया कि समय-समय पर एयरपोर्ट प्राधिकरण, जिला प्रशासन व वन विभाग की आपसी समन्वय से एयपोर्ट के भीतर जानवरों को भगाने, झाड़ी व पेड़ कटान किये जा रहे है तथा प्रतिबन्धित प्रजाति के पेड़ों को चिन्हित कर लिया गया है जिनका शीघ्र कटान किया जाएगा। निदेशक पंतनगर हवाई अड्डा पवन कुमार ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण कार्यो में बाउंड्री निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। अन्तराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 03 हजार मीटर का रनवें बनाया जा रहा है तथा नया टर्मिनल के साथ ही हैंगर, आइएलएस सुविधा, कार्गो बनाया जायेगा। उन्होने बताया कि वर्तमान एयरपोर्ट में भी यात्रियों की सुविधा देने हेतु एटीम, कार पार्किंग, टैक्सी रिटेल काउंटर, वाईफाई सुविधा कार्य किये जायेगें साथ ही यात्रियों के लिए हैल्पडैक्स व प्राथमिक चिकित्सा व एम्बुलेंस सुविधा भी रखी गयी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एयरपोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था हेतु 75 पदों के सापेक्ष 20 ही कार्मिक तैनात हैं। उन्होंने रिक्त सुरक्षा कार्मिकों व क्यूआरटी टीम की तैनाती कराने का अनुरोध किया। जिस पर सांसद श्री भट्ट ने डीजीपी को सुरक्षा कार्मिकों की तैनाती करने हेतु पत्र लिखने व स्वयं भी बात करने का आश्वासन दिया। पीडी एनएचएआई ने बताया कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आ रहे राष्ट्रीय राजमार्ग को शिफ्ट करने कार्य का सर्वे कर लिया गया है, टेण्डर कर लिये गये है शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

उप जिलाधिकारी ने बताया कि एयरपोर्ट के अन्दर वर्षाकाल में नदी, नालों से होने वाले जल भराव से निजात दिलाने हेतु सिंचाई विभाग के साथ नदी, नालों का निरीक्षण व चिन्हिकरण कर लिया गया है। शीघ्र ही नालों की सफाई व ड्रेनेज कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, डीजीएम एयरपोर्ट अनूप गुप्ता, पीएस बृजवाल, सदस्य हेमन्त कुमार नरूला, शुभम टंडन, लोकेश जोशी, नरेश चन्द्र, विमल लोसाली, सांसद कपिल शर्मा, योगेश वर्मा, पीडी एनएचएआई मेहुल जिंदल, प्रबंधक मीनू आदि मौजूद थे।

जंगल में मिला अज्ञात वृद्ध का शव

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। चकरपुर के जंगल में एक वृद्ध का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। ग्रामीणों के अनुसार वृद्ध मानसिक रूप से विक्षिप्त था और अक्सर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में घूमता दिखाई देता था। चकरपुर पुलिस चौकी इंचार्ज विकास कुमार ने बताया कि कम्पार्टमेंट नंबर 7, सानिया नाले के पास जंगल में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि वृद्ध का शव काफी पुराना प्रतीत हो रहा था। शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले।

मृतक के पास से एक बैग भी बरामद हुआ, लेकिन उसमें कोई पहचान पत्र नहीं मिला। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है। बताया कि शव की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

एक नजर

संविधान दिवस पर संविधन के महत्व के बारे में बताया

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नागर के सचिव के निर्देश के क्रम में आरडी पब्लिक स्कूल बरी अंजनिया में बुधवार को संविधान दिवस पर कैंप का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य और संचालन पीएलवी विमल कुमार ने किया। पैनल अधिवक्ता कमान सिंह धामी ने संविधान की स्थापना तथा हमारे जीवन में संविधान का क्या महत्व व योगदान के बारे में विस्तार से बताया। वहीं पीएलवी विमल कुमार ने टोल फ्री नंबर15100, नशे से होने वाले कुप्रभाव, साइबर क्राइम, घरेलू हिंसा, मीरा देवी ने 13 तारीख को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत और स्थाई लोक अदालत के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चे एवं स्टाफ मौजूद रहा।

अत्याधुनिक हाई-टेक म्यूजियम का होगा निर्माण

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। पांच करोड़ की लागत से सिख धर्म के सभी गुरुओं की जीवनी, दर्शन और बलिदान को समर्पित अत्याधुनिक हाई-टेक म्यूजियम का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरु तेग बहादुर की जयंती के अवसर पर यह महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए सिख समुदाय को बड़ी सौगात दी है। यह म्यूजियम सिख पंथ के सभी श्रद्धेय गुरुओं के जीवन और बलिदानों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दुनिया भर की संगत तक पहुंचाएगा। इसकी विशेषता यह होगी कि इसे विश्व के किसी भी कोने से ऑनलाइन देखा जा सकेगा। भाजपा नेता राजेश कुमार और राज्य मंत्री सरदार मनजीत सिंह राजू ने इस निर्णय को बाजपुर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संविधान दिवस की छात्र-छात्राओं को दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वावधान में जागरूकता शिविर के माध्यम से सविंधान दिवस की छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई ।

बुधवार को उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वाधान में सचिव योगेंद्र कुमार सागर के आदेशानुसार पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने हरिपुरा हरसान के राजकीय इंटर कालेज में प्रधानाचार्य सतेंद्र यादव की अध्यक्षता में छात्र-छात्राओं को सविंधान दिवस पर राष्ट्रीय लोक अदालत एवं नालसा हैल्पलाईन नंबर 15100 की जानक. ारी दी। इस दौरान प्रधानाचार्य सतेंद्र यादव ने कहा भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 को पहली बार भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में मनाया गया तथा 26 नवम्बर 2015 से प्रत्येक वर्ष सम्पूर्ण भारत में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया। गणतंत्र भारत में 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। इस मौके पर प्रवक्ता विद्यासागर, प्रयाग कोहली, मोहन सिंह,अशोक कुमार, ममता शाह बोरा, धर्मपाल सिंह, डा. रमनकौर, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

नौ लोगों को आवारा पागल कुत्ते ने काट कर किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। आवारा पागल कुत्ते ने नौ लोगों को काटकर जख्मी कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने कुत्ते को घेर कर कुत्ते को मार डाला। सभी घायलों को उपचार के लिए खटीमा नागरिक चिकित्सालय लाया प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया।

बुधवार की सुबह ग्राम श्रीपुर विचवा निवासी बनवारी सिंह 73वर्ष हीरा देवी, 67वर्ष जानकी देवी, 65 वर्ष दिव्या, 6 वर्ष किरन, 45 वर्ष गोपाल, 44 वर्ष, कूटरा निवासी मोहन सिंह 54 वर्ष सहित एक साथ नौ लोगों को काटकर जख्मी कर दिया। गुस्साए ग्रामीणों ने आवारा पागल कुत्ते को घेर कर मार डाला वहीं सभी घायलों को 108 वाहन से खटीमा नागरिक चिकित्सालय उपचार के लिए लाया गया सभी जख्मी लोगों को उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

तीस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर के कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ और एसजीबीएस उन्नति फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित तीस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एम. सी. पांडे ने की। उद्घाटन भाषण में कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. लोतिका अमित ने कॉलेज के प्राचार्य और संकाय सदस्यों, प्रशिक्षक ज्योति भट्ट और प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बी.पी. दुर्गापाल ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के लक्ष्यों के बारे में संबोधित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑफलाइन/कक्षा मोड में आयोजित किया गया था। उन्नति फाउंडेशन की प्रशिक्षक ज्योति भट्ट द्वारा ऑडियो विजुअल एड्स का उपयोग करके 30 कार्य दिवसों के लिए कॉलेज में छात्रों को प्रतिदिन 3 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण की सामग्री में सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण विशेष रूप से संचार कौशल शामिल था। यहां प्राचार्य प्रो. एम. सी. पांडे, डॉ. लोतिका अमित, डॉ. दीपक खाती, डॉ. ममता जोशी, डॉ. विजय कुमार, डॉ. हेम भट्ट आदि मौजूद रहे।

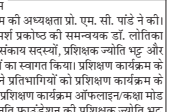

लोगों ने संविधान दिवस की शपथ ली

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। अम्बेडकर जयंती समारोह समिति रामनगर की एक बैठक रेवी राम खैरिया की अध्यक्षता और संचालन एडवोकेट विनोद अंजान ने किया। संविधान दिवस के अवसर पर सभी लोगों ने संविधान दिवस की शपथ ली। इस अवसर पर सभी लोगों ने संविधान के नियमों एवम् प्रावधानों के अनुसार चलने की बात कही।बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवम् पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन किया गया। इस दौरान नंदराम बौद्ध, विनोद अंजान, राजेंद्र, दीवान कुमार, हरिओम, भुवन चंद्र, गिरीश चंद्र, जगन्नाथ, प्रेम प्रकाश , पृथ्वी पाल, सरस्वती, गणेश, जगदीश चंद्र भारती, प्रकाश चंद्र शिल्पी, चित्रा सिंह, तरी राम, अंजू, सिराज, दिनेश चंद्र , सगीरुददीन आदि मौजूद रहे।

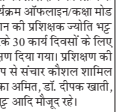

पुलिस ने चलाया बॉर्डर पर सघन चेकिंग अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। कोतवाल नरेश चौहान मय पुलिस टीम द्वारा दोराहा उत्तराखंड के यूपी बॉर्डर पर आकस्मिक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान लगभग 170 वाहनों की गहनता से तलाशी ली। चेकिंग में मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाने पर 29 वाहनों के चालान किए गए। वहीं, पुलिस एक्ट के उल्लंघन में 10 चालान जारी किए गए।

पुलिस के अनुसार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। पुलिस ने बताया ऐसे चेकिंग अभियान आगे भी समय-समय पर जारी रहेगा।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150 वी जयंती धूमधाम से मनाई

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। देश के युवाओं में राष्ट्रीय प्रेम, देशभक्ति, एकता एवं अखंडता, देश हित के कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित करने वाले राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150 वीं जयंती तथा विश्व के सबसे बड़े लिखित दस्तावेज में निर्मित भारतीय संविधान दिवस को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गणमान्य लोगों समेत विद्यार्थियों ने वाद्ययंत्रों के साथ वंदे मातरम् गीत का लयबद्धता से गायन किया।

बुधवार के रोज पीएम श्री नेहरू राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बृजमोहन लाल ने बताया कि विभाग के आदेशानुसार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150 वीं जयंती पर विद्यालय में वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया । उन्होंने उक्त गीत के

विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायक विरासत है तथा स्वतंत्रता संग्राम की अवधि से ही राष्ट्रीय के प्रति समर्पण का प्रतीक गीत रहा है।

इसके सामूहिक गायन से हमारी युवा पीढ़ी में राष्ट्रीय प्रेम, राष्ट्रीय भक्ति, राष्ट्रीय प्रतिबद्धता, एवं राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित होगी। उन्होंने संविधान दिवस के मौके पर कहा कि भारत का संविधान संसार के सभी देशों के संविधान से सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह दिवस संवैधानिक आदर्श, न्याय स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व, एकता एवं अखंडता, अनुशासन, सहिष्णुता जैसे मानवीय मूल्यों के प्रति हमें प्रोत्साहित करता है ।

इस मौके पर प्रधानाचार्य ने आगंतुक जनप्रतिनिधियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री सुषमा सैनी, नगर पंचायत महुआ डाबरा के चेयरमैन प्रतिनिधि प्रीतम सिंह, समाजसेवी धर्मपाल सिंह, सभासद राजकुमार,पीटीए अध्यक्ष अशोक कुमार पुष्पक, प्रधानाचार्य बृजमोहन लाल,शारी. रिक शिक्षक राजेश चौधरी, योगेश पंत, हरीश शर्मा, सरीस आलम, उपेंद्र सिंह, डॉक्टर तजम्मुल हसन, शाकिर हुसैन, राधा कृष्ण तिवारी, अरुण कुमार वर्मा, नाजिम कमर , राजवीर सिंह, सतेंद्र कुमार, नीतू सैनी,मोनिका, नूतन रानी, अजय कुमार, कालिका प्रसाद सुमन, चेतन चौहान, नफीस अहमद, जयवीर सिंह,राम सजीवन, राजीव कुमार , अरुण कुमार, मनोज पाल, सोमपाल, नसीम जहां, राम कीर्ति समेत सैकड़ों विद्यार्थी मौजूद थे।

आवारा पशुओं से हो रहे नुकसान सहित सात मामलों पर संयुक्त अभियान

■ तराई किसान भूमि सुधार संघर्ष समिति, पूर्व सैनिक उत्तराखंड आंदोलनकारी चलाएंगे संयुक्त अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

थारू गैर थारू भूमि विवाद

खटीमा। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी, पूर्व सैनिक एवं तराई किसान भूमि सुधार संघर्ष समिति के संयुक्त आह्वान पर थारू- गैर थारू भूमि विवाद सहित सात ज्वलंत लंबित समस्याओं के समाधान हेतु लामबंद होने लगे हैं। तराई किसान भूमि सुधार संघर्ष समिति सचिव एवं वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी भगवान जोशी ने विज्ञप्ति जारी कर पूर्व सैनिक, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी एवं तराई किसान भूमि सुधार संघर्ष समिति के संयुक्त आह्वान पर सात बिंदुओं पर राजनैतिक दलों से समाधान कराने की जानकारी दी है।

तराई किसान भूमि सुधार संघर्ष समिति अध्यक्ष कैशेर सिंह डिगारी, कै धन बहादुर चन्द सहित वंचित उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों से विचार विमर्श उपरांत जारी विज्ञप्ति में वरिष्ठ आंदोलनकारी भगवान जोशी ने सात बिंदुओं का उल्लेख किया है। विज्ञप्ति में समिति सचिव भगवान जोशी ने कहा कि प्रदेश की राजनैतिक दलों की सरकारों ने थारू-गैर थारू भूमि विवाद ज्वलंत समस्या को हांसिये में डाला है। जबकि इस समस्या से समाज का हर वर्ग परेशान है। थारू जनजाति भूमि पर काबिज लोग वर्तमान में परेशान हैं। प्रदेश में सरकार चलाने वाले राष्ट्रीय दलों के द्वारा आश्वासन के बाद भी इसका समाधान नहीं निकाला।

समिति सचिव ने इसके साथ ही आवारा जानवरों से किसानों को हो रहे नुकसान का मुआवजा व इनके रोकथाम न करने का मामला उठाया गया है। वंचित राज्य आंदोलनकारी जिनके आवेदन 2021 से पूर्व उप जिलाधिकारी कार्यालय में जमा हैं अथवा जिन्हें परिचय पत्र से वंचित रखा गया है। विज्ञप्ति में खटीमा- मझोला राष्ट्रीय राजमार्ग, चकरपुर नौगवांनाथ, बगिया घाट मार्ग की दुर्दशा से निजात दिलाने, अग्नि वीर योजना को बंद कर पूर्व सैनिक भर्ती लागू करने व राज्य आंदोलनकारी पूर्व सैनिकों, संविदा कर्मी,विधवा, वृद्धा विकलांग परितक्यता आदि आंदोलनकारियों की बंद पेंशन लागू कराने, राज्य आंदोलनकारी को राज्य निर्माण का दर्जा देते हुए लोकतंत्र सेनानी की तर्ज पर 20,000 प्रति माह पेंशन देने तथा उत्तराखंड में नेपाल, उत्तर-प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल व पंजाब से लगातार हो रही घुसपैठ नहीं रोकने संबंधित प्रमुख मुद्दों को उजागर हल कराने का निर्णय लिया है। विज्ञप्ति में उक्त बिंदुओं पर हस्ताक्षर अभियान चलाने की भी जानकारी दी है।

एसएसबी ने लिया संविधन की रक्षा का संकल्प

■ भारतीय संविधान विश्व का सबसे वृहद और सशक्त संविधान

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। इंडो नेपाल सीमा स्थित 57 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकियों में संविधान दिवस पर विशेष शपथ ग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीमा चौकी मेलाघाट, नारायण नगर एवं सिंबल घाट में जवानों ने संविधान दिवस को बड़ी उत्साह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ समवाय प्रभारियों द्वारा किया गया। इस मौके पर समवाय प्रभारियों ने भारतीय संविधान के इतिहास, निर्माण प्रक्रिया, संविधान सभा के योगदान तथा संविधान में निहित मूलभूत सिद्धांतों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

संविधान दिवस

उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बृहद और सशक्त संविधान है, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों पर आधारित है, जो प्रत्येक नागरिक को उसके मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने जवानों को समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध संरक्षण, धर्म की स्वतंत्रता, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार तथा संवैधानिक उपचार जैसे छह मौलिक अधिकारों के बारे में समझाया और साथ ही 11 मौलिक कर्तव्यों के पालन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि संविधान का सम्मान व पालन हर सैनिक और नागरिक का नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों और जवानों ने एकजुट होकर संविधान की रक्षा, सम्मान और पूर्ण निष्ठा से पालन करने की शपथ लेते हुए देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सहायक कमांडेंट सुरेन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट जशोबंता सेनापति, निरीक्षक कमलेश कुमार सहित समवायों के सभी अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

हमारा संविधान हमारी पहचान है

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाले ग्रंथ को समर्पित भारतीय संविधान दिवस के मौके पर उत्तराखण्ड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका कार्यालय के पीछे स्थित अम्बेडकर पार्क में पहुंचकर संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा की साफ सफाई कर पुष्प अर्पित किए।

इस दौरान मिष्ठान भी वितरित किया गया। उत्तराखण्ड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि ने कहा कि अधिकार और कर्तव्य का यह अद्‌भुत मेल दुनिया के लिए मिसाल है। हमारा संविधान हमारी पहचान है।

इस मौके पर पूर्व सभासद रामअवतार यादव, महीपाल सिंह यादव, सुरेश कुमार वाल्मीकि, मुकेश वाल्मीकि, बनवारी लाल, फूल सिंह, अमित कुमार, राजेश कुमार, मिल्ले, संजीव वाल्मीकि, बबलू चौधरी आदि उपस्थित रहे।

रेनबो स्कूल के छात्रों ने दिल्ली ट्रेड फेयर में सीखी आधुनिक तकनीकें

■ विमानन करियर पर मिला मार्गदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रेनबो पब्लिक स्कूल, रुद्रपुर के कक्षा 7 से 11 के छात्रों ने सीबीएसई संदर्भित एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण के तहत दिल्ली के प्रगति मैदान (भारत मंडपम) में आयोजित ट्रेड फेयर 2025 का अवलोकन किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों, आधुनिक अवसंरचना और विभिन्न करियर संभावनाओं से परिचित कराना था। विद्यार्थियों ने कम्युनिकेशन, नेविगेशन एवं सर्विलांस से संबंधित

अत्याधुनिक तकनीकी प्रदर्शनी देखी, जहाँ उन्नत संचार प्रणाली, नेविगेशन तकनीक तथा हवाई सुरक्षा से जुड़ी नवीन प्रणाली का विस्तृत प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने आधुनिक एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी प्रदर्शनी भी देखी, जिसमें उन्हें हवाई अड्डों की संरचना, तकनीकी प्रक्रियाओं, यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और संचालन प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी मिली।

भ्रमण का मुख्य आकर्षण एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) के युवा अधिकारियों द्वारा आयोजित करियर काउंसलिंग सत्र रहा। इस सत्र में विद्यार्थियों को विमानन क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों, आवश्यक कौशल, योग्यता और भविष्य की संभावनाओं के बारे में प्रेरक जानक. ारी प्रदान की गई। विद्यालय के शिक्षक जीएस रावत, पिकीं सिंह एवं लक्ष्मी नेगी ने छात्रों का पूरे भ्रमण के दौरान मार्गदर्शन किया। भ्रमण से पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार अग्रवाल ने बस को हरी झंडी दिखाकर छात्रों को शुभकामनाओं सहित रवाना किया तथा इस शैक्षिक यात्रा को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया।

संविधान दिवस व वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ पर हुए कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। संविधान दिवस व वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज में वंदे मातरम कार्यक्रम आयोजित किया गया। वंदे मातरम् कार्यक्रम पूरे देश में मनाया जा रहा है और केंद्र तथा राज्य की सरकार वंदे मातरम कार्यक्रम के जरिए युवाओं को देश प्रेम के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। इसी के तहत आज बतौर मुख्यातिथि वरिष्ठ भाजपा नेता और समाजसेवी भारत भूषण चुघ झा कॉलेज पहुंचे और छात्रों को संबोधित किया।

प्रार्थना सभा में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का अर्थ है मैं मां को नमन करता हूं अथवा हे मां तुम्हें प्रणाम करता हूं जो भारत माता के प्रति सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह वाक्य बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंद मठ से लिया गया है। उन्होंने उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार वंदे मातरम् के जरिए देशभक्ति की अलख जगा रहे हैं, ताकि आज की युवा पीढ़ी यह जान सके कि किस प्रकार से इस देश की रक्षा के लिए असंख्य युवाओं ने अपने जीवन का बलिदान किया है, और सदैव वंदे मातरम् और राष्ट्र प्रेम की ज्योत को जगाया है। इस दौरान प्रधानाचार्य दयाशंकर पांडे, सुशील यादव, राजपति बिंद, गिरीश शर्मा ,दिनेश शुक्ला, विपिन गुप्ता, प्रमोद बाबू शर्मा, जितेंद्र यादव, प्रभु दयाल, पूजा बत्रा, इंदिरा, नर नारायण वर्मा, मोहन चंद्र जोशी, कृष्णा राम आर्य ,गोविंद सिंह बिष्ट, शंकर दत्त पाठक, लुकमान, विशाल यादव समेत तमाम छात्र मौजूद थे।

पुलिस ने राष्ट्र सेवा और सवैधानिक निष्ठा की ली शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। संविधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर द्वारा पुलिस कार्यालय और पुलिस लाईन में नियुक्त अधिकारी कर्मचारी गणों को राष्ट्र के संविधान की एकता, अखण्डता व सम्प्रभुता को बनाये रखने हेतु संविधान दिवस की शपथ दिलाई गयी। इसके साथ ही संविधान दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया कर हरे भरे वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके साथ ही चंदन हॉस्पिटल हल्द्वानी की ओर से पुलिस लाईन रुद्रपुर में आयोजित रक्तदान शिविर में पुलिस कर्मियों द्वारा जरूरतमंदो हेतु रक्तदान किया गया।

इसके अतिरिक्त जनपद के सभी कार्यालयों, थाना व चौकियों पर सम्बन्धित अधिकारियों, थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारियों तथा अग्निशमन इकाई में सम्बन्धित प्रभारियों के स्तर से अधीनस्थ कार्मिकों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई गई।

ग्रामीणों ने लिया नशामुक्त गांव और सुरक्षा का संकल्प

■ पंचायत घर को ग्रामीण मिनी सचिवालय का रूप दिए जाने की उठी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। ग्राम पंचायत चिड़ियाढुंगा में आयोजित पहली बैठक में ग्रामीणों ने विकास की एक व्यापक और मजबूत रूपरेखा तैयार करते हुए पंचायत को 'मिनी सचिवालय' जैसा स्वरूप देने पर सहमति जताई। बैठक में गांव को जंगली जानवरों से बचाने के लिए पूरे क्षेत्र में वायर फेंसिंग लगाने, सोलर लाइट लगाने तथा सुरक्षा को मजबूत करने के प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक में जल संकट दूर करने के लिए सोलर हैंडपंप लगाने, सूख चुके प्राकृतिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने तथा जल संरक्षण हेतु मनरेगा के तहत कार्य प्रारंभ करने पर भी सहमति बनी। इसके साथ ही गांव में पैदल सम्पर्क मार्ग और कंक्रीट संपर्क मार्ग बनाने की मांग भी रखी गई, जिसे पंचायत ने प्राथमिकता में शामिल किया। ग्राम प्रधान विजेन्द्र मनराल की अध्यक्षता एवं ग्राम विकास अधिकारी मीरा बोहरा के संचालन में हुई इस बैठक में हयात सिंह बोरा, मनीष भट्ट, सावित्री देवी, नीला भट्ट, केशवी देवी, पुष्पा खोलिया, विद्या मनराल, अमित कुमार, मंजू मनराल, सुमित कुमार, विपिन त्रिपाठी, भारती मनराल, वंशीधर राय, नरेंद्र बोहरा सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से अपने गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

साथ ही तय किया गया कि यदि कोई व्यक्ति नशे का कारोबार करता पाया गया तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। पंचायत भवन को जीर्णोद्धार कर उसमें आवश्यक सरकारी सुविधाएं जैसे कंप्यूटर, रिकॉर्ड रूम, मीटिंग हॉल आदि विकसित करने की भी मांग की गई।

चंपावत में नशा माफिया पर पुलिस का बड़ा प्रहार

■ लोहाघाट पुलिस ने सघन चेकिंग में 18.07 ग्राम स्मैक के साथ तीन तस्कर पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। पुलिस अधीक्षक अजय गणपति द्वारा जनपद में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का असर अब जमीन पर साफ दिखने लगा है। इसी क्रम में लोहाघाट पुलिस ने एक सतर्कता-भरी और प्रभावशाली कार्रवाई करते हुए ऋषेश्वर मंदिर के पास सघन चेकिंग के दौरान तीन युवकों को अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया।

चेकिंग के दौरान तेज गति से आती एक अल्टो कार (UK03C 1258) को रोककर जब तलाशी ली गई तो वाहन से 18.07 ग्राम स्मैक बरामद हुई। शुरुआती पूछताछ में तीनों आरोपी तस्करी में शामिल पाए गए, जिसके बाद उन्हें मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार यह गिरोह क्षेत्र में स्मैक की छोटी-छोटी खेप सप्लाई करने की फिराक में था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अखिल पाण्डेय पुत्र कृष्ण चन्द्र पाण्डेय, निवासी ग्राम बगोटी, थाना पंचेश्वर, दीपकचन्द्र जोशी पुत्र प्रयाग दत्त जोशी, निवासी ग्राम गङकोट, राहुल विश्वकर्मा पुत्र गंगा प्रसाद, निवासी चिङियाढूंगा (बनीगांव), थाना लोहाघाट। पुलिस को आशंका है कि आरोपी किसी बड़े नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं।

पुलिस टीम में उ.नि. कुन्दन सिंह बोरा, हरीश प्रसाद, हे.का. सुनील कुमार, .संजय जोशी, का. अशोक वर्मा। एसपी चंपावत अजय गणपति ने कहा जनपद चंपावत में नशे के अवैध कारोबार के लिए कोई जगह नहीं है। नशा बेचने या सप्लाई करने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

बाल अधिकार एवं सुरक्षा विषय पर हुई कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सचिव डा. एसके बर्नवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में बाल अधिकार एवं सुरक्षा विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। डा. बर्नवाल ने बच्चों के मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से सुरक्षित वातावरण में जीने का अधिकार, नाम एवं राष्ट्रीयता प्राप्त करने का अधिकार, तथा सरकारी संरक्षण व सहयोग से जुड़े अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला में जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने प्रतिभाग करते हुए विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बाल संरक्षण, साइबर सेफ्टी, नशे से दूर रहने तथा नशामुक्ति के संबंध में जागरूक किया। साथ ही बाल अधिकारों तथा संबंधित कानूनी प्राविधानों पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान सचिव डा. एस.के. बर्नवाल द्वारा जिलाधिकारी का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर द्वारा भारतीय न्याय संहिता एवं यूनिफॉर्म सिविल कोड में बच्चों से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई। पुलिस विभाग ने अभिभावकों, बच्चों और शिक्षकों को गैजेट्स के सुरक्षित उपयोग, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन अपराधों से बचाव तथा बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम पर जागरूक किया। कार्यशाला में एडीएम योगेन्द्र सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंजू देवी, सुनील तिवारी, लक्ष्मण सिंह खाती, वरुण सरग्वान, चंद्रशेखर जोशी, सतीश कुमार सिंह, विपिन, जैसी तिवारी, ज्योति बोरा महर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व फौजियों को गोल्फ कार्ट देकर किया उनका सम्मान

■ सैकड़ों पूर्व सैनिकों को इससे मिलेगी बड़ी राहत

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। पूर्व सैनिकों का जीवन केवल सेवा निवृत्ति का चरण नहीं होता यह उस त्याग, अनुशासन और देशभक्ति का निरंतर सम्मान है, जो वे सीमाओं पर अपने रक्त पसीने से लिखकर आते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा के लिए उठाया गया हर कदम केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सामाजिक ऋण का निर्वहन होता है। इसी कड़ी में बनबसा ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदान की गई छह सीटर गोल्फ कार्ट एक साधारण सुविधा से कहीं अधिक गहरी अर्थवत्ता रखती है। यह वाहन पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों के लिए उस दूरी को पाटेगा जो अक्सर उम्र, स्वास्थ्य और शारीरिक थकान के कारण कठिन हो जाती थी। कई बुजुर्ग पूर्व सैनिकों ने वर्षों से यह समस्या उठाई, पर समाधान अब जाकर प्रभावी रूप में सामने आया है। गोल्फ कार्ट का पहुंचना उनके दैनिक जीवन में सुविधा ही नहीं, सम्मान की अनुभूति भी लेकर आया है। यह बात स्पष्ट करती है कि यह कदम कागज पर नहीं, जमीन पर प्रभाव डालने वाला है। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह 'सुविधा' की घोषणा नहीं, बल्कि 'सम्मान' का विस्तार है।

अमोली गांव में जागा आदर्श ग्राम का संकल्प

■ एकजुट ग्रामीणों ने श्रमदान से दी स्वच्छता की मिसाल

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। पाटी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाला अमोली गांव इन दिनों आदर्श गांव बनने के संकल्प के साथ नई पहचान गढ़ने की ओर बढ़ रहा है। ग्राम पंचायत की पहली औपचारिक बैठक में ग्राम प्रधान निशा भट्ट के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आपसी सहयोग व श्रमदान की मिसाल पेश कर दी। गांव में स्वच्छता को लेकर सभी वार्डों के लोग एकजुट होकर निकले और रास्तों, पगडंडियों व सार्वजनिक स्थानों की सफाई की।

ग्रामीणों ने अपने घरों के सामने की नालियों को साफ किया, झाड़-झंखाड़ हटाया और प्रमुख मार्गों पर जमा कूड़ा-कचरा उठाया। इस अभियान में लक्षित भट्ट, बबलू भट्ट, दीपा भट्ट, भावना भट्ट, प्रकाश भट्ट, नीमा देवी, पूरन भट्ट सहित अनेक ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

ग्राम पंचायत अधिकारी रवी गोस्वामी और ग्राम विकास अधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि गांव को आदर्श स्वरूप देना तभी संभव है जब हर नागरिक स्वच्छता, अनुशासन और सहयोग की भावना के साथ आगे आए। अगर हम अपने गांव को साफ-सुथरा नहीं रखेंगे तो हमारे लिए कोई बाहर का व्यक्ति आकर यह काम नहीं करेगा, अधिकारियों ने कहा।

ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ एक दिन का अभियान नहीं है बल्कि अब इसे नियमित रूप से जारी रखा जाएगा। अमोली गांव को आदर्श गांव की श्रेणी में लाने के लिए ग्राम पंचायत और ग्रामीण मिलकर योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में जुट गए हैं।

गांव के युवाओं ने भी संकल्प लिया है कि भविष्य में सभी विकास कार्यों में सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अमोली को मॉडल गांव बनाने का सपना जल्द ही साकार हो सके।

संविधान दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। संविधान दिवस पर कांग्रेस कार्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।कांग्रेस ने भाजपा सरकार द्वारा संविधान की धज्जियां उड़ाने पर रोष व्यक्त किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनता को बताएं कि आज भाजपा सरकार संविधान को खत्म करके सत्ता पर काबिज रहना चाहती है। कहा कि जल्द ही भाजपा सरकार के खिलाफ जन आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान पूर्व विधायक रणजीत रावत, अनिल अग्रवाल खुलासा, भुवन पांडे, नजाकत अली, लीला धर जोशी, पुष्पा देवी, अमरजोत सिंह, धीरज उपाध्याय, गाजी करीम, सूएव रजा, मुनव्वर हुसैन, कमल नेगी, कुवेर कड़ाकोटी, बाबर खान,चांद खान, अनीस अहमद, अनीश आलम अंसारी, शेर खान, ममता आर्य, गुलाम सादिक, कुबेर कलाकोटि आदि मौजूद रहे।

मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना जारी

दो दिसंबर को देहरादून करेंगे कूच

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार बुधवार को 12वें दिन भी जारी रहा। आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विकास भवन परिसर में धरना-प्रदर्शन कर सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने कहा कि बीते वर्ष फरवरी में प्रदेशव्यापी हड़ताल के दौरान मुख्यमंत्री आवास में मिले आश्वासन पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को समर्थन देते हुए राज्य आंदोलनकारी हरीश पनेरू ने कहा कि वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को जो मानदेय दिया जाता है वह कम है। इसे बढ़ा कर 25 हजार रुपये होना चाहिए।

संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष रूचिता घई ने बताया कि 7 मार्च 2024 को निदेशालय में हुई बैठक में मानदेय वृद्धि पर विचार के लिए समिति गठित करने की बात कही गई थी, किंतु डेढ़ वर्ष बीतने के बाद भी निर्णय लंबित है। उन्होंने मांग उठाई कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए। इसके अलावा सेवानिवृत्ति पेंशन, महिला कल्याण कोष से मिल रही एकमुश्त राशि बढ़ाकर कम से कम 5 लाख रुपये करने, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार ग्रेच्युटी लाभ दिए जाने और सुपरवाइजर के रिक्त पदों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पदोन्नति देने की मांग दोहराई गई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो दो दिसंबर को देहरादून कूच करेंगे। धरने में प्रदेश मंत्री अनीता सिंह, हंसा लोहनी, माधुरी शर्मा, रोबिना, रूबी सिंह, पुष्पा पांडे, शीतल, शिवानी, जयवती रजवार, रश्मि, रजनी, सुमन चतुर्वेदी, अजीत कौर, आराधना यादव, ज्योति, लक्ष्मी यादव, अनीता शर्मा, राजकुमारी, नूरजहां, आशा रानी, सुलेखा चौहान, निशा, सीमा गांगुली, प्रियंका, तारा भट्ट, रानी कौर, दलवीर कौर, सूलता मंडल, गीता, मीरा गुप्ता, भावना, सुलेखा, सुभद्रा मंडल, सुशीला, स्मिता, संगीता, खुशबू, कुसुम लता, लक्ष्मी, संध्या, शांति, भावना सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहीं।

जनजातियों के बताए गए लोगों को अधिकार को किया जागरुक

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वावधान में जनजातियों के अधिकारों की जागरूकता शिविर के माध्यम से जानकारी दी गई । मंगलवार को उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वावधान में सचिव योगेंद्र कुमार सागर के आदेशानुसार परा. विधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने नालसा (जनजातीयअधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन)-योजना 2015 की ग्रामीणों को जानकारी दी।

मोहम्मद शहीद ने कहा जनजातीय अधिकारों के संरक्षण और परिवर्तन की योजना 2015 राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा)द्वारा शुरू की गई एक योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में जनजातीय लोगों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत जनजातीय लोगों के अधिकारों लाभों और कानूनी सहायता सहित अन्य कानूनी सेवाओं तक उनकी पहुंच को सुगम बनाया जाता है।

उन्होंने कहा जनजातीय व्यक्ति या उसके प्रतिनिधि सहायता के लिए निकटतम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA)से कानूनी सहायता के लिए या पैरा लीगल वालंटियर से संपर्क कर सकते हैं। इस दौरान अलाउद्दीन, सफीक, कदीर, हरीश, फारूक, सलमान, हवेश अली, सचिन गीता कुसुम आदि मौजूद रहे।

सचिव ग्राम्य विकास ने ग्रामीणों से किया संवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। सचिव ग्राम्य विकास धीराज गर्बयाल ने ग्राम टुंडी का भ्रमण किया। उनके साथ मुख्य विकास अधिकारी डा. दीपक सैनी सहित सभी रेखीय विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भ्रमण के दौरान सचिव ग्राम्य विकास ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बारमो-टुंडी क्लस्टर के समन्वित विकास के लिए विभागीय अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए क्षेत्र में आजी. विका आधारित गतिविधियों-जैसे मत्स्य पालन, ड्रैगन फ्रूट उत्पादन, फार्म मशीनरी बैंक स्थापना, बकरी एवं गौ-पालन को व्यापक रूप से बढ़ावा देने पर जोर दिया। टुंडी गधेरे पर चेक डैम निर्माण तथा सोलर पंपिंग के माध्यम से सिंचाई सुविधा विकसित कर सब्जी उत्पादन व मत्स्य पालन को प्रोत्साहन देने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही क्षेत्र में पेयजल सुविधाओं में सुधार हेतु नई कार्ययोजना बनाने पर बल दिया गया। बकरी पालन, डेयरी, एवं मत्स्य पालन को संतृप्ता के आधार पर कार्ययोजना में सम्मिलित किया जाए।

सिलाई मशीन व प्रशिक्षण एवं मौन पालन के तहत ग्रामीणों की मांग को देखते हुए वृहत कार्ययोजना तैयार की जाए। कीवी की खेतीको लेकर ठोस रणनीति तैयार की जाए। पशुपालन के संदर्भ में CVO को निर्देशित किया गया कि सचल चिकित्सा दल को रोस्टर तैयार करते हुए गांवों में लगातार क्षेत्र भ्रमण किया जाए। बारमो, मुनाबे, गौच नयाबाद, अखुली, लछेर, कुन्काटिया, धुर्चू क्लस्टर के गांव आदि गांवों में क्लस्टर आधारित वृहद कार्ययोजना तैयार कि जाएगी। बैठक में कई अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादन मंडी समिति में मनाया गया संविधान दिवस

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कृषि उत्पादन मंडी समिति रामनगर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मंडी सचिव सहील अहमद ने मंडी कर्मचारियों एवं आढ़तियों को शपथ दिलाई गई।

मंडी समिति सभागार में संविधान दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, गोष्ठी को संबोधित करते हुए मंडी सचिव सहील अहमद ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष देश है।जो कि भारतीय संविधान से चलता है और इस संविधान से हर नागरिक को अभिव्यक्ति की आजादी से जीने का अधिकार है।उन्होंने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान को 26 नवंबर को पूरा कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि संविधान की बदौलत भारत का हर नागरिक अच्छी तरह से अपनी जिंदगी जी रहा है। इस अवसर पर सब्जी मंडी आढ़ती एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मो. इकबाल, मुनाजिर हुसैन, मैराज अल्वी, सुरेन्द्र सिंह, ललित पंत, दीपक पाठक, सोहनलाल, आंचल कुमारी, मुदित दुर्गापाल, तारा दत्त जोशी, दीपा मनराल, पुष्पा देवी, गीता देवी आदि मौजूद रहे।

रामनगर में विकास प्राधिकरण हटाने की मांग तेज

■ तहसील में उपवास और धरना देकर सरकार पर बोला हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त किए जाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है,बुधवार को रामनगर तहसील परिसर में ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी और जेष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी के नेतृत्व में उपवास और धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

विकास प्राधिकरण के खिलाफ यह बड़ा विरोध कार्यक्रम स्थानीय जनता, जनप्रतिनिधियों और सामा. जिक संगठनों की भागीदारी के साथ आयोजित हुआ। धरने का नेतृत्व कर रहे ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी ने कहा कि विकास प्राधिकरण रामनगर की जनता के लिए उत्पीड़न व लूट का केंद्र बन गया है,उनका आरोप है कि लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र को प्राधिकरण के दायरे में लाने से स्थानीय लोगों पर भारी बोझ बढ़ गया है,ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर फल पट्टी तक, हर जगह भवन निर्माण, दुकान निर्माण, होमस्टे और घर बनाने जैसी सामान्य गतिविधियां भी मुश्किल होती जा रही हैं।

संजय नेगी ने बताया कि प्राधिकरण की प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि लोग महीनों तक चक्कर काटते रहते हैं लेकिन नक्शा पास नहीं हो पाता है।उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्राधिकरण में भ्रष्टाचार बढ़ गया है,रिश्वत मांगना आम बात हो चुकी है, और कई बार पैसे देने के बाद भी फाइलें दबा दी जाती हैं। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने एक स्वर में मांग की कि प्राधिकरण को रामनगर से तुरंत हटाया जाए और जनता पर हो रहा उत्पीड़न बंद किया जाए।

इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, मीना रावत, मिथलेश डंगवाल, ाहुल डंगवाल, नवीन सती, नरेंद्र रावत, भूपेंद्र सिंह, हज्जन नरगिस, हाजी शकील अहमद अंसारी, कंचन रावत, कृष्ण कुमार, महावीर रावत, धीरेन्द चौहान, सचिन कुमार, शिल्पेंदर बंसल, संजय रावत, जुल्फीकार कुरैशी, राहुल कांडपाल, इमरान खान, मोहम्मद अमीर, पूरन पांडे, गोपू अधिकारी, मोहम्मद अकरम आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नए लेबर कोड्स की जलाई प्रतियां

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। देशभर में केंद्र सरकार के नए लेबर कोड्स के खिलाफ जारी विरोध के बीच बुधवार को रामनगर के लखनपुर चुंगी में इंकलाबी मजदूर केंद्र द्वारा प्रतियों का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। संगठन ने इन लेबर कोड्स को "घोर मजदूर-विरोधी" बताते हुए इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की।

संयुक्त किसान मोर्चा और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने बुधवार को ऐतिहासिक किसान आंदोलन के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया था। इसी क्रम में इंकलाबी मजदूर केंद्र ने मजदूर अधिकार संघर्ष अभियान के घटक संगठन के रूप में देशव्यापी विरोध में भागीदारी की।जिसमें संघर्षशील और क्रांतिकारी ट्रेड यूनियन शामिल हैं। वक्ताओं ने कहा कि 2021 में दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसानों के उठने के बाद केंद्र सरकार ने जो वादे किए थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी आज भी अधर में है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार ने बड़े पूंजीपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज माफ किए, लेकिन किसानों की कर्ज माफी के लिए सरकार के पास संसाधन नहीं होने का तर्क दिया जाता है इन नीतियों के चलते किसानों और खेत मजदूरों में आत्म हत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस दौरान रोहित रुहेला, भुवन आर्या, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिंवाल, गीता आर्या, समाजवादी लोक मंच के मुनीष कुमार, किशन शर्मा, प्रगतिशील जन एकता मंच के लालमणि, किरण आर्या, परिवर्तनकामी छात्र संगठन के राज प्रीति आदि मौजूद रहे।

शाहजी पब्लिक स्कूल में संविधान दिवस मनाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। शाहजी पब्लिक स्कूल में संविधान दिवस पर अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए। इस अवसर पर नए हॉल का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि परवीन सिद्दीकी एवं प्रधानाचार्य रविन्द्र मिश्रा ने किया। उन्होंने संविधान के महत्व से बच्चों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संविधान ही आम जनता को एक सूत्र में बिना भेदभाव के रखने की नसीहत देता है। दारू अलम विंग के साथ सेंटर आफ एक्सप्रेशन एंड इंस्पिरेशन हॉल का मुख्य अतिथि परवीन सिद्दीकी, काशिफ सिद्दीकी, आसिफ सिद्दीकी, सैफ अली सिद्दीकी एवं अकीब अली सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। नए सभागार की एक दूसरे को बधाई देते हुए विभिन्न कार्यक्रम संपन्न करने का उचित मंच बताया। इस दौरान वहां आफरीन खान, हिना कौसर, ज्योति, फैजान, शाफी, शबाना, नगमा, कली इकबाल, भावना, फर्जना, अरीबा, रुखसार, महशर, शबनम, आलिया, सोफिया, नरगिस, महक गुल. बहार, कृतिका आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने संविधान के दायरे में रहकर अपने अधिकार व कर्तव्य के अनुपालन का संकल्प लिया।

राजकीय जनजाति आईटीआई ने प्रदेश स्तरीय जनजाति खेल महोत्सव में लहराया परचम

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में प्रतिवर्ष निदेशालय जनजाति कल्याण उत्तराखंड के तत्वाधान में राज्य जनजातीय शोध संस्थान देहराद. ून द्वारा विभागीय 16 आश्रम पद्धति विद्यालयों, तीन आईटीआई तथा चार जनजाति छात्रावासों के जनजातीय छात्रों के लिए प्रदेश स्तरीय जनजाति खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। 22 से 24 नवंबर तक तीन दिवसीय राज्य जनजातीय खेल महोत्सव का आयोजन महाराणा प्रताप स्पोर्टस स्टेडियम देहरादून में किया गया। जिसमें जनजाति छात्रावास एवं आईटीआई से लगभग 650 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें राजकीय जनजाति आईटीआई खटीमा की टीम द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में बालिका वर्ग में गोला फेक रोशनी राना फिटर प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान, भाला फेंक रोशनी राना फिटर प्रथम वर्ष प्रथम स्थान , लंबी कूद राखी राना स्टैनो प्रथम स्थान, लंबी कूद प्रियाशी राना द्वितीय स्थान, खो-खो द्वितीय स्थान, 400 मीटर रिलें दौड तृतीय स्थान, बालक वर्ग मे 100 मीटर दौड में नितेश राना द्वितीय एवं 200 मीटर में नितेश राना तृतीय स्थान, ऊची कूद में साहिल राना इलैक्टीशियन प्रथम स्थान, लंबी कूद में नवीश डीजल तृतीय स्थान, भाला फैक में नितेश राना द्वितीय स्थान, बॉलीबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शांति, सौहार्द, अनुशासन सरकार की प्राथमिकता

देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान, परंपराएं व डेमोग्राफी को क्षतिग्रस्त नहीं होने दिया जाएगा: धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार शाम करीब 5.30 बजे अचानक नैनीताल पहुंचे। हेलिपैड से आगमन के बाद वह कैलाखान मार्ग होते हुए नैनीताल क्लब स्थित मानस कुंज पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदेश में जारी विकास कार्यों और आगामी योजनाओं पर संक्षिप्त चर्चा की। इसके बाद मुख्यमंत्री एटीआई के लिए रवाना हुए। सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, परंपराएं और डेमोग्राफी को किसी भी कीमत पर क्षतिग्रस्त नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में जनसांख्यिकी परिवर्तन और सांस्कृतिक मूल्यों से छेड़छाड़ के कई मामले सामने आए हैं। इस दिशा में सभी जिलाधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि पिछले दशक में अवैध रूप से राशन कार्ड समेत वोटर आईडी व आधार कार्ड और बिजली कनेक्शन प्राप्त करने के अनेक मामले पाए गए हैं। ऐसे लोग जो पात्रता की श्रेणी में नहीं आते उन्हें गलत तरीके से लाभार्थी वर्ग में शामिल किया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सभी प्रकरणों की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ड्रग्स फ्री उत्तराखंड पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार नशा मुक्ति अभियान को एक मिशन मोड में संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को नशे के खतरे से बचाना सरकार की प्राथमिकता है। नशे की लत से बाहर निकलना कठिन होता है इसलिए राज्यभर में जागरूकता, कड़े अभियान और सुरक्षा उपायों पर तेजी से काम किया जा रहा है। उपनल कर्मचारियों को लेकर सीएम धामी ने कहा कि सरकार उनकी लंबित मांगों पर सकारात्मक रूप से कार्य कर रही है। समान वेतन के आधार पर सुविधाएं देने की दिशा में पहले से निर्णय लिया जा चुका है। जो कर्मचारी 12 वर्ष से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं उनके लिए व्यवहारिक समाधान तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और उपनल कर्मियों के बीच लगातार संवाद जारी है। कानून-व्यवस्था पर सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार लगातार लॉ एंड ऑर्डर की समीक्षा कर रही है और व्यवस्था मजबूत दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां कोर्ट संज्ञान लेता है सरकार उसके निर्देशों का पूर्ण सम्मान करती है। देवभूमि उत्तराखंड में शांति व सौहार्द और अनुशासन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके। इस दौरान कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी, एसडीएम नवाजिश खालिक, तहसीलदार अक्षय भट्ट समेत मनोज जोशी, नितिन कार्की, हरीश सिंह राणा, दया किशन पोखरिया, हेमा आर्य, गजाला कमाल, काजल आर्य तथा विश्वक.ेतु वैध आदि मौजूद रहे।

एकपक्षीय आदेश व वसूली वारंट रद्द

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पारिवारिक न्यायालय द्वारा सीआईएसएफ जवान के खिलाफ पारित भरण पोषण के एकपक्षीय आदेश और वसूली वारंट को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकल पीठ ने कहा कि न्याय के हित में दूसरे पक्ष को अपना बचाव पेश करने का उचित अवसर दिया जाना चाहिए। मामला 2023 में श्रीमती शिवानी द्वारा धारा 125 सीआरपीसी के तहत भरण पोषण के लिए दायर याचिका से जुड़ा था। याची के पति, पांचाल रंजन, जो तमिलनाडु में सीआईएसएफ में तैनात थे, 5 अक्टूबर 2023 को पारिवारिक न्यायालय में उपस्थित नहीं हो सके थे क्योंकि उनकी विभागीय छुट्टी मंजूर नहीं हुई थी। इस कारण निचली अदालत ने एकपक्षीय रूप से 10 नवंबर 2023 को फैसला सुनाया और याची को 15 हजार रुपये मासिक भरण पोषण और 75 हजार रुपये की वसूली का आदेश दिया। याची के वकील ने तर्क दिया कि याची जानबूझकर अदालत से अनुपस्थित नहीं थे, बल्कि उनकी नौकरी की परिस्थितियों के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके थे। साथ ही, बिना सुनवाई का उचित अवसर दिए आदेश पारित करना अनुचित था। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पारिवारिक न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया और मामले को पुन: पारिवारिक न्यायालय विकासनगर को भेजते हुए नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि याची की भौतिक उपस्थिति संभव नहीं है, तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में भाग लेने की अनुमति दी जाए।

एक नजर

आरएसएस कार्यकर्ताओं ने किया जनसंपर्क

नैनीताल। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से भवाली में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान मनीष विद्यार्थी प्रमुख, पंकज अदिति पूर्व मंडल अध्यक्ष, सौरभ सह शारिरीक प्रमुख व अभिषेक मेहता, प्रमोद बिष्ट, जिला समरसता प्रमुख तथा केडी पोखरिया, गौरव कुमार मौजूद रहे।

बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड को दी मोहलत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने गौलापार, हल्द्वानी में बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड द्वारा खरीदी गई 2,000 स्क्वायर फीट भूमि को बेचने के प्रस्ताव पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने चार सप्ताह में जवाब पेश करने का आदेश दिया है। मामला तब शुरू हुआ जब बार काउंसिल ने यह भूमि उच्च न्यायालय के गौलापार शिफ्ट होने की योजना के तहत खरीदी थी, जिसका शिलान्यास मुख्यमंत्री ने किया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस शिफ्टिंग आदेश पर रोक लगा दी और अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। 26 अगस्त 2024 को बार काउंसिल ने भूमि बेचने का प्रस्ताव पास किया, लेकिन याचिकाकर्ताओं ने इसे चुनौती दी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने इस प्रस्ताव पर रोक लगाते हुए बार काउंसिल को अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

आगंनबाड़ी कार्यकर्ता रीना कश्यप को राहत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के चयन से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता को राहत दी है। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की पीठ ने 2 अगस्त 2019 का चयन रद्द करने वाला आदेश और उसके सभी परिणामी आदेशों को रद्द करते हुए याची रीना कश्यप की नियुक्ति का आदेश दिया। रीना कश्यप, जो पहले आंगनबाड़ी सहायक के रूप में कार्यरत थीं, ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर चयन प्रक्रिया में भाग लिया और चयनित भी हुईं। हालांकि, उनका चयन इस आधार पर रोक दिया गया कि वे मातावाला बाग क्षेत्र की निवासी नहीं हैं। याचिकाकर्ता ने आरटीआई के माध्यम से जानकारी प्राप्त की कि मातावाला बाग मोहल्ला पुरानी तहसील के अंतर्गत आता है और नगर निगम की वार्ड सूची में इसे वार्ड 19 के रूप में दर्शाया गया है। कोर्ट ने इस जानकारी के आधार पर याचिकाकर्ता की नियुक्ति का आदेश दिया।

बार एसोसिएशन में मनाया संविधान दिवस

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में बुधवार को संविधान दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें एशोसिएशन के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया गया। सभा को संबोधित करते हुए अपने अपने विचार रखे तथा कहा कि संविधान ही हमारे अधिकारों का रक्षक है। गलत व सही का ज्ञान देता आया है। भारत का संविधान एक ग्रन्थ के समान है। इसकी रक्षा करना भी आवश्यक है। सभा का संचालन सौरभ पांडे ने किया। इसके बाद बार के वर्तमान अध्यक्ष डीएस मेहता, पूर्व अध्यक्ष प्रभाकर जोशी, विनोद तिवारी, एमएस पाल, वीएस नेगी, डीके जोशी, प्रभा नैथानी, शिवांगी गंगवार सहित अन्य ने अपने विचार रखे। इस मौके पर कई अधिवकता मौजूद रहे।

नई कार्यकारिणी के चुनाव को बैठक आज

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के चुनाव हेतु वीरवार आज अधिवक्ताओं की आम बैठक बुलाई गई है। बैठक में बार एसोसिएशन के चुनाव हेतु चुनाव अधिकारी का मनोनयन होगा साथ ही वर्तमान कार्यकारिणी द्वारा आय व्यय प्रस्तुत किया जाएगा। महासचिव वीरेंद्र रावत ने अधिवक्ताओं से इस बैठक में प्रतिभाग करने को कहा है।

पालिका ने नैनीझील में सफाई अभियान चलाया

नैनीताल। नगरपालिका नैनीताल की टीम की ओर से शहर के साथ ही नैनी झील को साफ रखने के लिए लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है ताकि झील साफ स्वच्छ और सुंदर बनी रहे। इसके लिए पालि. का की एक टीम प्रतिदिन झील की सफाई के लिए लगी हुई है। टीम प्रभारी अनिल कटियार ने बताया कि टीम की ओर से रोज सुबह झील की सफाई कर कूड़ा कचरा और प्लाटिक साफ किया जाता है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया है कि झील में कूड़ा कचरा न फेंके और इसे साफ स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दें। बताया कि टीम में उनके साथ मनीष, विनोद, मोहित, अमित, प्रमोद आदि जुटे हुए हैं।

शहीदों को फाउंडेशन ने दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एकता जनसेवा फाउंडेशन एंटी करप्शन सेल और राष्ट्रीय मानवा. धिकार के पदाधिकारियों ने बुधवार को मटर गली स्थित डीके पार्क में 26 नवंबर 2008 को हुए मुंबई आतंकी हमलों के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि इस हमले में 166 मासूम नागरिकों और जवानों ने अपनी जान गंवाई थी, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कहा, यह काला दिन हमारे लिए एक दर्दनाक याद बनकर हमेशा रहेगा। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शिवम सिंह ठाकुर, प्रदेश सचिव लक्ष्मी नारायण, नगर अध्यक्ष शशि गुप्ता, नबी अहमद, जमील कुरैशी, प्रकाश आर्य, अमित आर्य, रोहित दिवाकर, संदीप कुमार, लक्ष्मी देवी, दीपा खत्री मौजूद रहे।

शिक्षक राजू थापा की बर्खास्तगी का आदेश रद्द

दोषसिद्धि से पहले आदेश कानूनी नहीं: हाई कोर्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने दुराचार के आरोप में बर्खास्त किये गए बागेश्वर के शिक्षक राजू थापा की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि राजू थापा की बर्खास्तगी का एकमात्र आधार उनकी आपराधिक दोषसिद्धि थी और उच्च न्यायालय द्वारा उनकी दोषसिद्धि को पहले ही रद्द कर दिया गया था इसलिए सेवा समाप्ति का आदेश कानूनी रूप से मान्य नहीं हो सकता। किन्तु अपील के लंबित रहने के दौरान शिक्षक के सेवानिवृत हो जाने के कारण उन्हें वास्तविक रूप से सेवा में बहाल नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि उनकी सेवा समाप्ति की तिथि 16 दिसंबर 2010 से लेकर सेवानिवृति की तारीख तक उन्हें सैद्धांतिक रूप से सेवा में जारी माना जाएगा। इसका अर्थ है कि इस अवधि को उनके पेंशन और अन्य सेवानिवृति लाभों की गणना के उद्देश्य से गिना जाएगा। हालांकि उन्हें इस अवधि का बकाया वेतन नहीं मिलेगा क्योंकि उन्होंने इस दौरान वास्तविक सेवा प्रदान नहीं की थी। राजू थापा जो बागेश्वर जिले के अपर प्राइमरी स्कूल गैराड़ डुग में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे को 2 नवंबर 2004 को नियुक्त किया गया था। उन पर आईटी एक्ट और आईपीसी की धारा 376 के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज हुआ था जिसके चलते उन्हें 22 सितंबर 2011 को ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी ठहराया गया और 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। इसी दोषसिद्धि के परिणामस्वरूप 10 फरवरी 2012 को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई थीं। शिक्षक ने इस दोषसिद्धि के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की थी जिसे 25 जुलाई 2013 को कोर्ट ने स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया और उन्हें बरी कर दिया हालांकि राज्य सरकार ने इस बरी के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष अनुमति याचिका दायर की थी जो अभी भी लंबित है। हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने राजू थापा की बहाली की याचिका को इसी आधार पर खारिज कर दिया था कि सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी लंबित है। लेकिन न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के 28 जून 2018 के फैसले को रद्द कर दिया। खंडपीठ ने कहा कि जब दोषसिद्धि रद्द हो गई तो बर्खास्तगी का आधार समाप्त हो गया और सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी का लंबित होना अपने आप में बर्खास्तगी को सही नहीं ठहराता जब तक कि बरी के फैसले को पलटा न जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सेवा समाप्ति एक बड़ी सजा है जिसे उत्तराखंड स्कूल शिक्षा अधिनियम 2006 और विनियम 2019 के तहत केवल विधिवत अनुशासनात्मक जांच के बाद ही लगाया जा सकता है, चूंकि कोई विभागीय जांच नहीं हुई थी इसलिए दोषमुक्ति के बाद उनकी बहाली का अधिकार स्वत: ही पुनर्जीवित हो गया।

एसएसपी सप्ताह में दो बार लगाएंगे जनता दरबार

नैनीताल। जनता की समस्याओं को सुनने और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के लिए नैनीताल पुलिस ने नई पहल शुरू की है। अब शिकायत दर्ज कराने या किसी पुलिस संबंधी समस्या को लेकर लोगों को उच्चाधिकारियों के पास हल्द्वानी तक दौड़ नहीं लगानी होगी। नैनीताल में ही सप्ताह में दो दिन एसएसपी द्वारा जनता दरबार लगाकर लोगों की शिकायतें सुनी जाएंगी। जिले के पुलिस कप्तान डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि अब तय किया गया है कि हर मंगलवार और शुक्रवार को नैनीताल में एसएसपी जनता दरबार लगाया जाएगा। इस दौरान लोग सीधे जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के सामने अपनी समस्याएं रख सकेंगे। अभी तक दिन तय न होने के चलते फरियादियों को अधिकारियों के पास हल्द्वानी या अन्य स्थानों तक अधिकारियों की उपलबधता के आधार पर एसएसपी कार्यालय जाना पड़ता था जिससे पहाड़ी क्षेत्रों के ग्रामीणों और शहरवासियों को काफी असुविधाएं होती थीं। बताया कि पिछले कुछ समय में शिकायतों की संखया बढने के साथ ही स्थानीय लोग लगातार इस बात की मांग कर रहे थे कि उच्च पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी नैनीताल में भी नियमित रहे। इसी के मद्देनजर एसएसपी ने यह नया कार्यक्रम तय किया है। जनता दरबार में जमीन संबंधी विवादों समेत साइबर अपराध, मारपीट तथा पारिवारिक विवाद व ट्रैफिक समस्याओं के साथ ही लापता व्यक्तियों और पुलिस की ओर से मिलने वाली सेवाओं में देरी जैसे मुद्दों को प्राथमिकता से सुना जाएगा। कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाना और लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना है। जनता दरबार व्यवस्था को अधिक जनहितकारी बनाने और पुलिस जनता के बीच विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दूसरी ओर मामले में जिला न्यायालय के अधिवक्ता शिवांशु का कहना है कि अब पहाड़ से हल्द्वानी तक घंटों का सफर तय करने की जरूरत नहीं होगी। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए यह कदम बड़ी राहत साबित होगा।

सीआरएसटी कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सर्वोदय सेवा समिति नैनीताल ने संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार (सीपीएफजीएस) के सहयोग से पारंपरिक, पौराणिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम कुमाऊं रंग महोत्सव का आयोजन बुधवार को नगर के प्रतिष्ठित सीआरएसटी इंटर कालेज के सभागार में किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि कालेज के प्रधानाचार्य मनोज पाण्डे ने दीप प्रज्वलित कर किया। जबकि समिति के अध्यक्ष आनन्द सिंह मेहरा ने मुख्य अतिथि का स्वागत बैज लगाकर किया साथ ही उन्हें प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

मेहरा ने दर्शकों व स्कूल के समस्त स्टाफ व विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। बताया कि समिति द्वारा 20 दिवसीय झोड़ा, चांचरी, छपेली एवं उत्तराखंड की पारंपरिक लोक कलाओं व लोक नृत्यों के प्रशिक्षण के उपरान्त बुधवार को कालेज के सभागार में पारंपरिक सांस्कृतिक संगीत व नृत्य कार्यक्रमों से परिपूर्ण कुमाऊं रंग महोत्सव का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री पांडे ने कहा कि बदलते परिवेश में युवाओं को इस तरह के कार्यक्रमों से जोड़ना एक सराहनीय कदम है। उन्होंने समिति के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन उमेश कांडपाल ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत नंदा-सुनंदा की वंदना ओ नंदा सुनंदा तू देंडी है जाए... से की गयी, उसके बाद हरैला पूजन गीत व नृत्य, उसके बाद भुवन कुमार ने कुमाऊंनी गीत, झोड़ा व छपेली नृत्य, अजय कुमार ने गढ़वाली गीत, फूलदेई- छमा देई गीत पर कलाकारों ने नृत्य पेश किया। कलाकारों ने कुमाऊंनी युगल नृत्य के साथ ही भुवन कुमार व अजय कुमार ने कुमाऊंनी गीत के साथ ही भिटौली पर्व पर गीत के साथ ही हीरा समदणी पर कलाकारों ने शानदार नृत्य पेश किया। कार्यक्रम का निर्देशन किशन लाल, सह निर्देशन भगवती टमटा, नृत्य निर्देशन रिया टम्टा, संगीत निर्देशन भुवन कुमार का रहा जबकि गायन कलाकार भुवन कुमार, हर्षिता, ललित मोहन, नृत्य कलाकार दीपा, बबीता, तनु, रजनी, तारा, प्रीति, रिया, तान्या, शीतल, लवी अधिकारी, आशिष, हैरी, धीरज, जीवन, महिपाल, संदीप, हरीश, हिमांशु, धीरज व लक्ष्मण रहे जबकि हारमो. निय में अजय कुमार, ढोलक में गौवर कुमार, हुड़का में भुवन कुमार, बांसुरी पर कैलाश कुमार ने संगत दी। अतं में समिति के अध्यक्ष आनंद सिंह मेहरा ने सभी का आभार जताया।

मोटरमार्ग की स्वीकृति पर हर्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के पंगूट-देचौरी मोटर मार्ग निर्माण को वित्तीय स्वीकृति एवं द्वितीय किस्त जारी होने के बाद स्थानीय विधायक सरिता आर्या ने मुखयमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। दूसरी ओर ग्रामीणों ने भी खुशी का इजहार करते हुए मिष्ठान वित. रित किया व सूबे के सीएम पुष्कर सिंह धामी व सांसद अजय भट्ट व विधायक सरिता आर्या का विशेष आभार जताया। विधायक सरिता आर्या ने बताया कि यह मोटर मार्ग का अवशेष कार्य वर्षों से लंबित था। सड़क निर्माण के बाद दर्जनों गांव के ग्रामीणों को भी इसका लाभ मिलेगा। बता दें यह सड़क कोटाबाग से पंगुट, नैनीताल एवं बेतालघाट के लिए पर्यटन के नए अवसर बनाने के साथ ही नैनीताल की जाम की समस्या को कम करेगा। विधायक सरिता आर्या ने लगातार सीएम पुष्कर सिंह धामी से इस सड़क निर्माण को प्राथमिकता से करवाने का आग्रह किया था। प्रथम किस्त तीन करोड़ छबीस लाख जारी होने के बाद मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया था। अब चार करोड़ तिरेसठ लाख की दूसरी किस्त जारी होने के बाद बाकी सड़क निर्माण का काम पूरा किया जाएगा।

भाजपा मंडल महामंत्री हरीश राणा ने बताया कि नेचर वॉक व बर्ड वाचिंग के लिए प्रसिद्ध बगड़ पांगोट एवं कार्बेट से लगे कोटाबाग क्षेत्र में इस सड़क निर्माण के बाद स्थानीय लोगो लोगो को पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार मिलेगा। दूसरी ओर भाजपा नैनीताल के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष लाल सिंह बिष्ट समेत गीता देवी, पुष्पा देवी, नीरज गंगोला, भाष्कर गंगोला, टीकम गंगोला, ललित गर्जोला, मदन त्रिपाठी, गणेश चंद्र, हरीश चंद्र बुदलाकोटी, गिरीश चंद्र व राजेंद्र सिंह ने भी मिष्ठान वितरण कर खुशी जताई।

एनसीसी राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम: धनखड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय नैनीताल का बुधवार को वाइस एडमिरल राजेश धनखड़ (एवीएसएम, एनएम) ने भ्रमण किया। उनके आगमन पर 5-उत्तराखंड नेवल यूनिट एनसीसी के कैडेट्स द्वारा सुसज्जित परेड के माध्यम से भव्य गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर ग्रुप कमांडर कमोडोर बलराजेश सिंह ने वाइस एडमिरल धनखड़ को ग्रुप मुख्यालय द्वारा संचालित विविध प्रशिक्षण गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इन गति. विधियों में ड्रोन संचालन एवं परीक्षण, रोइंग सिमयुलेटर, फायरिंग, सिमियुलेटर, रॉक क लाइबिंग, शिप मॉडलिंग व स्लिथरिंग व ट्रेकिंग तथा जलक्रीड़ा प्रशिक्षण मुख्य रूप से शामिल हैं। ये सभी आधुनिक तकनीकी संसाधनों से युक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संचालित किए जा रहे हैं। वाइस एडमिरल धनखड़ ने भ्रमण के दौरान एनसीसी कैडेट्स से संवाद किया तथा उनके अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना की सराहना की। कैडेट्स द्वारा ड्रोन संचालन एवं फायरिंग सिमियुलेटर का अत्यंत प्रभावशाली प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया जिसने वाइस एडमिरल राजेश धनखड़ को काफी प्रभावित किया। उन्होंने एनसीसी ग्रुप मुख्यालय नैनीताल में संचालित व उत्कृष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं आधुनिक सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह केंद्र देश के चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ एनसीसी ग्रुप मुख्यालयों में से एक है। उन्होंने ग्रुप कमांडर कमोडोर बलराजेश सिंह तथा उनके अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण और प्रयासों की सराहना की। कैडेट्स को संबो. धित करते हुए वाइस एडमिरल धनखड़ ने कहा कि एनसीसी केवल एक प्रशिक्षण संस्था नहीं बल्कि यह राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। एनसीसी युवाओं में चरित्र निर्माण व नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना का विकास करती है। आप सभी में अपार संभावनाएं हैं। आत्मविश्वास और निष्ठा के साथ आगे बढ़ें व देश आप पर गर्व करेगा।इस अवसर पर मुख्य रूप से कर्नल कुणाल सर्वे प्रशिक्षण अधिकारी एनसीसी ग्रुप मुख्यालय नैनीताल, नवीन सिंह ढैला मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, कैप्टन मृदुल शाह (भारतीय नौसेना) कमान अधिकारी, उत्तराखंड नेवल यूनिट एनसीसी कर्नल बीएस खड़का कमान अधिकारी 79 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, बीके घिल्डियाल प्रशासनिक अधिकारी, जया कलाकोटी, विवेक सिंह, मयंक डिमरी, परवेज अहमद, राजेंद्र रावत, राजू तथा राकेश जोशी सहित ग्रुप मुख्यालय के अन्य अधिकारीगण, एनसीओ एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

विंटर कार्निवाल से शुरू होगी साल की विदाई की बेला

अफजल फौजी

नैनीताल। सरोवर नगरी में वर्ष 2025 की विदाई की बेला बेहद खास रहने वाली हैं। तीन दिवसीय विंटर कार्निवाल, क्रिसमस और थर्टी फर्स्ट का जश्न गीत संगीत के साथ सरोवर नगरी दुल्हन की तरह रंगबिरंगी विद्युत लड़ियों क श्रृंगार से सजी रहेगी। होटल एसोसिएशन नव वर्ष के स्वागत को लेकर जिला प्रशासन के सहयोग से विशेष तैयारियों में जुट गया है। इस वर्ष साल की विदाई का रंग 23 दिसंबर से विंटर कार्निवाल के साथ जमना शुरू हो जाएगा। कार्निवाल छ: वर्ष बाद शुरू किए जाने की तैयारियां चल रही हैं। हालाकि इस तिथि की घोषणा होना बाकी है। मगर नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन इसी तिथि से विंटर कार्निवाल के आयोजन का मन बना चुका है और प्रशासन व पर्यटन विभाग से वार्ता कर चुका है। लिहा. जा बॉलीवुड के कई गायकों और महानगरों के जाने माने अनेक बैंड समूहों से वार्ता कर रहा है। कार्निवाल शोभा यात्राओं का पारंपरिक आकर्षण तो रहेगा ही, स्थानीय कलाकारों को भी कार्निवाल में शामिल किए जाने की योजना बनाई जा रही है। इस बीच उच्च स्तरीय होटलों की ओर से क्रिसमस की पूर्व संध्या पर सेंटा क्लॉज की शोभा यात्रा नगर का आकर्षण बनेगी तो क्रिसमस के दिन होटलों में गीत संगीत के साथ क्रिसमस मनाया जाएगा। इसके साथ ही होटल एसोसिएशन नगर को विद्युत लड़ियों से सजाने जा रहा है। झील के चारों ओर विद्युत लड़ियों से सजी सरोवर नगरी का सौंदर्य निखारने के लिए तैयारियां होटल एसोसिएशन की ओर से की जा रही हैं। इसके बाद ही 29 से एक जनवरी के बीच नगर के उच्च स्तरीय होटलों ने आकर्षक पैकेज बना डाले हैं। जिनमें गीत संगीत के साथ खाना खजाना और मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहने वाली है।

नैनीताल में वर्ष का अंतिम सप्ताह रहने वाला है बहुत खास

थर्टी फर्स्ट के आकर्षक पैकेज 'नैनी' के

नैनीताल। नैनी रिट्रीट के जीएम डीएस जीना के अनुसार थर्टी फर्स्ट की एडवांस बुकिंग अभी से शुरू हो चुकी है। कई रूम बुक हो चुके हैं। उनके होटल में 29 से 31 दिसंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। लाइव म्यूजिक खास रहेगा तो कुमाऊंनी संस्कृति व भोजन भोजन को पैकेज में शामिल किया गया है।

कार्निवाल से बढ़ेगा सरोवर नगरी नैनीताल का आकर्षण: दिग्विजय बिष्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट का कहना है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नववर्ष का अवसर बेहतरीन होता है। जिसके लिए विंटर कार्निवाल जैसे आयोजनों का होना बेहद जरूरी है। जिसके दृष्टिगत योजनाएं बनाई जा रही हैं। विगत वर्षों में कार्निवाल की कमी खली है। इस कमी को इस बार पूरा किया जाएगा। साथ पूर्व की भांति मालरोड समेत झील के चारों ओर समेत बाजारों व अन्य स्थानों को विद्युत मालाओं से सजाया जाएगा और स्पीकरों के जरिए संगीत का आयोजन किए जाने की योजना बनाई जा रही हैं।

नम: होटल में सजेगी सुरों की महफिल

नैनीताल। नम: नैनीताल में नव वर्ष के आगमन से एक माह पहले ही संगीत की धूम रहेगी। जीएम मेधा भट्टाचर्जी ने बताया कि अगले वीकेंड के शनिवार की रात से होटल में डीजे की धूम रहने वाली है। इस दौरान सभी के लिए होटल में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा, बल्कि सैलानियों को मालरोड समेत अन्य क्षेत्रों से पिकअप की नि:शुल्क सेवा प्रदान की जाएगी। डीजे के साथ संगीत कार्यक्रम नववर्ष तक प्रत्येक शनिवार को जारी रहेगा।

सड़क के लिए भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। राज्य गठन के 25 साल बाद भी कई दूरस्थ गांवों में विकास की रौशनी नहीं पहुंच पाई है। जिले के ओखलकांडा विकासखंड के ग्राम पंचायत गलनी में भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। खासकर, सड़क कनेक्टिविटी की समस्या सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। वर्ष 2023 में राज्य योजना के तहत ग्राम पंचायत गलनी से जामनी तक ढाई किलोमीटर सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया था। लोक निर्माण विभाग ने आगणन तैयार किया और मुख्य अभियंता हल्द्वानी ने प्रस्ताव को सचिव लोक निर्माण विभाग को भेजा, लेकिन अब तक किसी प्रकार की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। ग्रामीणों ने कई बार विभागीय अधिकारियों, विधायक, सांसद और वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज से इस मुद्दे को उठाया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और प्रधानमंत्री पोर्टल के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन हर बार मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब परेशान ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़कों की कमी के कारण गर्भवती महिलाओं और बीमारों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव भी क्षेत्रवासियों के लिए बड़ा संकट बना हुआ है, और किसानों को अपनी उपज बाजारों तक पहुँचाने में काफी दिक्कत हो रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि शासन स्तर पर तुरंत कार्रवाई की जाए ताकि इस विकास कार्य को मंजूरी मिल सके और उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

द. अफ्रीका का क्लीन स्वीप, भारत में 25 साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन भारतीय टीम को दूसरी पारी में 63.5 ओवर में 140 रन पर ढेर कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की

गुवाहाटी, वार्ता। साइमन हार्मर (छह विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन बुधवार को भारतीय टीम को दूसरी पारी में 63-5 आवर में 140 रन पर ढ़ेर कर ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दो मैचों की सीरीज भी 2-0 से अपने नाम कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने 25 सालों के बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती है।

रनों के लिहजा से भारत की यह सबसे बड़ी हार है। मार्को यानसन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच तथा सीरीज में कुल 17 विकेट लेने वाले साइमन हार्मर को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। चायकाल के बाद भारत का छठा विकेट साई सुदर्शन के रूप में गिरा। उन्होंने 139 गेंदों में एक चौके की मदद से 14 रन बनाए। वॉशिगटन सुदंर 44 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुए। 62वां ओवर कर रहे केशव महाराज की पहली गेंद पर छक्का लगाकर रवींद्र जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अगले ही ओवर में हार्मर, नीतीश कुमार रेड्डी को बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटा दिया। इसी के साथ छठी सफलता हार्मर के नाम रहीं। 64वें ओवर की पहली गेंद पर केशव महाराज ने रवींद्र जडेजा को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। रवींद्र जडेजा ने 87 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 54 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर महाराज ने को आउटकर 140 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। पहले टेस्ट में टेम्बा बवुमा ने अर्द्धशतकीय पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई तो वहीं गुवाहाटी टेस्ट में पारी लड़खड़ाने के बाद मुथुसामी और यानसन ने दक्षिण अफ्रीका को एक बड़े स्कोर पर पहुंचा और दोनों ही मैचों में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजो विशेषकर यानसन और हार्मर ने भारतीय बल्लेबाजों की नाक में दम कर रख दिया और एक ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत हासिल कर ली। 13 महीने के अंदर घर पर भारत को दूसरी बार किसी टीम ने टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले अक्तूबर-नवम्बर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारत को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराया था।

हार्मर ने भारत में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे अधिक टेस्ट विकेट लिए हैं, उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया है । बिना कोई टेस्ट हारे कप्तान के तौर पर सबसे अधिक टेस्ट जीत - बावुमा 12 मैचों में 11 जीत के साथ सबसे आगे हैं, वह माइक ब्लेयरली के साथ थे जिन्होंने इससे पहले 15 में से 10 जीत हासिल की थीं। द- अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पहली पारी 201 रन पर सिमट गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को फॉलोऑन नहीं खिलाते हुए दूसरी पारी में पांच विकेट पर 260 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसी के साथ उसने पहली पारी के आधार पर मिली 288 रन की बढ़त मिली और उसने भारत के सामने 549 रन का लक्ष्य रखा था। दक्षिण अफ्रीका के लिए साइमन हार्मर ने 23 ओवर में 37 रन देकर छह विकेट लिए। केशव महाराज को दो विकेट मिले। सेनुरन मुतुसामी और मार्को यानसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले हार्मर की घातक गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत का चायकाल के समय तक 90 के स्कोर पर पांच विकेट कर दिया था। भारत ने आज सुबह कल के 27 रन पर दो विकेट से आगे खेलना शुरु किया। पहले सत्र की शुरुआत में 24वें ओवर में साइमन हार्मर ने कुलदीप यादव (पांच) को बोल्ड कर भारत को तीसरा झटका दिया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने ध्रुव जुरेल (दो) को एडन मारक्रम के हाथों कैच आउट भारत के मैच ड्रा कराने की उम्मीदों को करारा झटका दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान ऋषभ पंत ने साई सुदर्शन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया और इसी दौरान एक चौका और एक छ्क्का लगाते हुए तेज शुरुआत का संकेत भी दिया। 32वें ओवर की दूसरी गेंद पर हार्मर ने पंत को मारक्रम के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पांचवां झटका दिया। पंत ने 16 गेंदों मे 13 रन बनाए। कुछ देर पिच पर जमने के बाद रवींद्र जडेजा ने भी हाथ खोला और 43वां शुरु कर रहे केशव महाराज की पहली ही गेंद छक्का जड़ा दिया। भारत ने चायकाल तक पांच

विकेट पर 90 रन बनाए और साई सुदर्शन 138 गेंदों में (14) तथा रवींद्र जडेजा 40 गेंदों में (30) मैच बचाने के लिए संघर्ष करते दिखे। प्लेयर ऑफ द सीरीज साइमन हार्मर ने कहा कि जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट मैच के बाद कहा था कि मैं काफ़ी लंबी यात्रा कर यहां पहुंचा हूं। भारत जैसी टीम के खलिाफ़ प्रदर्शन कर अच्छा कर रहा है। टीम के लिए योगदान देकर खुश हूं। स्लिप में मारक्रम ने कुछ अच्छे कैच पकड़े और यानसन ने भी अच्छे कैच पकड़े, यह पूर्ण रूप से एक टीम एफ़र्ट था।

संक्षिप्त खेल समाचार

खिलाड़ी और टीम के तौर पर हम बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाए: ऋषभ पंत

गुवाहाटी, वार्ता। भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली 408 रनों मिली हार पर कहा कि एक खिलाड़ी और टीम के तौर पर हम बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू जमी पर टेस्ट सीरीज हारने के बाद भारतीय कप्तान पंत ने कहा कि यह निराशाजनक है लेकिन एक टीम के तौर पर हमें बेहतर रहना होगा। विपक्षी टीम को भी श्रेय जाता है जिस तरह से उन्होंने इतनी अच्छी क्रिकेट खेली। दक्षिण अफ्रीका की टीम निश्चित तौर पर हावी रही लेकिन घर पर खेलते हुए भी आप विपक्षी टीम को हल्के में नहीं ले सकते। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेली, आप क्रिकेट में किसी को भी हल्के में नहीं ले सकते मुकाबले में कुछ वैसे पल होते हैं जहां आपको एक खिलाड़ी और टीम के तौर पर मौकों को भुनाना होता है लेकिन हम इसमें बेहतर नहीं कर पाए।

गुजरात ने सर्विसेज को हराया

हैदराबाद, वार्ता। कप्तान उर्विल पटेल (नाबाद 119) रनों आतिशी बल्लेबाजी के दम पर गुजरात ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सर्विसेज को 45 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात के लिए आर्य देसाई और कप्तान उर्विल पटेल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 174 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम के जीत की मजबूत नींव रखी। 12वें ओवर की चौथी गेंद पर मोहित राठी ने आर्य देसाई को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। आर्य देसाई ने 35 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लागते हुए 60 रनों की पारी खेली। राठी ने इसी ओवर 5वींगेंद पर रिपल (शून्य) को आउटकर गुजरात को दूसरा झटका दिया।

मारक्रम एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच लेने वाले पहले द. अफ्रीकी खिलाड़ी बने

एडन मारक्रम

गुवाहाटी, वार्ता। एडन मारक्रम ने बुधवार को भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में क्षेत्ररक्षक के तौर पर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक नौ कैच लेने का कारनाम किया है, वह ऐसा करने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने अजिक्या रहाणे के विश्व रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज मारक्रम ने आज यहां बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी के दौरान पांच कैच पकड़े। इसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने चार कैच लेते हुए अपने कैच की संख्या 9 कर ली। मार्करम से पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच लेने का रिकॉर्ड बर्ट वोग्लर के नाम था। जनवरी 1910 में डरबन में इंग्लैंड के खिलाफ वोग्लर ने

● ऐडन मारक्रम ने बरसा पारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी में 5 कैच पकड़े

छह कैच लिए थे। उनके छह कैच की बराबरी ब्रूस मिशेल ने 1931 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, जैक्स कैलिस ने जनवरी 2012 में श्रीलंका के खिलाफ, ग्रीम स्मिथ ने नवम्बर-दिसम्बर 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूएसीए (पर्थ) में और डेविड बेडिंघम ने जनवरी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने देश के पांच दिग्गजों को पछाड़ दिया है। टेस्ट सीरीज में भारत का सुपड़ा साफ करने के बाद मारक्रम ने कहा कि यह बहुत अच्छा लग रहा है। सच कहूं तो सभी ने बहुत अच्छा प्रयास किया। भारत आकर जीतना कोई आसान काम नहीं था। मुझे लगता है कि रास्ते में कुछ अच्छे पलों के लिए अच्छी किस्मत की जरूरत थी। अब हम यहां हैं, टीम पर बहुत गर्व है। इसमें से बहुत कुछ कंडीशन के बारे में पहले से बनी सोच का नतीजा नहीं था। स्पिन और नई बॉल के साथ क्वालिटी सीमर के बारे में बहुत सारी बातें हुईं। आप अपनी पहली गेंद का सामना करने से पहले अपने मन में कोई डर नहीं रखना चाहते। मुझे यह नहीं पता था (रिकॉर्ड संख्या में कैच)। उन्होंने कहा कि अगर सही जगह गेंद डाले तो गेंदबाज को क्रेडिट जाता है और आप उन्हें पकड़ने और उन्हें खुश करने का प्रयास करते हैं। गेंद को अलग-अलग तरीकों से स्पिन करने से ऐसे कंडीशन में मदद मिलती है।

यह जीत एक टीम के तौर पर बड़ी उपलब्धि है: बवुमा

गुवाहाटी, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका टीम के कप्तान टेम्बा बवुमा ने बुधवार को भारत पर मिली 408 रनों की ऐतिहासिक जीत को बड़ी उपलब्धित करार दिया है। मैच के जीतने के बाद बवुमा ने कहा, यह एक बड़ी जीत है, खासतौर पर ऐसी स्थिति में जब मैं पिछले कुछ महीनों से खेल से बाहर थे। भारत में मिली यह जीत खास है। एक टीम के तौर पर हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमारे माइंडसेट में बड़ा बदलाव आया है और हमारी तैयारी भी अच्छी है। खिलाड़ियों को पता है कि उनकी भूमिका क्या है और हर कोई टीम के लिए योगदान देने के लिए तत्पर रहता है। एक टीम के तौर पर हम बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि एक कप्तान के तौर पर किसी गेंदबाज के हाथ से गेंद लेकर किसी और को देना कठिन होता है क्योंकि इस टीम में हर कोई अपना योगदान देना चाहता है। साइमन के पास 2015 में भारत में खेलने का अनुभव था और वह केशव का बढ़िया साथ दे रहे हैं।

हार की जिम्मेदारी सभी को लेनी चाहिए: गंभीर

● मैंने कभी किसी एक इंसान को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा

गुवाहाटी, वार्ता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से सीरीज हार के बाद आलोचनाओं के बीच कहा कि इस हार की जिम्मेदारी सभी को लेनी चाहिए। आज यहां दूसरे टेस्ट में भारत की 408 रन से हार के बाद उनके भविष्य को लेकर गंभीर ने कहा कि यह बीसीसीआई को तय करना है। मैंने पहले भी यह कहा है, भारतीय क्रिकेट जरूरी है, मैं जरूरी नहीं हूं। मैं वही आदमी हूं जिसने इंग्लैंड में नतीजे हासिल किए, चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीता। यह एक ऐसी टीम है जो सीख रही है।

हार को सबकी कमियों बताते हुए गंभीर ने कहा कि तीसरे दिन भारत का 95/1 से 122/7 पर आना और मजबूत एग्जिक्यूशन की जरूरत को दिखाता है। उन्होंने कहा कि गलती सबकी है, सबसे पहले मैं। 95/1 से 122/7 तक जाना मंजूर नहीं है। आप किसी एक इंसान या किसी खास शॉट को दोष नहीं दे सकते। गलती सबकी है। मैंने कभी किसी एक इंसान को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको सबसे तेज-तर्रार और टैलेंटेड क्रिकेटरों की आवश्यकता नहीं है। हमें कम स्किल वाले मजबूत लोगों की जरूरत है। वे अच्छे टेस्ट क्रिकेटर बनते हैं। उन्होंने पूरे देश में रेड-बॉल क्रिकेट को प्राथमिकता देने में बदलाव लाने की अपील करते हुए कहा कि अगर आप सच में टेस्ट क्रिकेट को लेकर सीरियस हैं, तो टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देना शुरू करें। सबके प्रयास की जरूरत है। आप केवल खिलाड़ियों या किसी खास इंसान को दोष नहीं दे सकते। वहीं भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच श्रीकांत ने गंभीर पर बहुत अधिक प्रयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि चयन में लगातार बदलाव से टीम की स्टेबिलिटी खत्म हो गई है। उन्होंने कहा कि गंभीर भले ही बदलावों को 'ट्रायल एंड एरर' कहें, लेकिन उनका अपना अनुभव बताता है कि कंसिस्टेंसी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता, खासकर उस टीम में जो अब अपने पिछले 18 टेस्ट में से नौ हार चुकी है, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ़ घरेलू मैच में क्लीन स्वीप भी शामिल है। श्रीकांत ने ऑलराउंडर्स की ओर बढ़ते झुकाव की आलोचना की। हर्षित राणा और नीतीश रेड्डी के पर्दापण और सरफराज खान, साई सुदर्शन और कुलदीप यादव के लिए कम मौकों का हवाला दिया। उन्होंने कोलकाता में वाशिगटन सुंदर के नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने और फिर नीचे भेजे जाने जैसे पोजिशनल बदलावों पर भी सवाल उठाए। श्रीकांत नीतीश रेड्डी के सिलेक्शन को लेकर खास तौर पर नाराज थे, उन्होंने एक ऑल-राउंडर के तौर पर उनकी काबिलियत पर सवाल उठाया और पूछा कि उन्हें हार्दिक पांड्या की जगह कैसे लिया जा सकता है।

भारोत्तोलन में गोलोम ने स्वर्ण व रिकी ने जीता रजत पदक

राजस्थान, वार्ता। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में अरुणाचल प्रदेश के 19 वर्षीय गोलोम टिकू ने पुरुषों के 60 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं महिलाओं की 48 किग्रा वर्ग में रिकी नायक का रजत पदक अपने नाम किया। वली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) का प्रतिनिधित्व करते हुए गोलोम टिकू ने मंगलवार को कुल 256 किग्रा (स्नैच 112 किग्रा(क्लीन एंड जर्क 144 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के खुम्भेस्वर मलिक (223 किग्रा) से 33 किग्रा अधिक वजन उठाया जबकि सीटी यूनिवर्सिटी के सचिन कुल 214 किग्रा वजन के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर

● महिलाओं की 48 किग्रा. वर्ग में रिकी नायक ने रजत पदक अपने नाम किया

सके। 19 वर्ष की उम्र में ही उन्हें भारी मुश्किलों से गुजरना पड़ा। 2016 में अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले के अपने गोडक गांव में एक हादसे में उनके पिता का निधन हो गया था। उसी दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग की बुनियादी ट्रेनिग शुरू ही की थी। पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर के गोलोम अपने बड़े भाई और बहन से प्रेरित थे। उन्होंने तीन साल तक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के नाहरलागुन कैंपस में प्रशिक्षण लिया और फिर सेकंद. राबाद के एओसी सेंटर में शिफ्ट हो गए। स्वर्ण जीतने के बाद गोलोम ने साई मीडिया से कहा कि मेरी बहन वहां कराटे करती थी और बड़ा भाई बैडमिटन खेलता था। मैं सिर्फ उन्हें देखने जाता था। एक दिन एक कोच ने मुझसे पूछा-क्या तुम वेटलिफ्टिग करना चाहोगे बस यहीं से मेरी यात्रा शुरू हुई। अब तक गोलोम एशियाई चैम्पियनशिप में तीन पदक (एक रजत, दो कांस्य) जीत चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिग चैम्पियनशिप 2023 में कुल 230 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक भी जीता। इस समय गोलोम पुणे के आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनका मानना है कि खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में भाग लेना आगामी सीनियर नेशनल्स से पहले उनके लक्ष्यों में शामिल एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

फीबा विश्व कप 2027 क्वालिफायर में भारतीय टीम का पहला मुकाबला सऊदी अरब से

सऊदी अरब, वार्ता। भारतीय बास्केटबॉल टीम गुरुवार से शुरू हो रहे फीबा विश्व कप 2027 क्वालिफायर के शुरुआत चरण में सऊदी अरब से दो बार भिड़ेगी। भारतीय टीम का पहला मैच रियाद में और फिर रविवार को चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में दूसरा मैच खेला जाएगा। क्वालिफिकेशन का यह चरण फीबा बास्केटबॉल विश्व. कप 2027 के लिए 32 में से 31 जगहों का फैसला करेगा। कतर को टूर्नामेंट में मेजबान देश के रूप में पहले ही प्रवेश मिल चुका है। अफ्रीका, एशिया और ओशिनिया, यूरोप और अमेरिका की कुल 80 टीमें क्वालिफाइंग चरण में मुकाबला कर रही हैं। भारत उन 16 टीमों में से एक है जो फीबा एशिया और ओशिनिया क्वालिफायर में हिस्सा ले रही हैं। भारतीय टीम को लेबनान, सऊदी अरब और कतर के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। वहीं ग्रुप ए में

● क्वालिफीकेशन का यह चरण फीबा बास्केट विश्व कप 2027 के लिए 32 में से 31 जगहों का फैसला करेगा

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, गुआम है। ग्रुप बी में जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, चाइनीज ताइपे तथा ग्रुप सी में ईरान, जॉर्डन, सीरिया, इराक। वर्ल्ड नंबर 30 लेबनान इंडिया के ग्रुप में सबसे ऊंची रैंक वाली टीम है। सऊदी अरब और कतर क्रमशः 64वें और 83वें रैंक पर हैं, जबकि इंडिया वर्ल्ड नंबर 76 पर है। सभी टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में अपने-अपने ग्रुप की दूसरी टीमों से दो बार भिड़ेंगी, जिसमें शीर्ष तीन टीमें दूसरे राउंड में पहुंचेंगी। दूसरा राउंड, जो क्वालिफिकेशन चरण के आखिरी तीन विडो के साथ खत्म होगा। उसमें 12 टीमें होंगी जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर दूसरे राउंड के ग्रुप में वे टीमें होंगी जो पहले राउंड के चार पूल से आगे बढ़ी हैं और पिछले सभी नतीजे आगे बढ़ाए जाएंगे। इसके बाद टीमें उन तीन दूसरी टीमों के खिलाफ होम-एंड-अवे मैच खेलेंगी जिनका उन्होंने अभी तक सामना नहीं किया है। हर दूसरे राउंड के ग्रुप की टॉप तीन टीमें और चौथे नंबर की सबसे अच्छी टीम मेजबान कतर के साथ फीबा विश्व कप 2027 के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करेंगी। भारत ने फीबा विश्वकप 2027 क्वालिफायर के शुरुआती चरण में सऊदी अरब के खिलाफ अपने पहले दो मैचों में मुकाबला करने के लिए 12 सदर्स्इय बास्केटबॉल टीम इस प्रकार है:- इंडियन बास्केटबॉल टीम: सहायज प्रताप सिंह सेखों, हर्ष डागर, मुईन बेक हफीज, कंवर गुरबाज सिंह संधू, अरविद कुमार मुथुकृष्णन, साहिल, पलप्रीत सिंह बराड़, प्रत्यांशु तोमर, प्रणव प्रिंस,

कोहली पहुंचे रांची एक झलक पाने को बेकरार दिखे फैंस

रांची, वार्ता। झारखंड की राजधानी रांची के जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम में 30 नवम्बर को होने वाले भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर खेल प्रेमियों का यहां उत्साह चरम पर हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के रांची आने का सिलसिला जारी हैं। इसी बीच टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आज सुबह रांची एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान को. हली के फैंस उनकी एक झलक पाने को बेकरार दिखे। बड़ी संख्या में एयरपोर्ट पर विराट को. हली को देखने के लिए भीड़ उमड़ी। सुरक्षा घेरा बेहद मजबूत था, इसलिए विराट को बिना रुके सीधे बाहर ले जाया गया और उन्हें होटल रेडिशन ब्लू पहुंचाया गया। इससे पहले मंगलवार देर शाम प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और तिलक वर्मा रांची पहुंच चुके थे। सभी

टीम खिताब के बचाव की तैयारी कर रही है: सूर्य

● मैं इस बार टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं, यह बहुत रोमांचक करने वाला है

मुंबई, वार्ता। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए राष्ट्रीय टीम की अगुवाई को लेकर उत्साहित हैं। खास कार्यक्रम के दौरान सूर्यकुमार ने कहा कि मेरा मतलब है, उस टी-20 विश्वकप में जाना एक बड़ी चुनौती है। मैं इस बार टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत रोमांचक होने वाला है। उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 विश्वकप 2024 में भारत की जीत को याद करते हुए कहा कि मुझे उस ट्रॉफी को देखकर बहुत मोटिवेशन मिलता है। जब हम वेस्ट इंडीज (2024 इवेंट के को-होस्ट) पहुंचे और हर बार जब हमारा राष्ट्र गान बजाया जाता था तो हमारी नजर इस सिल्वरवेयर पर होती थी। हर बार। क्रिकेटर ने आगे कहा कि हमने सोचा है कि जैसे ही हम फाइनल आए, हमें यह ट्रॉफी जीतनी है। और इसे फिर से करीब से देखने के बाद, इससे मुझे बहुत मोटिवेशन मिलता है। वह भी भारत में खेलते हुए मुझे लगता है कि यह बहुत रोमांचक होने वाला है। उन्होंने कहा कि लड़के बहुत उत्साहित हैं। हर कोई टी-20 विश्व कप में जाने वाली इस टीम का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक है। मैंने बहुत सारे अनुभव शेयर किए हैं। मैं 2023 में एक शानदार टीम का हिस्सा था, जब हमने भारत में एकदिवसीय विश्व कप खेला था। माहौल बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे कहा है कि यह बिल्कुल अलग गेम है। हां, फैंस वैसे ही होंगे (टर्नआउट में), जैसा आप फ्रेंचाइजी क्रिकेट में देखते हैं, लेकिन जब भारत आता है, जब आप देश के लिए खेलते हैं।

उत्तर प्रदेश ने गोवा को छह विकेट से हराया

कोलकाता, वार्ता। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए बल्लेबाजी करने आए प्रियम गर्ग ने आर्यन जुयान के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। छठें ओवर में दीपराज गांवकर ने प्रियम गर्ग 14 गेंदों में 28 रन को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। समीर रिजवी ने 26 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। उन्हें 15वें ओवर में दीपराज गांवकर ने आउट किया। रिकू सिंह चार रन बनाकर आउट हुए।

नगर पंचायत कलियर की बोर्ड बैठक में कस्बे के चहुंमुखी विकास के प्रस्ताव पास

बुनियादी व्यवस्थाओं के प्रस्तावों पर लगी मुहर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। नगर पंचायत कलियर की बोर्ड बैठक में बुध वार को नगर के सर्वांगीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष समीना खातून ने की। बैठक में सफाई व्यवस्था सुधारने, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत,जलनिकासी व्यवस्था मजबूत करने, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न निर्माण व नागरिक सुविधाओं से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए।

आयोजित बैठक में सभासद अमजद मलिक, नाजिम त्यागी, दिलबाग त्यागी, मेहरुबा, जाबिर, दानिश सिद्दीकी, राशिद अली, जीनत खातून, रेशमा परवीन सहित अन्य सदस्यों ने बिजली, पानी, सीवर आदि से जुड़े करीब 165 प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष रखे।

वार्ड तीन के सभासद नाजिम त्यागी ने गंगनहर के तीनों पुलों पर सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था हेतु तुरंत विद्युत कनेक्शन चालू कराने की मांग उठाई। उन्होंने लंबित पड़े स्ट्रीट लाइट व अन्य विद्युत कार्यों को शीघ्र चालू कराने पर भी जोर दिया।वार्ड 9 के सभासद मेहरुबा ने भी अपने वार्ड के विकास हेतु कई प्रस्ताव रखे। बोर्ड ने उनके जनहित से जुड़े प्रस्तावों को स्वीकार

करते हुए कार्यों को गति देने का आश्वासन दिया।नगर पंचायत अध्यक्ष समीना और अधिशासी अधिकारी कुलदीप चौहान ने बताया कि नगर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने, सफाई को बेहतर बनाने तथा महिलाओं और बच्चों के लिए इमाम साहब दरगाह से किलकिली

❖कस्बे की बेहतरी के लिए सबको साथ लेकर किया जा रहा है काम : समीना

साहब तक वॉकिंग रोड विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही नगर के नौ वार्डों में कई निर्माण कार्यों को भी स्वीकृति मिली है।बैठक में तय किया गया कि नगर की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जल संस्थान, जल निगम, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, समाज कल्याण आदि विभागों के साथ समय-समय पर समन्वय बैठकें आयोजित की जाएंगी। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि प्राप्त प्रस्तावों को संकलित करते हुए आवश्यक डीपीआर तैयार कर शासन को भेज दी जाएगी।विधायक हाजी फुरकान अहमद ने कहा कि बोर्ड बैठक में नगर विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई है। बैठक में सलीम प्रधान, सत्तार अहमद, अमीर आजम, जावेद साबरी, रहीस अहमद, डॉक्टर शहजाद, इस्तेकार प्रधान, अहसान कुरैशी, गौरव आदि मौजूद रहें।

कलियर पुलिस ने 4.90 ग्राम स्मेक के साथ एक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने 4.90 ग्राम अवैध स्मेक में एक आरोपी को गिरफ्तार किया।आरोपी रहीश निवासी कलियर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। पिरान कलियर थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि अधि कारियों के निर्देश पर नशे के खिलाफ अभियान चलाकर नहर पटरी से रहीस निवासी पिरान कलियर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से 4.90 ग्राम स्मेक बरामद हुई।पुलिस पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।टीम में अपर उप निरीक्षक सूरज नेगी, कांस्टेबल प्रकाश मनराल, सुनील कुमार, इमरान अली शामिल रहे।

315 बोर के तमंचे व कारतूस के साथ एक युवक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। गंगनहर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 01 व्यक्ति को अवैध तमंचा 315 बोर मय एक खोखा कारतूस के दबोचा है। कोतवाली गंगनहर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान महावीर इंटरनेशनल स्कूल को जाने वाले रास्ते रुड़की से एक व्यक्ति सचिन पुत्र विनोद कुमार निवासी बहेड़ीकी सैदाबाद थाना झबरेड़ा जनपद हरिद्वार को एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर मय खोखा कारतूस के साथ हिरासत में लिया गया। पूछताछ में व्यक्ति ने बताया कि दोस्त की बर्थडे पार्टी में जश्न मनाने के लिए गए थे

आपरेशन कालनेमी के तहत 12 बहरूपिये पकडे

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। गंगनहर कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन कालनेमी" के तहत 12 बहरूपियों को पकड कर हवालात में डाल दिया। कोतवाली मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि गंग नहर किनारे तथा रेलवे स्टेशन के आस पास के बाबाओं का भेष धर कर रहे थे, जादु टोना कोतवाली गंगनहर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही कर 12 बहरूपी बाबाओं को दबोचा। ये सभी आरोपी बाबाओं का भेष धारण कर तंत्र-मंत्र, जादू-टोना व धोखाधड़ी की कला दिखाकर श्रद्धालुओं को भ्रमित कर रहे थे, जिससे भीड़-भाड़ एवं संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। पुलिस ने मौके पर तत्परता दिखाते हुए इन्हें धारा 172(2) ठछै के तहत हिरासत में लिया।

चेकिंग के दौरान युवक से मिला एक तमंचा, दो कारतूस

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। गंगनहर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 01 व्यक्ति को अवैध तमंचा 315 बोर मय 02 खोखा कारतूस के दबोचा है।

कोतवाली गंगनहर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान स्वामी विवेकानंद कॉलेज को जाने वाले मार्ग से एक व्यक्ति नइम पुत्र समीम निवासी गली नंबर 18 पुहाना थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार को एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर मय दो खोखा कारतूस के साथ हिरासत में लिया गया। पूछताछ में व्यक्ति ने तमंचा रखने का कोई ठोस कारण नहीं बताया गया उक्त व्यक्ति को उसके अपराध से अवगत कराते हुए विधिक कार्यवाही करते हुए मुकदमा अपराध संख्या: 480/25 धारा: 25/3 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।

पुलिस ने मोडिफाइड साइलेंसर लगी मोटरसाइकिल की सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर पुलिस ने चेकिंग के दौरान मोडिफाइड साइलेंसर लगी एक बाइक को सीज किया है। जानकारी के अनुसार मंगलौर चौकी में तैनात उप निरीक्षक गजपाल सिंह मंगलवार को पुलिस टीम के साथ बस स्टैंड के पास चेकिंग कर रहे थे इस दौरान एक युवक बाइक की रेस खींचकर तेज आवाज करता हुआ आ रहा था जिसे आसपास के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था तो वही उप निरीक्षक गजपाल सिंह ने तुरंत बाइक को रुकवा लिया पूछताछ मे युवक ने अपना नाम सावेज पुत्र इस्तकार निवासी मोहल्ला मिर्धगान मंगलौर बताया उप निरीक्षक गजपाल सिंह ने बाइक की जांच की तो उसमें मोडिफाइड साइलेंसर लगा मिला इस पर उन्होंने बाइक को मौके पर ही सीज कर दिया । कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि मोडिफाइड साइलेंसर से ध्वनि प्रदूषण फैलाने और सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचानो वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

घर से भटके दो मासूम बच्चों को पुलिस ने परिवार से मिलाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। रुड़की स कोतवाली गंगनहर क्षेत्र में 25 नवंबर 2025 को घर से भटके दो छोटे बच्चे स्थानीय जनता द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से कोतवाली गंगनहर लाए गए। दोनों बच्चे अपना नाम तो बता पा रहे थे, किंतु अपने निवास स्थान की सटीक जानकारी देने में असमर्थ थे। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगनहर मनोहर सिंह भंडारी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चों के परिजनों की तलाश शुरू कराई। लगातार प्रयासों और सूचनाओं के सत्यापन के बाद बच्चों के माता-पिता तक संपर्क स्थापित किया गया और उन्हें थाने पर बुलाया गया। थाने पहुंचने पर दोनों बच्चों को परिजनों के सुपुर्द करते हुए पुलिस द्वारा आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी की गईं। पुलिस की त्वरित तत्परता और संवेदनशीलता से परिजनों ने राहत की सांस ली।

5 लीटर कच्ची शराब के साथ पुलिस ने एक तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा एक अवैध शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जे से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम के द्वारा चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सोनू पुत्र कल्लू निवासी डूंगरपुर थाना लक्सर उम्र 40 वर्ष बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल प्रदीप कनौजिया कांस्टेबल महेंद्र सिंह शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

संविधान दिवस पर लक्सर के शिक्षा शिशु सदन में सामूहिक गान

शाह टाइम संवाददाता

लक्सर। कस्बे के शिशु शिक्षा सदन जूनियर हाई स्कूल में संविध ान दिवस के उपलक्ष्य में, और वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर, एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथ्यिों ने बताया कि हम 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस उपलक्ष्य मेंविद्यालयकेछात्र-छात्राओं, शिक्षकों और उपस्थित अतिथियों द्वारा वंदे मातरम गीत का सामूहिक गान किया गया।आत्मनिर्भरता और स्वदेशी का संकल्पवरिष्ठ समाजसेवी सचिन अग्रवाल जी ने इस अवसर पर कहा कि हम जिस समय वंदे मातरम गीत का सामूहिक गान कर रहे हैं, उसी समय उत्तराखंड प्रदेश के स्थापना का रजत जयंती वर्ष भी चल रहा है। उन्होंने सभी से मिलकर देश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया और ष्घर-घर स्वदेशी, हर घर स्वदेशीष् के नारे को जीवन में अपनाकर स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य ललिता अग्रवाल, व्यवस्थापक राहुल अग्रवाल, मुख्य अतिथि राम सिंह वाल्मीकि, सचिन अग्रवाल, पवन कपूर, गौरव बिंदल, शिक्षिकाएं नीता चटर्जी, सुदेश शर्मा, रुचि सिंह, शबनम, मुक्ति, अंजलि, पारुल, पूजा, रूपाली, आंचल, किरण, आयशा अंसारी और शिक्षक नितिन कुमार, सद्दाम अंसारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गाड़ी में शराब मिलने से सीज करने पर भाकियू का कोतवाली में धरना

शाह टाइम संवाददाता

मंगलौर। एक किसान नेता की गाड़ी से शराब बरामद होने के बाद पुलिस ने गाड़ी को सीज करने के साथ अन्य कारवाई शुरू कर दी। लेकिन वहीं इस कारवाई से गुस्साए भाकियू ने कोतवाली में धरना शुरू कर दिया। किसान नेताओं का कहना कि जिस समय किसान के साथ यह कारवाई हुई तब वह एक शादी समारोह में परिवार के साथ जा रहे थे और शराब भी समारोह के लिए ही थी। बताया गया है कि मंगलवार की देर शाम मंगलौर कोतवाली पुलिस द्वारा बूढ़पुर तिराहे के पास चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था तभी वहां से भाकियू टिकैत के जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार जो कि परिवार के साथ एक शादी समारोह में जा रहे थे पुलिस ने उनकी कार को चेकिंग के लिए रोका तो उसमें से अंग्रेजी शराब की दो पेटियां बरामद हुईं। पुलिस ने शराब को गाड़ी के साथ कब्जे में ले लिया और गाड़ी को सीज कर दिया। इसके साथ ही सत्येंद्र कुमार निवासी मोहम्मदपुर जट्ट को भी हिरासत में ले लिया। मामले की सूचना किसान यूनियन के नेताओं को मिली तो जिलाध्यक्ष विजय शास्त्री ने नेतृत्व में वह कोतवाली पहुंच गए। उन्होंने सत्येंद्र कुमार को छोड़े जाने की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। जिलाध्यक्ष विजय शास्त्री का कहना है कि सत्येंद्र कुमार कोई अपराधी नहीं है वह परिवार के साथ शादी समारोह में जा रहे थे शराब भी समारोह के लिए ही थी। उन्होंने कहा कि यूनियन की मांग है उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।

लहबोली बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति में

निर्वाचित चेयरमैन व सदस्यों ने संभाला कार्यभार

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। नारसन ब्लॉक के लहबोली बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति के कार्यालय में बुधवार को हवन पूजा के साथ नवनिर्वाचित चेयरमैन विभा चौधरी ने सभी निर्वाचित सदस्यों और क्षेत्र के मोजीज लोगों के साथ मिलकर अपना पदभार संभाला। कार्यक्रम में पहुंचे मौजजीज लोगों और समिति स्टाफ ने नवनिर्वाचित चेयरमैन और निर्वाचित सभी सदस्यों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

आपको बताते चलें कि लहबोली समिति चुनाव में सुसाडी गांव निवासी विभा चौधरी निर्विरोध चेयरमैन निर्वाचित हुए थी। वही उपसभापति के पद पर शशि वर्मा निवासी शेरपुर को जिम्मेदारी मिली थी साढ़ौली निवासी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुशील त्यागी ने लहबोली समिति पर पहुंचकर नवनिर्वाचित अध्यक्ष विभा चौधरी प्रतिनिधि प्रधान विजयपाल और मांगेराम सिरोही और अन्य विजयी सदस्यों को फूल माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया और अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी क्षेत्र वासियों के लिए यह बहुत खुशी का मौका है। उन्होंने कहा कि जितने भी हमारे डेलीगेट हैं सभापति और उपसभापति को जनता ने चुना है इसके लिए सभी क्षेत्र की जनता का आभार और धन्यवाद देकर मैं उम्मीद करता हूं कि यह संस्था आने वाले समय में जो भी

दिक्कत रही हो उसको दूर करने की पूरी कोशिश की जाएगी। हमारे अध्यक्ष और डायरेक्टर मांगेराम सिरोही जो इस पूरी प्रक्रिया के सूत्रधार रहे हैं सबको साथ लेकर और कंधे से कंधे मिलाकर चलेंगे उन्होंने कहा कि इससे पहले किसानों के हितों में कार्य करने की भी बात कही।

डीएम ने किया सिविल अस्पताल का निरीक्षण

रूडकी। राज्यकीय जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो इसके लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में उप चिकित्सालय रुड़की में चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गईजिसमें स्वास्थ्य सुविध ाओं को ओर बेहतर करने के लिए वर्ष 2025 26 के लिए जिलाधिकारी द्वारा 3 करोड़ 58 लाख का बजट अनुमोदित किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए है कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो इसमें किसी भी प्रकार से कोई शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। जिलाधिकारी ने उप चिकित्सालय में सुरक्षा के दृष्टिगत सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए तथा चिकित्सालय के सुरक्षा प्रबंधन के भी विशेष निर्देश दिए गए।

मंगलौर में स्मार्ट मीटर को लेकर विद्युत विभाग ने जागरूकता शिविर लगाया

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर क्षेत्र में बिजली उपभोक्ताओं के बीच स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की भ्रांतियों को दूर करने के लिए बिजली विभाग की ओर से मंगलौर बिजली घर में जागरूकता शिविर लगाया गया, जिससे कि स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों में फैल रही भ्रांतियों को दूर किया जा सके । स्वयं एसडीओ अनुभव सैनी द्वारा स्मार्ट मीटर के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी दी गई, बिजली उपभोक्ताओं को बताया गया कि स्मार्ट मीटर से किसी भी उपभोक्ता का कोई नुकसान नहीं होगा । वहीं

उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीकी को बढ़ावा दे रहा है , नई नई तकनीक उपयोग में लाकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है,

प्रशासन ने सरकारी भूमि से अवैध मजार व अतिक्रमण हटवाया

पिरान कलियर। कलियर में स्वास्थ्य विभाग भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन की टीम ने बुधवार की सुबह बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है ।प्रशासनिक टीम ने भारी पुलिस बल के साथ स्वास्थ्य विभाग की भूमि पर बने अवैध मजार और अन्य अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया।इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भारी पुलिस बल मौजूद रहा। पिरान कलियर में इमलीखेड़ा रोड पर बुधवार की सुबह-सुबह ही पुलिस और प्रशासनिक अधि कारियों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची।पहले से चिन्हित अतिक्रमण की पुष्टि के बाद कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासनिक टीम ने जेसीबी से स्वास्थ्य विभाग की भूमि पर बने अवैध मजार को कुछ ही समय में हटा दिया गया। पूरी कार्रवाई सुरक्षा व्यवस्था के बीच की गई ताकि किसी भी तरह की अनहोनी न हो। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की यह भूमि सार्वजनिक उपयोग के लिए है, जिस पर किसी भी तरह का अवैध निर्माण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी चिन्हित अतिक्रमणों पर इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।इस दौरान तहसीलदार विकास अवस्थी,गंगनहर इंस्पेक्टर मनोहर भंडारी,थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार, एसएसआई बबलू चौहान, नायाब तहसीलदार प्रवीण त्यागी, यूसुफ अली,लेखपाल गुलाबसा समेत अन्य प्रशासन और पुलिस बल मौजूद रहा।

फरार वारंट दबोचा **झबरेड़ा।** पुलिस द्वारा मंगलवार देर शाम एक गैर जमानती वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। थानाध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि ग्राम बाजूहेड़ी थाना कलियर निवासी सुलेमान पुत्र इस्लाम झबरेड़ा थाने से संबंधित एक चोरी के मुकदमे में काफी समय से वांछित चल रहा था। न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी होने पर पुलिस द्वारा उक्त को मंगलवार देर शाम कलियर से गिरफ्तार कर थाने लाया गया।

खेल महोत्सव : लवि, तनु अर्पित व भव्य ने मारी बाजी

शाह टाइम्स संवाददाता

नारसन। राजा महेंद्र प्रताप प्रेम डिग्री कॉलेज के प्रांगण में एक दिवसीय विधानसभा मंगलौर सांसद खेल महोत्सव 2025 प्रतियोगिता संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल, कुर्सी रेस, चम्मच रेस, 100 मी एवं 400 मीटर रेस में प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान वंदे मातरम गीत उपस्थित प्रतिभागियों एवं सहयोगियों ने मिलकर गाया। प्रतियोगिता का उद्घाटन 100 मीटर रेस के साथ हुआ 100 मीटर रेस बालक वर्ग में लवीं4 ने प्रथम स्थान अर्पित ने दूसरा स्थान एवं विमर्श चौधरी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, बालिका वर्ग में 100 मीटर रेस में तनु ने प्रथम, भव्या ने द्वितीय एवं तीसरा स्थान महिमा ने प्राप्त किया। 400 मी बालिका वर्ग में तनु ने प्रथम, भव्या ने द्वितीय एवं रिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया 400 मीटर बालक वर्ग में लवी 4अनंत ने दूसरा स्थान केवल अरुण ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कबड्डी बालक वर्ग में लिवरहरी ने प्रथम दूसरा स्थान एवं तीसरा स्थान हरजोली जट ने प्राप्त किया बालिका वर्ग में लिवरहैरीप्रथम एवं नारसन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

इंटर स्कूल चैंपियनशिप संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। एंबीशन पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित इंटर स्कूल चौंपियनशिप में गुरु ज्ञान सागर स्कूल मंगलौर की वॉलीबॉल टीम ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया द्य एंबीशन स्कूल में आयोजित इंटर स्कूल वॉलीबॉल प्रतियोगिता में रुड़की नगर के अनेक स्कूलों ने प्रतिभाग कियाद्य वॉलीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल राउंड गुरु ज्ञान सागर स्कूल और भारतीय अकादमी के बीच हुआ जिसमें गुरु ज्ञान सागर स्कूल की वॉलीबॉल टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान पर रही और स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढाया। खेल जगत की दुनिया में भारतीय खिलाडियों का विशेष योगदान रहा है।

लंढौरा सहकारी समिति बोर्ड सदस्यों ने ली शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। बुधवार को लंढौरा किसान सेवा सहकारी समिति के नवनिर्वाचित बोर्ड सदस्यों को पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने शपथ दिलाई बाद में बोर्ड की पहली मीटिंग में छह प्रस्ताव भी पास किए गए।

बुधवार को चमनलाल कॉलेज में किसान सेवा सहकारी समिति नवनिर्वाचित बोर्ड के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। एडीओ मुकर्रम ने सबसे पहले सभापति चौधरी कुलदीप सिंह को शपथ दिलाई। इसके बाद उप सभापति और संचालको को शपथ दिलाई गई इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास कर रहा है। कहा कि भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लंढौरा सहकारी समिति के विकास के सरकारी की ओर से हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। सभापति चौधरी कुलदीप ने कहा कि नगर पंचायत की ओर से दो बीघा भूमि नई बिल्डिंग बनाने के लिए आवंटित की गई है। उन्होंने पूर्व कैबिनेट से मांग की उक्त भूमि पर बिल्डिंग बनाने के लिए सरकार से धनराशि दिलाए जाने की मांग की। जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी ने आश्वाशन दिया कि सहकारी समिति के नई बिल्डिंग का निर्माण जिला पंचायत योजना से कराया जाएगा। इसके बाद नवनिर्वाचित बोर्ड की पहली बैठक हुई। बैठक में खुले स्थान पर नई बिल्डिंग बनाने, बोर्ड सदस्यों के साइन जिला सहकारी बैंक पहुंचाने, शिखर में खाद का

गोदाम बनाने समेत छह से अधिक प्रस्ताव पास किए गए। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नसीम, भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार पांडे, उप सभापति नूर आलम, एडवोकेट अब्दुल शमी, हाजी सलीम, रामकुमार शर्मा, साजिद अली, संचालक चौधरी संजीव, नारायण, कुलदीप, करिश्मा, गुड्डी, जहिमा, गुफरान, सभासद राजेश वालिया, उस्मान, विकास, सतीश, रियासत, इसरार, संदीप सैनी, चौधरी चरण सिंह समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने संविधान दिवस पर अधीनस्थों को दिलाई शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कार्यालय, रूड़की में संविधान दिवस (ब्वदेजपजनजपवद क्ंल) के अवसर पर एक गरिमामय संविधान शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में संयुक्त मजिस्ट्रेट रूड़की दीपक रामचंद्र शेट (पै) द्वारा तहसील के सभी अधि कारियों, कर्मचारियों को भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा, राष्ट्र की एकता-अखंडता के प्रति समर्पण तथा संवैधानिक मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई गई।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शेट ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक स्वरूप की आत्मा है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को संविधान में निहित मूल्योंख्र न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुताख्रको कार्य-व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में तहसील के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, विभागीय

प्रतिनिधि मौजूद रहे।संविधान दिवस पर आयोजित यह शपथ समारोह राष्ट्र की लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार, 27 नवम्बर 2025

उलझें नहीं

देश के नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है। बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म वितरित कर रहे हैं, पर आधार कार्ड को लेकर मतदाताओं में भ्रम है, क्या केवल आधार कार्ड से ही मतदाता सूची में नाम शामिल करवाया जा सकता है चुनाव आयोग के अनुसार लगभग 99 फीसदी फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं और अब फॉम संग्रह करने की प्रक्रिया चल रही है। हालांकि एसआईआर फॉर्म भरने में बीएलओ मतदाताओं की मदद कर रहे हैं, लेकिन फिर भी फॉर्म भरने को लेकर मतदाताओं में कन्फ्यूजन है। यह सवाल किए जा रहे हैं कि क्या आधार कार्ड रहने से ही वोटर लिस्ट में नाम शामिल करवाया जा सकता है या फिर अन्य डाक्यूमेंट्स की जरूरत पड़ेगी। चुनाव आयोग के निर्देश और भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, आधार कार्ड अकेले किसी को वोटर बनने के योग्य नहीं बनाता है, हालांकि एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आधार कार्ड का उपयोग अधिनियम के अनुरूप है। आधार अधिनियम के सेक्शन-9 में कहा गया है कि आधार कार्ड को डोमिसाइल या सिटीजनशिपका प्रमाण नहीं माना जा सकता है। हालांकि बीएलओ की ओर से मतदाताओं को जो गणना प्रपत्र दिए जा रहे हैं। उसमें नाम के बाद दूसरा कालम आधार कार्ड है और मतदाताओं को अपना आधार कार्ड नंबर लिखने के लिए कहा गया है, लेकिन इस एसआईआर की प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण पार्ट है। वह है कि यदि आप मतदाता हैं, तो अपना वर्तमान एपिक नंबर लिखें और 2002-2003 की एसआईआर के लिस्ट में आपका नाम है, तो उसका विवरण फॉर्म के निचले हिस्से में दाएं ओर लिखें और यदि आपका नाम नहीं है, तो अपने माता-पिता, दादा -दादी या फिर नाना-नानी जिनका भी 2002-2003 के वोटर लिस्ट में नाम है। उसे फॉर्म के नीचे बाईं ओर लिखें और उनका वोटर कार्ड नंबर, मतदान केंद्र का नाम, पार्ट नंबर और सीरियल नंबर आदि का उल्लेख करें। यदि 2002 या 2003 के वोटर लिस्ट नाम नहीं तो भी आप फॉर्म भरें और उसे बीएलओ को जमा दें। उसके बाद आपको नोटिस जारी किया जाएगा और फिर डोक्यूमेंट का सत्यापन किया जाएगा, लेकिन आधार कार्ड को लेकर चुनाव आयोग का साफ निर्देश है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में वोटर लिस्ट में केवल आधार के आधार पर किसी व्यक्ति का नाम शामिल नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने मान्य 13 दस्तावेजों की लिस्ट जारी की है। यदि 2002 और 2003 के वोटर लिस्ट में नाम नहीं है, तो सुनवाई के दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए ये दस्तावेज साक्ष्य के रूप में पेश किया जा सकता है। ऐसे सभी वोटर जिनके नाम साल 2003 के वोटर लिस्ट से मिलान या लिंक हैं। उन्हें संबंधित विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ की तरफ से सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। सुनवाई के दौरान उस शख्स को इन 12 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज पेश करना होगा और उनका सत्यापन किया जाएगा। दस्तावेजों की लिस्ट किसी भी सेंट्रल गवर्नमेंट/स्टेट गवर्नमेंट/पीएसयू के रेगुलर एम्प्लाई/ पेंशनर को जारी किया गया कोई भी आइडेंटिटी कार्ड, पेंशन पेमेंट ऑर्डर। इंडियन गवर्नमेंट/बैंक/लोकल अथारिटी/पीसीयू द्वारा जारी किया गया कोई भी आइडेंटिटी कार्ड/ सर्टिफिकेट/ डाक्यूमेंट्स। काम्पिटेंट अथारिटी द्वारा जारी किया गया बर्थ सर्टिफिकेट। पासपोर्ट। रिकाग्नाइज्ड बोर्ड/ यूनिवर्सिटी द्वारा जारी किया गया मैट्रिकुलेशन/एजुकेशनल सर्टिफिकेट। स्टेट अथारिटी द्वारा जारी किया गया परमानेंट रेजिडेंट सर्टिफिकेट। फारेस्ट राइट्स सर्टिफिकेट। ओबीसी/ एसटी/एससी या कोई भी कास्ट सर्टिफिकेट।

संविधान के खिलाफ था संघ

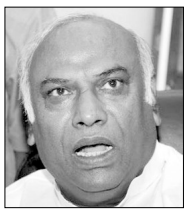

आरएसएस ने संविधान को पाश्चात्य मूल्यों को आधारित बताया था और संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर का पुतला फूंका था, भारत रत्न डा. अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरु और डा. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा के साथ मिलकर संविधान का ही नहीं, एक ऐसे भारत का निर्माण किया, जहां लोकतंत्र सर्वोपरि है, भारत न्याय, समानता, आजादी, परस्पर भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद भारत की पहचान बन गया था, लेकिन आज ये पहचान खतरे में है, जब संविधान लागू हुआ था, तब आरएसएस जैसे संगठन खुले तौर पर कहते थे कि संविधान पाश्चात्य मूल्यों पर आधारित है और उनका आदर्श तो मनुस्मृति है, इतिहास गवाह है कि आरएसएस संविधान के खिलाफ था।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

बाल उत्पीड़नः समस्या कितनी गहरी है

रजनीश कपूर

जांच एजेंसियों की संवेदनशीलता की कमी, पीड़ित के बार-बार बयान होना, ट्रायल में देरी और गवाहों पर सामाजिक-आर्थिक दबाव के कारण बहुत से मामले या तो दर्ज नहीं हो पाते या अदालत तक पहुंचते-पहुंचते कमजोर हो जाते हैं। कई बार स्थानीय पुलिस या बाल अधिकार आयोगों तक गई शिकायतों पर भी महीनों कार्रवाई नहीं होती, जैसा हाल में कुछ बड़े धार्मिक संस्थानों से जुड़े मामलों में याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी उठाया।

कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने बाल यौन शोषण पर दायर एक याचिका सुनते हुए कड़ी टिप्पणी की और संबंधित कानूनी एजेंसियों को इन शिकायतों को गंभीरता से लेने के लिए कहा। भारत में आध्यात्मिक, धार्मिक. शैक्षणिक संस्थानों में हो रहे बाल उत्पीड़न का प्रश्न सिर्फ अपराध का नहीं, बल्कि सत्ता, आस्था और चुप्पी के गठजोड़ का सवाल है। यह समस्या अपवाद नहीं, एक संरचनागत विकृति बन चुकी है, जिस पर त्वरित और कड़े हस्तक्षेप की जरूरत है।

राष्ट्रीय स्तर पर हुए अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में बच्चों के बड़े हिस्से ने किसी न किसी रूप में यौन शोषण का अनुभव किया है। कई अध्ययनों में यह अनुपात 40.50 प्रतिशत तक बताया गया है। आध्यात्मिक आश्रमों, धार्मिक आवासीय विद्यालयों, मदरसों, कॉन्वेंट्स, हॉस्टलों और कोचिंग संस्थानों जैसे बंद व अनुशासित माहौल में, जहां गुरु-शिष्य या शिक्षक-छात्र संबंध में भारी शक्ति-असमानता होती है, वहां यह जोखिम और अधिक बढ़ जाता है।

इन संस्थानों में धर्म, राष्ट्रवाद या संस्कार की भाषा के सहारे एक ऐसी पवित्रता की छवि गढ़ी जाती है, जिसके कारण पीड़ित, परिवार और समाज शिकायत को पाप या अविश्वास मानकर दबा देते हैं। नतीजा यह कि जो अपराध सामान्य समाज में भी कम ही रिपोर्ट होते हैं, वे इन संस्थागत दीवारों के भीतर लगभग अदृश्य हो जाते हैं।

बड़ी संस्थाओं पर कार्रवाई न होने का पहला कारण है इन संगठनों की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक पकड़य बड़े आश्रमों, पंथों या प्रतिष्ठित स्कूलों के संचालक अक्सर राजनीतिक दलों, नौकरशाही और स्थानीय पुलिस से गहरे जुड़े होते हैं, जिससे शुरुआती शिकायत दर्ज कराना ही कठिन हो जाता है। कई मामलों में देखा गया है कि जब पीड़ित या सामाजिक संगठन शिकायत लेकर जाते हैं तो पुलिस पहले समझौता, प्रतिष्ठा और छवि का हवाला देकर मामला दबाने की कोशिश करती है।दूसरा कारण है हमारे समाज की अंध-श्रद्धा कई अनुयाई या अभिभावक खुद यह मानने को तैयार नहीं होते कि उनके पूजनीय गुरु, फादर, मौलवी या प्रिंसिपल ऐसा अपराध कर सकते हैं। कभी-कभी तो वे ही संस्थान के पक्ष में खड़े होकर पीड़ित को ही झूठा साबित करने लगते हैं। तीसरा, इन संस्थाओं का प्रशासन अक्सर यह तर्क देता है कि पूरा संगठन बदनाम न हो, सिर्फ व्यक्ति पर दिखावटी कार्रवाई ही हो। इसी सोच के चलते संस्थागत जवाबदेही, सिस्टम में सुधार और संरचनागत जांच टलती रहती है। यूं तो कागज पर भारत के पास कई मजबूत कानून हैं। बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम POCSO Act 2012 हर तरह के यौन शोषण, उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी को अपराध मानता है और 18 वर्ष से कम आयु के हर बच्चे को लैंगिक रूप से तटस्थ सुरक्षा देता है। यह कानून विश्वास की स्थिति में बैठे व्यक्ति जैसे शिक्षक, धार्मिक गुरु, वार्डन या डॉक्टर द्वारा किए गए अपराध को गंभीर श्रेणी में रखता है और सख्त सजा का प्रावधान करता है। फिर भी, दिक्कतें प्रक्रियागत हैं। जांच एजेंसियों की संवेदनशीलता की कमी, पीड़ित के बार-बार बयान होना, ट्रायल में देरी और गवाहों पर सामाजिक-आर्थिक दबाव के कारण बहुत से मामले या तो दर्ज नहीं हो पाते या अदालत तक पहुंचते-पहुंचते कमजोर हो जाते हैं। कई बार स्थानीय पुलिस या बाल अधिकार आयोगों तक गई शिकायतों पर भी महीनों कार्रवाई नहीं होती, जैसा हाल में कुछ बड़े धार्मिक संस्थानों से जुड़े मामलों में याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी उठाया। ऐसे में पीड़ितों व उनके परिवार की सबसे पहली और कठिन जिम्मेदारी है चुप्पी तोड़नाय बच्चों को यह बताया जाना जरूरी है कि कोई भी गुरु, फादर, मौलवी, भाईया 'या दीदी यदि उनकी मर्यादा का उल्लंघन करे, शरीर को गलत तरीके से छुए, तो यह गलती नहीं, अपराध है। माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों की बात को गंभीरता से सुनना, उनके व्यवहार में अचानक आए बदलाव (डर, चिड़चिड़ापन, किसी स्थान या व्यक्ति से घबराहट) को संकेत मानना चाहिए। उन्हें धार्मिक या संस्थागत प्रतिष्ठा से ऊपर अपने बच्चों की सुरक्षा को रखना चाहिए। घटना होने पर तुरंत स्थानीय पुलिस या विशेष किशोर पुलिस इकाई को सूचना देना और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराने पर जोर देना आवश्यक है। क्योंकि कानून यह भी कहता है कि शिकायत मिलते ही बच्चे की सुरक्षा, चिकित्सा और पुनर्वास के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। साथ ही, बाल अधिकार आयोगों, विश्वसनीय बाल अधिकार संगठनों या कानूनी सहायता समूहों से संपर्क कर पीड़ित के लिए परामर्श, सुरक्षित ठिकाना और कानूनी सहयोग सुनिश्चित किया जा सकता है। अदालतें सिर्फ व्यक्तिगत मामलों में सजा देने तक सीमित न रहकर संस्थागत जवाबदे. ही तय कर सकती हैं। जैसे किसी बड़े आश्रम, कॉन्वेंट या स्कूल में दोहराए जा रहे आरोपों के मामले में स्वतरू संज्ञान लेकर स्वतंत्र जांच कमेटी, विशेष जांच दल या मॉनिटरिंग मेकनिज्म बनाने के निर्देश देना। न्यायालय समयबद्ध ट्रायल, पीड़ित गवाहों की सुरक्षा, मुआवजा और मनो. सामाजिक पुनर्वास को अनिवार्य करने वाले विस्तृत दिशानिर्देश जारी कर सकते हैं, ताकि हर निचली अदालत में एक समान मानक लागू हो।

साथ ही, सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय सरकारों को बाध्य कर सकते हैं कि सभी धार्मिक आध्यात्मिक-शैक्षणिक संस्थानों के लिए बाल सुरक्षा नीति और आंतरिक शिकायत तंत्र कानूनी रूप से अनिवार्य हो, जिसकी नियमित ऑडिटिंग हो और उल्लंघन पर पंजीकरण रद्द करने तक की कार्यवाही हो सके। जब तक आस्था का आवरण, सत्ता का संरक्षण और समाज की चुप्पी मिलकर अपराधियों के लिए ढाल बने रहेंगे, तब तक कानून की धार भी कुंद रहेगी। यह लड़ाई सिर्फ अदालतों की नहीं, परिवार, मीडिया, नागरिक समाज और जिम्मेदार धार्मिक-शैक्षणिक नेतृत्व की है, जो बच्चों की गरिमा और सुरक्षा को किसी भी पवित्र संस्था से ऊपर रख सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

धनिया भी देता है आपको सुंदर काया

धनिया तथा लैमन ग्रास के पेस्ट से कील मुहांसों को रोकने में मदद मिलती है। एक चम्मच धनिया रश तथा एक चम्मच लेमन ग्रास को उबलते पानी में डालकर एक घण्टा तक रहने दें तथा इससे बने पेस्ट को कील, मुहांसों पर लगाकर आधा घण्टा बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए। ताजा धनिया पत्तियों के जूस तथा नींबू जूस को मिलाकर कील-मुहांसों तथा ब्लैक हैडस पर लगाकर आधा घण्टा बाद साफ ताजे पानी से धो डालिए। धनिया का फेस पैक त्वचा में चमक तथा आभा बढ़ाता है। ताजा टमाटर, हरी धनिया की पत्तियां तथा गुलाब जल को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद ताजे साफ जल से धो डालिए।

शहनाज हुसैन

रसोई घर में सब्जियों का जायका बढ़ाने के लिए सर्दियों में प्रयोग किए जा रहे धनिए को हाल ही के वर्षों में सौंदर्य जगत का नया राक्स्टार माना जाने लगा है। सौंदर्य जगत में आज कल कील मुहांसों, तैलीय तथा शुष्क त्वचा, काले धब्बों के इलाज के लिए धनिए को हर्बल सौंदर्य प्रसाधन के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। घरेलू व्यंजनों को सुगन्ध प्रदान करने वाली जादुई जड़ी बूटी धनिए के नियमित उपयोग से कोलेस्टरोल को कम करने, पाचन तंत्र को मजबूत करने, हीमोग्लोबिन को बढ़ाने तथा चर्म रोगों के उपचार में मदद मिलती है।

शरीर में पितवात को सन्तुलित एवं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाली धनिए की हरी पत्तियां शरीर में अम्ल को कम करके चेहरे के दाग, धब्बों को कम करके चेहरे की आभा को बढ़ाती है। धनिए की हरी पत्तियां चबाने से शरीर में एनिमिया को रोकने में मदद मिलती है जो कि शुष्क तथा निष्प्राण त्वचा का मुख्य कारण है ताजा धनिया में विटामिन-सी, वीटा कारोटीन, एण्टीऑक्सीडैंट के गुण विद्यमान होते हैं तथा इसकी सुगन्ध से मानसिक व शारीरिक ताजगी का अहसास होता है जिससे आपकी त्वचा मुलायम, कोमल तथा चमकदार बनती है। धनिया की पत्तियों का पेस्ट खोपड़ी पर लगाने से खुजली तथा खुशकी से निजात मिलती है। धनिया को पीस कर थोड़ा सा शहद मिलाकर बने पेस्ट को खोपड़ी पर लगाने से ताजगी तथा सफुर्ति का अहसास होता है।

धनिया तथा लैमन ग्रास के पेस्ट से कील मुहांसों को रोकने में मदद मिलती है। एक चम्मच धनिया रश तथा एक चम्मच लेमन ग्रास को उबलते पानी में डालकर एक घण्टा तक रहने दें तथा इससे बने पेस्ट को कील, मुहांसों पर लगाकर आधा घण्टा बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए। ताजा धनिया पत्तियों के जूस तथा नींबू जूस को मिलाकर कील-मुहांसों तथा ब्लैक हैडस पर लगाकर आधा घण्टा बाद साफ ताजे पानी से धो डालिए। धनिया का फेस पैक त्वचा में चमक तथा आभा बढ़ाता है। ताजा टमाटर, हरी धनिया की पत्तियां तथा गुलाब जल को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद ताजे साफ जल से धो डालिए। गर्मियों में तापमान में वृद्धि तथा सूर्य की तेज किरणों से त्वचा में कालापन आ जाता है। आधा कप जई, एक चौथाई कप दही तथा एक चौथाई कप धनीया पत्तियों को काटकर मिक्सी में ब्लैंड कर लें तथा इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन तथा आदि खुले भागों में लगाकर 20 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए तथा इससे गर्मियों में झुलसी त्वचा को शीतलता प्रदान होगी।

दो चम्मच धनिया पत्तियों का जूस तथा एक चम्मच नींबू जूस को मिलाकर रात को अपने होठों पर मालिश कर लें तथा इसे होठों पर रात भर रहने दें व सुबह ताजे पानी से धो डालें । इसे हफ्ते में दो बार प्रयोग करने से आपके होठ मुलायम तथा गुलाबी हो जाएंगे। गर्मियों में धूप से त्वचा अक्सर झुलस जाती हैं इसके उपचार के लिए एक चम्मच धनिया बीज पाउडर को एक कप सूर्यमुखी, बादाम या जैतून के तेल में एक हफ्ते तक इन्फ्यूज करके बने मिश्रण को सनबर्न से प्रभावित अंगों पर लगाने से शीतलता मिलती है।

धनिए की पत्तियों के जूस को ऐलोवेरा से मिश्रित कर बने मिश्रण को लगाने से चेहरे पर झुर्रियां रोकने में मदद मिलती है। धनिया की पत्तियों, चावल के आटे तथा दही के मिश्रण से बने फेस पैक के लगाने से चेहरे की मांसपेशियां तथा कोशिकाएं तरो ताजा हो जाती हैं तथा आप खिली-खिली महसूस करती हैं। ताजा हरी धनिया पत्तियों को ग्राइन्डर में डालकर पानी डालकर इसे ग्राइन्ड करके पेस्ट बना लें। अब इस मलमल को कपड़े या स्ट्रेनर की मदद से जूस अलग कर लें। थोड़े से जूस में चुटकी भर हल्दी मिलाकर बने पेस्ट को रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर सुबह ताजे पानी से धोने से त्वचा में निखार आता है।

तुम्हारा है, तो परिवारवाद, हमारा है, तो गुणवाद

निर्मल रानी

बात जब परिवारवाद की आती है तो सबसे पहला निशाना गांधी-नेहरू परिवार पर साधा जाता है। उसके बाद मुलायम सिंह यादव व लालू यादव जैसे नेताओं पर परिवारवादी राजनीति करने का आरोप लगाया जाता है। इन लोगों के श्परिवारवाद श का विरोध करने वाले विशेषकर भारतीय जनता पार्टी के नेता जनता को यह समझाने की कोशिश करते हैं कि इस परिवार के लोग लोकतंत्र विरोधी हैं और अपने परिवार के लोगों को राजनैतिक विरासत के रूप में जनता पर थोपने की कोशिश करते हैं। जबकि वास्तव में नेहरू घराने से लेकर मुलायम सिंह व यादव,लालू यादव जैसे नेताओं की भारतीय राजनीति में अहम भूमिका रही है। नि:संदेह नेहरू -इंदिरा -राजीव ने देश को विकास व आधुनिकता की राह पर लाने,देश को आत्मनिर्भर बनाने व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश को सम्मान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। इसी तरह लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव को भी भारतीय राजनी. ति में मुख्य रूप से मंडल राजनीति के दो सबसे बड़े चेहरे और उत्तर भारत में जातिगत गोलबंदी की राजनी. ति के जनक के रूप में याद किया जाता है। इन दोनों ही नेताओं ने 90 के दशक में ओ बी सी विशेषकर यादव-दलित-मुस्लिम गठजोड़ को इतनी शक्ति दी कि उत्तर प्रदेश और बिहार में लंबे समय तक कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा दोनों को सत्ता से बाहर रखा। आज भी इन्हें मंडल क्रांति के नायक, सामाजिक न्याय के प्रतीक तथा भाजपा व कांग्रेस दोनों ही राष्ट्रीय दलों का विकल्प देने की क्षमता रखने वाले नेताओं के रूप में याद किया जाता है।

पूरे देश में नेहरू-इंदिरा परिवार ने और देश के दो सबसे बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश व बिहार में इन यादव घरानों ने धर्मनिरपेक्ष व समाजवादी राजनीति की जो अमिट छाप छोड़ी है उसी ने भाजपा को लंबे समय तक सत्ता से दूर रखा। अपनी इसी कसक को भाजपा नेता परिवारवाद के रूप में प्रचारित कर अपनी भड़ास निकालते रहते हैं। जबकि इन परिवारों की वर्तमान पीढ़ियों में राहुल गांधी ने पहले हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, अमेरिका में पढ़ाई की बाद में रोलिंस कॉलेज, फ्लोरिडा, अमेरिका से स्नातक की डिग्री ली और ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन से 95 में डेवलोपमेन्ट स्टडीज में एम फिल पूरी की। चार बार सांसद भी चुने जा चुके हैं। इसी तरह अखिलेश यादव ने भी सिविलध्एनवायर्नमेंटल इंजीनियर की डिग्री व मास्टर्स डिग्री सिडनी विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया से हासिल की है। वे भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व पांच बार सांसद होने का अनुभव रखते हैं। गोया यह लोग न अशिक्षित हैं न ही अनुभवविहीन न ही नकली डिग्री धारी। तेजस्वी यादव अशिक्षित जरूर हैं परन्तु उनके पास राजनीति का एक दशक से भी लंबे समय का अनुभव होने के साथ साथ पांच बार विधायक दो बार उपमुख्यमंत्री व नेता विपक्ष के पद पर रहने का अनुभव व लालू के कारण ही सही परन्तु भारी लोकप्रियता भी है। सवाल यह है कि परिवारवाद का विरोध करने वाली भाजपा क्या खुद भी परिवारवाद से दूर रहती है ? क्या उन क्षेत्रीय पार्टियों या नेताओं से पार्टी फासला बनाकर रखती है जो परिवारवाद की राजनीति करते हैं?

इस समय वर्तमान नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में ही कम से कम 15 मंत्री ऐसे हैं जो परिवारवाद से जुड़े हैं या अपनी राजनीतिक विरासत आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा के कुल सांसदों में से लगभग 12 प्रतिशत राजनैतिक विरासत से आते हैं। अनुराग ठाकुर,ज्योतिरादित्य सिंधिया, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, किरेन रिजिजू, राव इंद्रजीत सिंह, रक्षा खड़से आदि ऐसे कई उदाहरण हैं जो परिवारवाद के चलते ही केंद्र में मंत्री पद तक पहुंच सके हैं परन्तु जब विपक्ष भाजपाई परिवारवाद का यही दर्पण भाजपा को दिखाता है तो भाजपा दावा करती है कि इनका चयन योग्यता अर्थात श्गुणवादश पर आधारित है, न कि परिवारवाद पर। इससे बड़ा पाखंड और क्या हो सकता है?

अभी पिछले दिनों बिहार में जब नितीश कुमार मंत्रिमंडल ने शपथ ली तो उसमें भी भाजपा व उसके सहयोगी दलों का परिवारवाद टिकट वितरण से लेकर मंत्री मंडल में स्थान पाने तक सिर चढ़कर बोलता दिखाई दिया। यहां विधान सभा चुनाव में एन डी ए की ओर से 29 ऐसे विधायक जीतकर आए हैं जो परिवारवाद का प्रतीक हैं। जबकि 26 मंत्रियों में से 9 मंत्री भी परिवारवाद से जुड़े हैं। इनमें सबसे प्रमुख परिवार केंद्रीय मंत्री व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी का है। जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा को 2025 चुनाव में हिस्से में कुल 6 सीटें मिली थीं जिनमें से 5 पर उन्होंने अपने रिश्तेदारों को टिकट दे दिया। इस समय उनके परिवार के 7 सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं तथा 5 व्यक्ति सांसद, विधायक व मंत्री बने हैं। इनमें संतोष कुमार सुमन, जीतन राम मांझी के पुत्र हैं ए विधान पार्षद (एमएलसी) हैं तथा इन्हें इस बार तीसरी बार नितीश मंत्रिमंडल में जगह मिली है। इसके अतिरिक्त दीपा मांझी, जीतन राम की पुत्रवधू अर्थात संतोष (मंत्री जी) की पत्नी हैं। यह विधायक हैं। जीतन मांझी की भाभी ज्योति देवी विधायक हैं। प्रफुल्ल कुमार दामाद , संतोष (मंत्री जी) का साला विधायक है । एक अन्य रिश्तेदार देवेंद्र मांझी दामाद उपाध्यक्ष व बिहारै बआयोग का अध्यक्ष है। यह पूर्व में मुख्यमंत्री काल में मांझी के पी ए भी रह चुके हैं।

इसी तरह बिहार की एक और क्षेत्रीय पार्टी है राष्ट्रीय लोक मोर्चा। बिहार चुनाव में राज्यसभा सदस्य व पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाली आर एल एम के हिस्से में बिहार के 2025 चुनाव में 6 सीटें मिलीं इनमें से 4 पर विजय हासिल की। इनके परिवार में भी कुल 3 व्यक्ति सांसद, विधायक व मंत्री बने हैं। उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश न तो विधायक हैं न ही विधान पार्षद न ही वे चुनाव लड़े परन्तु इस भरोसे मंत्री बना दिए गए कि अगले 6 महीने में यह विधान परिषद् सदस्य बन जाएंगे। इसी तरह उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता कुशवाहा इस बार सासाराम से विधायक चुनी गई हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान की पार्टी में कई रिश्तेदार विधायक चुने गए हैं। पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के बेटे सम्राट चौधरी भाजपा से उपमुख्यमंत्री हैं। कैप्टन जय नारायण निषाद पूर्व सांसद की बहू रमा निषाद को मंत्री बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व जगन्नाथ मिश्रा के बेटे नीतीश मिश्रा को मंत्री बनाया। पूर्व मुख्यमंत्री हरिहर सिंह के बेटे भाजपा विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह को मंत्री व जे डी यू के पूर्व विधायक राम नंदन सिंह के बेटे श्रवण कुमार को मंत्री बनाया गया। भाजपा शासित अन्य कई राज्यों में भी इसी तरह के परिवारवाद की पताका लहराती दिखाई देगी। परन्तु गत चार दशकों से इन्हें केवल विपक्षी दलों का ही परिवारवाद नजर आता है। गोया तुम्हारा है तो परिवारवाद हमारा है तो गुणवाद?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नोएडा। शहर की वायु गुणवत्ता लगातार खराब होने के कारण कम दृश्यता के बीच जाते यात्री।

चीन की हरकत भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है।

ऑस्ट्रेलिया में भीषण तूफान, एक की मौत

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य में भीषण तूफानों के कारण एक व्यक्ति की मौत और 75000 घरों में बिजली गुल हो गई है। इन तूफानों ने सिडनी से लेकर राज्य के पश्चिमी हिस्सों तक व्यापक नुकसान पहुंचाया है। अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) ने बुधवार को राज्य आपातकाल. ीन सेवा (एसईएस) के हवाले से बताया कि 110 किलोमीटर प्रति घंटे (68 मील प्रति घंटे) से अधिक की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं वाले इन तूफानों ने राज्य के केंद्रीय पश्चिमी क्षेत्र, केंद्रीय तट, इलवारा और सिडनी क्षेत्रों में पेड़ों और बिजली की लाइनों को गिरा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, एसईएस ने 1000 से अधिक घटनाओं की सूचना दी है और उम्मीद है कि सफ़ाई अभियान में कई दिन लगेंगे।

दावा: एच-1बी वीजा में हो रही धोखाधड़ी

दुनिया के लिए 85 हजार तय थे, लेकिन अकेले चेन्नई को ही 2.2 लाख वीजा मिल गए

वाशिंगटन। अमेरिका के एच-1बी वीजा प्रोग्राम को लेकर एक नया विवाद शुरू हो गया है। अमेरिकी अर्थशास्त्री और पूर्व सांसद डेव ब्रेट ने आरोप लगाया है कि एच-1बी सिस्टम में बड़ी धोखाधड़ी हो रही है।

उनका दावा है कि चेन्नई जिले को 2.2 लाख वीजा मिले हैं, जबकि पूरी दुनिया के लिए 85,000 की लिमिट तय है। ब्रेट का कहना है कि यह संख्या तय सीमा से ढाई गुना ज्यादा है। एक पाडकास्ट में ब्रैट ने कहा कि एच-1बी वीजा इंडस्ट्रीयल लेवल की धोखाधड़ी का शिकार बन चुका है। उन्होंने बताया कि 71 प्रतिशत एच-1बी वीजा भारत को मिलते हैं, जबकि दूसरे नंबर पर चीन को सिर्फ 12 प्रतिशत मिलते हैं। ये आंकड़े खुद बताते हैं कि वीजा सिस्टम का गलत

■ 71 प्रतिशत एच-1बी वीजा भारत को मिलते हैं जबकि दूसरे नम्बर पर चीन को सिर्फ 12 प्रतिशत मिलते हैं

फायदा उठाया जा रहा है। ब्रेट ने इस मुद्दे को अमेरिका की घरेलू राजनीति से भी जोड़ा और कहा कि एच-1बी वीजा अमेरिकी कामगारों की नौकरियां छीन रहा है। उनके मुताबिक, कई लोग खुद को स्किल्ड वर्कर बताकर अमे. रिका पहुंच जाते हैं, जबकि कई मामलों में उनकी स्किल्स उतनी मजबूत नहीं होतीं। चेन्नई अमे. रिकी कान्सुलेट दुनिया के सबसे बिजी एच-1बी प्रोसेसिंग सेंटर्स में से एक है, जहां तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना से बड़ी संख्या में एप्लिकेशन आते हैं। इन राज्यों में आईटी कंपनियों और टेक वर्कर्स की संख्या बहुत ज्यादा है, इसलिए यहां से वीजा आवेदन भी सबसे ज्यादा होते हैं। ब्रैट के आरोपों से कुछ दिन पहले एक भारतीय-अमेरिकी पूर्व डिप्लोमैट महविश सिद्दीकी ने भी ऐसा ही दावा किया था। उन्होंने कहा था कि एच-1बी वीजा में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी होती है, खासकर भारत में। उनका कहना था कि कई वीजा फर्जी एम्प्लायर लेटर, नकली डिग्रियों और किसी और से इंटरव्यू दिलवाकर लिए जाते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हैदराबाद में कई जगह वीजा के लिए नकली कागजात और फर्जी जाब लेटर खुलेआम बेचे जाते हैं। अभी तक अमेरिकी सरकार ने इन आरोपों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। एच-1बी वीजा को लेकर अमे. रिका में पहले से ही काफी बहस होती रही है और इन नए आरोपों ने इस मुद्दे को फिर से गरमा दिया है। ट्रम्प सरकार ने 21 सितम्बर से एच-1बी वीजा फीस बढ़ाकर 1 लाख डालर (करीब 88 लाख रुपये) कर दी है। व्हाइट हाउस के मुताबिक यह बढ़ी हुई फीस सिर्फ वन टाइम है, जो एप्लिकेशन देते समय चुकानी होगी। एच-1बी वीजा के लिए पहले 5.5 से 6.7 लाख रुपये लगते थे।

राम मंदिर में मोदी का ध्वजारोहण नाजायज: पाक

कहा: यह भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते दबाव और मुस्लिम विरासत को मिटाने की कोशिश का हिस्सा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अयोध्या के राम मंदिर में पीएम मोदी के ध्वजारोहण पर विरोध जताया है, और कहा कि यह एक नाजायज काम है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि यह भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़ते दबाव और मुस्लिम विरासत को मिटाने की कोशिश का हिस्सा है। पाकिस्तान ने कहा कि जिस जगह पहले बाबरी मस्जिद थी, वहां अब राम मंदिर बनाया गया है।

पाकिस्तान ने दावा किया कि बाबरी मस्जिद कई सदियों पुरानी धार्मिक जगह थी। 6 दिसम्बर 1992 को इसे भीड़ ने गिरा दिया था। पीएम मोदी ने मंगलवार को मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। उन्होंने सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहराई। पाकिस्तान ने कहा कि भारत की अदालतों ने बाबरी मस्जिद गिराने के आरोपियों को बरी कर दिया और उसी जमीन पर मंदिर निर्माण की इजाजत दे दी। यह अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव का बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों पर दबाव बढ़ रहा है। भारत की कई ऐतिहा. सिक मस्जिदें खतरे में हैं। मुसलमानों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक तौर से हाशिये पर धकेला जा रहा है। पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह भारत में बढ़ते इस्लामोफोबिया, नफरत और मुसलमानों पर हमलों पर ध्यान दे। उसने न्छ और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से कहा कि वे भारत में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएं। भारत पर झूठा आरोप लगाने वाले पाकिस्तान में खुद बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा की जा रही है। अमेरिका की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमले और धमकियों की कई घटनाएं हुईं, लेकिन वहां की सरकार ने दोषियों पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की। 2023 में एक चर्च जलाने के आरोप में पकड़े गए 10 लोगों को हाल ही में अदालत ने बरी भी कर दिया। पाकिस्तान में अक्सर हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन और जबरन शादी के मामले सामने आते रहते हैं, खासकर सिंध और पंजाब में। पाकिस्तान ने करीब 2 साल पहले 22 जनवरी 2024 को हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की भी निंदा की थी।

तब पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था-हम अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की निंदा करते हैं। यह मंदिर बाबरी मस्जिद को तोड़कर बनाया गया है। ध्वस्त मस्जिद की जगह पर बना मंदिर आने वाले समय में भारतीय लोकतंत्र के माथे पर कलंक की तरह बना रहेगा। भारत में बढ़ती 'हिंदुत्व' विचारधारा धार्मिक सद्भाव और क्षेत्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा है। ऐसा करके भारत मुस्लिमों को दरकिनार करने की कोशिश कर रहा है। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने एक्स पर भारत को राम मंदिर के ध्वजारोहण की बधाई देते हुई कुछ तस्वीर शेयर कीं। उन्होंने लिखा कि अयोध्या में राम मंदिर के ध्वजारोहण पर भारत को बधाई। यह सभ्यता के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले साल मंदिर निर्माण के दौरान अपनी अयोध्या यात्रा की कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं।

■ जगह पहले बाबरी मस्जिद थी, वहां अब राम मंदिर बनाया गया
■ भारत की अदालतों ने बाबरी मस्जिद गिराने के आरोपियों को बरी कर दिया: पाक

विदेश मंत्रालय का पाकिस्तान को करारा जवाब

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में पीएम मोदी की भागीदारी पर पाकिस्तान ने अनर्गल टिप्पणी की है। पड़ोसी देश की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम उनकी टिप्पणी को उस अवमानना के साथ अस्वीकार करते हैं जिसके वे हकदार हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कट्टरता, दमन, अल्पसंख्यकों के साथ प्रणालीगत दुर्व्यवहार के गहरे दागदार रिकार्ड के साथ, पाकिस्तान के पास दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक आधार नहीं है। उन्होंने कहा, पाखंडपूर्ण उपदेश देने के बजाय, पाकिस्तान को अपने स्वयं के खराब मानवाधिक. ार रिकार्ड पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। शंघाई एयरपोर्ट पर जो कदम उठाए गए। उस पर हमने स्टेटमेंट जारी किया था। हमने उसमे कहा कि अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग। इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। चीन द्वारा उठाया गया कदम गलत है। इस पर भारत ने कार्रवाई भी की है। चीन की मनमानी हरकते दोनों देशों को रिश्तों के लिए मददगार नहीं है। शेख हसीना के मामले में हमे उनका अनुरोध मिला।

बोल्सोनारो को 27 साल की सजा काटने का आदेश

ब्रासीलिया। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोसियस ने पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और उनके छह करीबी सहयोगियों को तख्तापलट की कोशिश मामले में दोषी पाए जाने पर 27 साल की जेल की सजा काटने का आदेश दिया है। ग्लोबो अखबार ने यह जानकारी दी है। प्रकाशित रिपोर्ट में न्यायमूर्ति मोराएस के हवाले से कहा गया मैं जेयर बोल्सोनारो की सजा तुरंत शुरू करने का आदेश देता हूं। यह सजा 27 साल और तीन महीने की होगी, जिसमें 24 साल और नौ महीने पूर्ण रूप से बंद जेल में तथा शेष दो साल और छह महीने अर्ध-हिरासत में काटने होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, मुकदमा वर्चुअल तरीके से चला और न्यायमूर्ति मोराएस ने घोषणा की कि यह अब अंतिम रूप से पूरा हो चुका है, क्योंकि बोल्सोनारो के बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने सोमवार को निर्धारित अंतिम तारीख तक कोई नई अपील दाखिल नहीं की थी। पूर्व राष्ट्रपति अपनी सजा राजधानी ब्रासीलिया स्थित फेडरल पुलिस मुख्यालय में काटेंगे, जहां वह पहले से ही मामले की सुनवाई के समय से ही हिरासत में हैं।

हॉन्गकॉन्ग की 35 मंजिला इमारत में आग, 4 की मौत

हान्ग कान्ग। हान्गकान्ग के उत्तरी ताई पो जिले में बुधवार को एक 35 मंजिला रिहायशी काम्प्लेक्स की 3 इमारतों में आग लग गई। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट के मुताबिक इस हादसे में चार लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 9 लोग घायल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आग कम से कम तीन इमारतों तक फैल गई थी। बीबीसी के मुताबिक कम से कम 13 लोग इमारत के अंदर अब भी फंसे हुए हैं।

■ बांस का मचान होने से आग तेजी से फैली, इमारत में 13 लोग अब भी फंसे हुए
■ हान्गकान्ग में निर्माण और मरम्मत कार्यों में बांस की मचान का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है

वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान से ढके हुए थे। हान्गकान्ग में निर्माण और मरम्मत कार्यों में बांस की मचान का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। ऐसा माना जा रहा है कि इसकी वजह से आग तेजी से फैली। फिलहाल आग लगने के कारणों की पक्की जानकारी नहीं है। हालांकि माना जा रहा है कि आग इमारतों के बाहर लगी बांस की स्कैफोल्डिंग (मचान) के जरिए तेजी से फैल गई। आग इमारतों के बाहर लगे बांस के बंदों (स्कैफोल्डिंग) के जरिए तेजी से फैल गई। मौके पर दमकल की कई गाड़ियां और बचाव दल पहुंचकर आग बुझाने और लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटे हैं। घटनास्थल से मिली फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि इमारत के कई फ्लैटों के बाहर लगी बांस की मचान तेज लपटों में घिरी हुई है। वांग फुक कोर्ट न्यू टेरिटरीज के ताई पो इलाके में बना एक हाउसिंग काम्प्लेक्स है, जहां इस समय मरम्मत और नवीनीकरण का काम चल रहा है। इस एस्टेट में 1984 फ्लैट हैं और यहां करीब 4000 लोग रहते हैं। हान्गकान्ग सरकार ने कहा है कि वांग फुक कोर्ट काम्प्लेक्स में लगी आग के बाद अस्थायी शेल्टर खोले गए हैं। ये शेल्टर क्वान्ग फुक कम्युनिटी हाल और तुंग चेओंग स्ट्रीट लीजर बिल्डिंग में बनाए गए हैं। इसके अलावा ऐलिस हो मियू लिंग नेथरसोले अस्पताल में एक हेल्प डेस्क बनाया गया है, ताकि लोगों को मदद और जानकारी दी जा सके। सरकार ने कहा कि ताई पो जिला कार्यालय हालात पर कड़ी नजर रख रहा है और जरूरत होने पर और शेल्टर खोले जाएंगे।

ट्रम्प ने टर्की पक्षियों को क्षमादान देने की परंपरा निभाई

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने थैंक्सगिविंग पर्व से पहले बुधवार को एक समारोह में 'गॉबल' और 'वाडल' टर्की पक्षियों को क्षमादान देने की परंपरा निर्वाह किया। राष्ट्रपति ने एक टर्की को संबोधित करते हुए हास्यबोध के साथ कहा कि गॉबल, तुम्हें बिना शर्त क्षमादान दिया जाता है।

■ थैंक्सगिविंग के अवसर टर्की पक्षियों को पका कर दावत में परोसा जाता है

जिस पर उस पक्षी ने अपनी विशिष्ट 'गॉबल' ध्वनि से प्रतिक्रिया दी। उत्तरी कैरोलिना से लाए गए दोनों टर्की पक्षियों को व्हाइट हाउस में लाए जाने से पहले 'द विलार्ड इंटरकांटिनेंटल होटल' में ठहराया गया था। इस वार्षिक आयोजन में कुछ चुनिंदा टर्की पक्षियों को क्षमादान दिया जाता है और उन्हें छोड़ दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि थैंक्सगिविंग के अवसर टर्की पक्षियों को पका कर दावत में परा. ेसा जाता है। यह प्रथा 1863 में अब्राहम लिंकन के समय से चली आ रही है, लेकिन जॉर्ज एच-डब्ल्यू-बुश के शासन काल में 1989 में इसे एक औपचारिक 'राष्ट्रपति क्षमादान' का रूप दिया गया। ट्रम्प ने समारोह के दौरान अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा दिए गए टर्की क्षमादानों की आलोचना करते हुए दावा किया कि वे एक अमान्य थे, क्योंकि स्वयं बाइडेन ने क्षमापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किया था, बल्कि 'ऑटोपेन' से हस्ताक्षर किया गया था। उन्होंने घोषणा की कि पहले क्षमादान प्राप्त टर्की 'पीच' और 'ब्लॉसम' को वध होने से बचा लिया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे पास आधिकारिक कर्तव्य है कि मैं यह निर्धारित करूं और मैंने निर्धारित किया है कि पिछले साल के टर्की क्षमादान पूरी तरह से अमान्य हैं। राष्ट्रपति ने मजाकिया लहजे में 'गॉबल' और 'वाडल' का नाम लोकतांत्रिक नेताओं चक शूमर और नैन्सी पेलोसी के नाम पर भी रखा, लेकिन साथ ही अपनी ही युक्ति का भी मजाक उड़ाया कि वह दोनों नेताओं को कभी माफ नहीं करेंगे।

आर्मेनिया ने भारत से तेजस जेट खरीदने का समझौता रोका

दावा: दुबई क्रैश के बाद फैसला, 10 हजार करोड़ में 12 तेजस विमानों की होनी थी डील

नई दिल्ली। आर्मेनिया ने भारत से तेजस फाइटर जेट खरीदने की बातचीत फिलहाल रोक दी है। इजराइली मीडिया यरुशलम पोस्ट के मुताबिक यह फैसला 21 नवम्बर को दुबई एयरशो में तेजस के क्रैश होने के बाद लिया गया। इस हादसे में भारतीय पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल की मौत हो गई थी।

आर्मेनिया, भारत से करीब 1.2 बिलियन डालर (10 हजार करोड़) में 12 तेजस विमान खरीदने की तैयारी कर रहा था। यह डील लास्ट स्टेज में थी। ये तेजस की पहली विदेशी डील हो सकती थी। हालांकि इस पूरे मामले पर आर्मेनिया सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। भारत सरकार ने भी अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। 20 महीने में दूसरी बार तेजस क्रैश दुबई एयर शो के आखिरी दिन शुक्रवार दोपहर करीब 2:10 बजे (भारतीय समय के मुताबिक 3.40 बजे) एरियल डिस्प्ले चल रहा था। इस दौरान भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान तेजस लो-एल्टीटयूड मैन्यूवर कर रहा था। तभी अचानक उसकी ऊंचाई कम हुई और कुछ ही सेकेंड में विमान जमीन पर जा गिरा। मौके पर विमान में धमाके के साथ आग लग गई। इस हादसे में पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में भी तेजस क्रैश हुआ था, लेकिन तब पायलट सुरक्षित इजेक्ट कर गए थे। यह 20 महीने में तेजस का दूसरा हादसा है। इस वक्त भारतीय वायु सेना के बेड़े में जो टाप फाइटर जेट हैं उनमें सुखोई एसयू-30एमकेआई, राफेल, मिराज, एमआईजी-29 और तेजस का नाम शामिल है। तेजस अपनी इन खूबियों की वजह से बाकी के चारों फाइटर जेट से अलग और खास है। अब तेजस का एक उन्नत संस्करण ए1 बनना शुरू हुआ है, जिसमें कई आधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। इसके कई सिस्टम इजराइल की कंपनियों ने डेवलप किए हैं। तेजस ए1 में इजराइली कंपनी **IAI&Elta** का **AESA** रडार, इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम और एल्बिट का नया हेलमेट-माउंटेड डिस्प्ले लगाया जाएगा। इसके साथ ही विमान में राफेल द्वारा बनाए गए डर्बी मिसाइल भी लगाए जाएंगे। पीएम मोदी खुद भी तेजस फाइटर प्लेन में उड़ान भर चुके हैं। उन्होंने 25 नवम्बर 2022 को इसमें उड़ान भरी थी। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की फाइटर प्लेन में पहली उड़ान थी। आर्मेनिया और भारत के बीच एक और डिफेंस डील है, जिसमें फ्रांस भी पार्टनर के तौर पर शामिल है। इसके तहत भारत आर्मेनिया को देश में बना एंटी-एयर सिस्टम आकाश एक्सपोर्ट करेगा। हवाई हमले रोकने वाले इस सिस्टम में तोप, गोला-बारूद और ड्रोन शामिल हैं। इसके लिए दोनों देशों में करीब 6 हजार करोड़ रुपये का समझौता हुआ था।

■ भारत सरकार ने भी अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की
■ मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में भी तेजस क्रैश हुआ था

सोशल मीडिया पर इमरान की मौत की अफवाह

पाकिस्तान सरकार चुप, बहनों ने कहा: मिलने नहीं दिया जा रहा, पुलिस पर बदसलूकी का आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहनें मुलाकात नहीं कर पा रही हैं। एक साल से जारी को. शिशों के बावजूद जेल प्रशासन हर बार सुरक्षा कारणों का हवाला देकर मुलाकात से रोक रहा है। मंगलवार रात इमरान खान की बहनें इमरान खान की बहनें अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डा. उज्मा खान, इमरान के समर्थकों के साथ जेल के बाहर धरने पर बैठ गईं।

उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण विरोध के दौरान पंजाब पुलिस ने अंधेरा कर उन पर लाठीचार्ज किया। 71 साल की नोरीन खान ने दावा किया कि उन्हें बालों से पकड़कर सड़क पर घसीटा गया। अन्य महिलाओं के साथ भी मारपीट की गई। इस बीच, इमरान खान को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी मौत की अफवाहें फैल गईं। कुछ पोस्ट में दावा किया गया कि उन्हें किसी दूसरी जगह ले जाया गया है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कई अकांउट ने इमरान की मौत की अफवाह फैला दी है। मार्च 2025 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान को परिवार और वकीलों से नियमित मुलाकात की मंजूरी दी थी, लेकिन जेल प्रशासन आदेश का पालन नहीं कर रहा। अक्टूबर 2025 में अदालत ने दोबारा मुलाकातें बहाल करने का निर्देश दिया, फिर भी उनकी बहनों को अब तक एक भी मुलाकात नहीं मिल पाई है। पिछले हफ्ते इमरान खान की बहनों के साथ रावलपिंडी पुलिस ने बदसलूकी की थी। उन्हें सड़क पर घसीटा गया और जबरदस्ती हिरासत में लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब उनकी बहनें इमरान खान से होने वाली साप्ताहिक मुलाकात के लिए अडियाला जेल पहुंची थीं, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने एक्स पोस्ट में कहा कि इमरान खान की बहनें अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डा. उज्मा खान जेल के बाहर शांतिपूर्वक बैठी थीं, तभी पुलिस ने उन्हें जबरन उठाकर ले जाने की कोशिश की। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में इमरान खान की बहनों के साथ इस तरह घटना हुई हो। इससे पहले सितम्बर 2025 में, अडियाला जेल के बाहर मीडिया से बात करते वक्त अलीमा पर अंडे फेंके जाने की घटना हुई थी। इसके अलावा अलीमा, नोरीन और उज्मा को अप्रैल 2025 में जेल पहुंचने की कोशिश के दौरान भी गिरफ्तार किया गया था।

■ दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं
■ शांतिपूर्ण विरोध के दौरान पंजाब पुलिस ने अंधेरा कर उन पर लाठीचार्ज किया

नाइजीरिया में अगवा हुई सभी छात्राएं सकुशल रिहा

अबुजा। नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला टिनुबु ने अगवा की गई 24 छात्राओं के सकुशल रिहा होने की पुष्टि की है। इन लड़िकयों को संदिग्ध आतंकी गत 17 नवम्बर को एक सरकारी स्कूल के छात्रावास से अपहरण करके ले गए थे। राष्ट्रपति टिनुबु ने देर रात जारी बयान में कहा कि मुझे राहत है कि सभी 24 छात्राओं को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। सरकारी अधिकारियों ने भी बताया कि सभी लड़िकयां स्वस्थ हैं और उन्हें जल्द ही उनके परिवारों से मिलवाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, इस स्कूल पर धावा बोलने वाले हमलावरों ने दो कर्मचारियों की हत्या कर दी थी और इन छात्राओं को साथ ले गए थे। छात्राओं की रिहाई कैसे हुई, इसका खुलासा नहीं किया गया है। राष्ट्रपति ने सुरक्षा बलों की 'तेज कार्रवाई' की सराहना भी की। इस अपहरण के बाद पिछले सप्ताह देश के मध्य हिस्से में कई इसी तरह की घटनाएं सामने आई थीं। इनमें एक चर्च से 38 श्रद्धालुओं का अपहरण और नाइजर देश के एक विद्यालय से 300 से अधिक विद्यार्थियों का अपहरण भी शामिल है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108